@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 22 जुलाई 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 258 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सिक्किम टनल हादसा: मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 10

• ज़हरीली गैस-खराब मौसम के बीच बचाव कार्य जारी

एजेंसी
गंगटोक। सिक्किम के नाम्ची जिले के समरदुंग क्षेत्र में एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग (टनल) में हुए हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है।

प्रशासन ने आशंका जताई है कि टनल के भीतर अभी भी कई मजदूर फंसे हो सकते हैं। ऐसे में मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य पुलिस, दमकल और अन्य राहत एजेंसियां लगातार चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में संयुक्त रूप से बचाव अभियान चला रही हैं। नाम्ची जिले की पुलिस अधीक्षक सोनाम डोल्मा भोटिया ने मंगलवार को मीडिया को बताया कि अब तक टनल से 10 शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें सात मृतकों की पहचान कर ली गई है, जबकि तीन शवों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

पहचान किए गए मृतकों में तीन पश्चिम बंगाल, जबकि एक-एक सिक्किम, उत्तराखंड, पंजाब और असम के निवासी हैं उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन मृतकों के परिजनों से लगातार संपर्क में है। जिन परिवारों से संपर्क स्थापित हो चुका है, उन्हें सभी आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद मंगलवार को शव सौंप दिए जाएंगे।

सिक्किम सुरंग हादसे पर प्रधानमंत्री ने जताया शोक

मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख की सहायता की घोषणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिक्किम के नामची जिले में निर्माणाधीन सुरंग के ढहने की घटना में लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के निकटतम परिजन को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। इसके अलावा, प्रत्येक घायल को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस दुखद घटना से वह बेहद व्यथित हैं और इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं प्रभावित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि घायलों को हरसंभव चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

अमित शाह ने सिक्किम के मुख्यमंत्री को 'नामची' भूस्खलन पर हरसंभव सहायता का दिया आश्वासन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग से बातचीत कर नामची जिले में निर्माणाधीन सुरंग के पास हुए भूस्खलन के बाद की स्थिति और जारी राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली। शाह ने मुख्यमंत्री से कहा कि केंद्र सरकार इस कठिन समय में सिक्किम के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने बचाव अभियान को सफल बनाने तथा प्रभावित लोगों की सहायता के लिए केंद्र की ओर से हरसंभव मदद उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। गृह मंत्री ने राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी एजेंसियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि फंसे लोगों को जल्द सुरक्षित बाहर निकाला जाएगा और प्रभावित परिवारों को हर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सिक्किम सुरंग हादसे पर जताया दुख

एजेंसी
नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सिक्किम के नामची जिले में बन रही सुरंग में हुए हादसे में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, इस जिले में बन रही सुरंग में हुए हादसे में लोगों की मौत पर गहरा दुख हुआ। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। मैं प्रार्थना करता हूं कि जिन्होंने अपनों को खोया है उन्हें हिम्मत और साहस मिले, जो लोग फंसे हुए हैं उन्हें सुरक्षित निकाला जा सके और घायल लोग जल्द ठीक हो जाएं।

नगालैंड में बारिश का कहर: मृतकों की संख्या नौ पहुंची, चार अब भी लापता

कोहिमा। नगालैंड में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन ने व्यापक तबाही मचाई है। राज्य में इस आपदा में मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। मोन जिले में मंगलवार को पांच और शव बरामद किए गए, जबकि चार लोग अब भी लापता हैं। राहत एवं बचाव दल उनकी तलाश में लगातार अभियान चला रहे हैं। यह जानकारी नगालैंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनएसडीएमए) ने दी। एनएसडीएमए के अनुसार, प्रारंभिक आकलन में राज्यभर में 7,460 से अधिक लोग बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित हुए हैं। हालांकि, विस्तृत सर्वेक्षण के बाद प्रभावित लोगों और संपत्ति के नुकसान का आंकड़ा और बढ़ने की संभावना है। सबसे अधिक प्रभावित मोन जिला रहा, जहां अब तक सभी नौ मौतें दर्ज की गई हैं। इनमें से पांच लोगों की मौत मोन शहर के शांतम वार्ड में हुए भूस्खलन में हुई। प्रशासन के अनुसार, राहत एवं बचाव दल लगातार मलबा हटाने और लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

कर्नाटक कैबिनेट के विस्तार पर दिल्ली में मंथन तेज, जल्द हो सकता है मंत्रियों के नाम का ऐलान

बेंगलुरु । कर्नाटक में लंबे समय से लंबित कैबिनेट विस्तार को लेकर कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य सिद्दारमैया तथा कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद मंगलवार को नई दिल्ली पहुंचे। माना जा रहा है कि अगले एक-दो दिनों में कांग्रेस हाईकमान के साथ महत्वपूर्ण बैठकों के बाद कैबिनेट विस्तार पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, डीके शिवकुमार फिलहाल दिल्ली में ही रुकेंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि वे कांग्रेस नेतृत्व और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकों में शामिल होंगे, जहां नए मंत्रियों की सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। संभावना है कि बुधवार तक स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी और इस सप्ताह के अंत तक कैबिनेट विस्तार की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। 3 जून को मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद से ही कैबिनेट विस्तार लंबित है। इस बीच कई वरिष्ठ और युवा कांग्रेस नेता मंत्री पद के लिए सक्रिय रूप से दावेदारी कर रहे हैं।

बेंगलुरु में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि जैसे ही कांग्रेस हाईकमान की मंजूरी मिलेगी, कैबिनेट विस्तार तुरंत किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'राज्य के नेता दिल्ली गए हैं। सूची को मंजूरी मिलने के बाद राज्यपाल से समय लिया जाएगा और उसके बाद नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा।

छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस का हमला, कहा-अमित शाह दोनों सदनों में दें स्पष्टीकरण

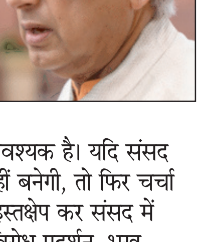

नई दिल्ली । संसद के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को कांग्रेस के सांसदों ने दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज, आंसू गैस के इस्तेमाल और पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की है। पार्टी नेताओं ने संसद में इस पूरे मामले पर चर्चा कराने और गृह मंत्री अमित शाह से दोनों सदनों में विस्तृत बयान देने की मांग की। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि देश और राजधानी से जुड़े कई गंभीर मुद्दे संसद के सामने हैं, जिन पर चर्चा होना आवश्यक है। यदि संसद ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर बहस का मंच नहीं बनेगी, तो फिर चर्चा कहां होगी। थरूर ने लोकसभा अध्यक्ष से हस्तक्षेप कर संसद में जारी गतिरोध समाप्त कराने और छात्रों के विरोध प्रदर्शन, भूख हड़ताल, पुलिस कार्रवाई तथा हिंसा सहित पूरे घटनाक्रम पर खुली चर्चा कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस घटना में बड़ी संख्या में लोग घायल हुए और करीब 100 लोगों को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

पीएम आवास के पास कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

• धरने पर बैठे राहुल को पुलिस उठाकर ले गई, कई नेता हिरासत में

एजेंसी
दिल्ली । राजधानी दिल्ली में राजनीतिक पारा उस वक्त चढ़ गया जब कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने सीधे लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास का घेराव करने की कोशिश की। पीएम आवास के पास मंगलवार दोपहर साढ़े तीन बजे धरने पर बैठे कांग्रेसियों को पुलिस शाम साढ़े 6 बजे उठाकर ले गई। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव समेत कई नेता को हिरासत में ले लिया है। सरकार ने 3 घंटे के धरने में राहुल से 2 बार बातचीत की, लेकिन वे नहीं माने।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, केसी वेणुगोपाल और पवन खेड़ा सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी समेत अन्य सांसदों व नेताओं को पुलिस ने डिटेन किया है। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की, भारी पुलिस बल तैनात प्रदर्शनकारी नेता देश में शिक्षा व्यवस्था के मुद्दों और हालिया विवादों को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पीएम आवास की ओर बढ़ रहे थे। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूरे इलाके में भारी पुलिस बल और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई थी। पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया, जिसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी बहस व धक्का-मुक्की हुई। राहुल, प्रियंका और खरगे समेत कई नेता हिरासत मेंसुरक्षा घेरा तोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल सहित कई प्रमुख कांग्रेस नेताओं को दिल्ली पुलिस ने मौके से हिरासत (Detain) में ले लिया। पुलिस प्रशासन का कहना है कि क्षेत्र में धारा 144 लागू होने और सुरक्षा कारणों के चलते यह कार्रवाई की गई है। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं और छात्रों की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन वे शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और युवाओं को न्याय मिलने तक अपना आंदोलन जारी रखेंगे।

राहुल गांधी का बात से मुकर जाना दुर्भाग्यपूर्ण, संसद में चर्चा की मांग माने जाने के बाद बदला विचार: जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जैसे नेता का अपनी बात से मुकर जाना दुर्भाग्यपूर्ण है और लोकतंत्र की हर मर्यादा के विपरीत है। केंद्रीय राज्यमंत्री का यह बयान उस समय आया, जब राहुल गांधी सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस की लाठीचार्ज की घटना का मुद्दा उठा रहे थे। राहुल गांधी ने मंगलवार को कांग्रेस सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान जितेंद्र सिंह राहुल गांधी से मुलाकात करने पहुंचे, लेकिन दोनों के बीच बातचीत से कोई समाधान नहीं निकला।

आरएमएल अस्पताल में घायल युवाओं से मिले जेपी नड्डा, बेहतर इलाज के दिए निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा मंगलवार को अचानक कॉकरोच जनता पार्टी के संसद' मार्च के दौरान हुई झड़प और पुलिस कार्रवाई में घायल युवाओं का हाल जानने के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में स्वास्थ्य मंत्री ने घायल युवाओं से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने आरएमएल अस्पताल में डॉक्टरों के साथ बैठक की। उन्होंने डॉक्टरों की टीम से इलाज की जानकारी ली और सभी घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद वे लेडी हार्डिंग अस्पताल भी पहुंचे।

असम में बाढ़ का प्रकोप बरकरार

मृतकों की संख्या 13 पहुंची, 11 जिलों के 3.13 लाख से अधिक लोग प्रभावित

एजेंसी
गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। राज्य में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है, जबकि 11 जिलों के 3.13 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। पड़ोसी पहाड़ी राज्यों, विशेषकर नगालैंड में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और बादल फटने की घटनाओं के कारण अचानक आई बाढ़ से राज्य की कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है और राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, सबसे अधिक प्रभावित जिलों में चराइदेव, शिवसागर और जोरहाट शामिल हैं। अकेले शिवसागर जिले में करीब 1.58 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। राज्यभर में 794 गांव जलमग्न हो चुके हैं, जबकि

19,099 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि बाढ़ के पानी में डूब गई है। इसके अलावा लगभग 5.97 लाख पशु एवं पोल्ट्री भी प्रभावित हुए हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ा है। बाढ़ का असर सड़क और रेल यातायात पर भी पड़ा है। नाजिरा-गेलेकी सड़क का एक बड़ा हिस्सा बह जाने से शिवसागर और नाजिरा के बीच सड़क संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया है। वहीं टियक के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-715 जलमग्न होने से आवागमन प्रभावित है।

संसद के दोनों सदनों में हंगामा, लोकसभा और राज्यसभा बुधवार तक स्थगित

यह मानसून सत्र का दूसरा दिन था और लगातार दूसरे दिन संसद की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ गई

एजेंसी
नई दिल्ली । मानसून सत्र के दूसरे दिन भी संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही भारी हंगामे के कारण नहीं चल सकी। लगातार शोर-शराबे और नारेबाजी के बीच लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही बुधवार, 22 जुलाई, सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। विपक्ष का कहना है कि वे संसद में नीट परीक्षा, पेपर लीक व जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों का विषय उठाना चाहते हैं। वहीं राज्यसभा में उपसभापति ने विपक्ष से शांति बनाए रखने और नियम आधारित कार्यवाही से चलने का अनुरोध किया। लेकिन दोनों ही सदनों में हंगामा जारी रहा और संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। मंगलवार सुबह 11 बजे जैसे ही दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू हुई इसके कुछ ही देर बाद विपक्ष ने नीट परीक्षा व पेपर लीक पर चर्चा की मांग की। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस विषय पर अपनी बात भी रखी लेकिन इसके बाद ही हंगामा शुरू हो गया। जल्द ही सदन की करवाई को स्थगित करना पड़ा। राज्यसभा की कार्यवाही पहले 12 तक स्थगित की गई लेकिन 12 बजे भी यही क्रम चालू रहा। इसके बाद सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित की गई। दो बजे भी सदन में हंगामा बरकरार रहा जिस को देखते हुए सदन की कार्यवाही अगले दिन यानी बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं लोकसभा में भी विपक्ष ने नारेबाजी की। भारी हंगामे के चलते यहां भी कार्यवाही बुधवार तक के लिए तक स्थगित की गई। कांग्रेस समेत विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा में नियम 267 के तहत काम रोकने का नोटिस दिया था। ये सांसद नीट यूजी 2026 व पेपर लीक मामले पर तुरंत चर्चा कराने की मांग कर रहे थे। सत्र शुरू होते ही विपक्षी दलों के सांसद विभिन्न मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए सदन के वेल में पहुंच गए। सांसदों ने नारेबाजी की और सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। हंगामे के कारण दोनों सदनों में प्रश्नकाल और सूचीबद्ध विधायी कार्य नहीं हो सके। पीठासीन अधिकारियों ने कई बार सदस्यों से अपनी-अपनी सीटों पर लौटने और सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलने देने की अपील की, लेकिन विपक्षी सांसदों के हंगामे के चलते कार्यवाही आगे नहीं बढ़ सकी। लोकसभा में विपक्षी सांसदों के वेल में आने और लगातार नारेबाजी के कारण सदन की कार्यवाही बाधित रही। इसी तरह राज्यसभा में भी विपक्षी सदस्यों ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिससे सदन में कोई महत्वपूर्ण कार्य नहीं हो सका। अंतत दोनों सदनों की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

दिल्ली कूच को रोकने के लिए पुलिस ने सील की सीमाएं

किसान बोले-'टकराव नहीं, संवाद चाहते हैं'

एजेंसी
पटियाला । भारत-अमेरिका प्रस्तावित ट्रेड डील के विरोध में पंजाब से हजारों किसान मंगलवार सुबह से दिल्ली कूच के लिए निकले लेकिन उन्हें शंभू, कुंडली और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस द्वारा रोक दिया गया। पुलिस ने सीमा पर भारी बैरिकेडिंग कर रास्ता बंद कर दिया। वहीं, किसानों ने साफ किया कि वे किसी भी बैरिकेड को तोड़ने की कोशिश नहीं करेंगे और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं। किसान मजदूर मोर्चा के नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि 'देश बचाओ मोर्चा' के तहत पहले ही यह फैसला लिया गया था कि किसान किसी भी बैरिकेड को तोड़कर आगे नहीं बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों का आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा और किसी तरह का टकराव उनकी रणनीति का हिस्सा नहीं है। पंधेर ने बताया कि किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी और दिल्ली में किसानों की गिरफ्तारी के बाद किसानों में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि उनकी पहली मांग गिरफ्तार किसानों की रिहाई है। इसके साथ ही वे चाहते हैं कि केंद्र सरकार बातचीत का रास्ता खोले और किसानों की चिंताओं को सुने। उन्होंने बताया कि उनकी अंबाला

के पुलिस अधीक्षक (एसपी) से बातचीत हुई थी। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि उन्हें ऊपर से निर्देश मिले हैं कि किसानों को आगे नहीं जाने दिया जाएगा। हालांकि, किसानों ने प्रशासन से पूछा कि उन्हें रोकने की आधिकारिक वजह क्या है लेकिन इस संबंध में कोई सार्वजनिक आदेश या अधिसूचना नहीं दिखाई गई।

दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

सोनम वांगचुक को प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट करने की अनुमति

• मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सोनम वांगचुक को मेदांता अस्पताल में शिफ्ट किया जाए।

एजेंसी
नई दिल्ली । सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो की याचिका पर मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। यह याचिका उस सिंगल जज के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें सोनम वांगचुक को उनकी पसंद के निजी अस्पताल में शिफ्ट करने संबंधी अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया गया था। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ने अदालत को बताया कि कोर्ट के पहले के निर्देशों के अनुसार एम्स के डॉक्टर लगातार वांगचुक की निगरानी कर रहे हैं और उनकी मेडिकल स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। वहीं, गीतांजलि अंगमो

ने अदालत में एक हलफनामा दाखिल किया, जिसमें सोनम वांगचुक की मेडिकल रिपोर्ट और डॉक्टरों की सलाह को रिकॉर्ड पर रखा गया। उनके वकील ने उन डॉक्टरों का पत्र भी अदालत में पेश किया, जो लंबे समय से वांगचुक का इलाज और चिकित्सकीय सलाह देते रहे हैं। इसके साथ ही उस डॉक्टर का पत्र भी जमा किया गया, जो उनके विरोध प्रदर्शन के दौरान उनका उपचार कर रहे थे। गीतांजलि अंगमो के वकील ने अदालत को बताया कि संबंधित डॉक्टरों ने वांगचुक की प्रत्यक्ष क्लिनिकल जांच नहीं की है, लेकिन उन्होंने उपलब्ध मेडिकल रिपोर्ट और उनकी पूरी मेडिकल हिस्ट्री के आधार पर अपनी पेशेवर राय दी है। सुनवाई के दौरान एएसजी ने अदालत को बताया कि सबसे बड़ी चिंता वांगचुक की मेडिकल रिपोर्ट में टीएलसी 2.9 होना है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति बेहद गंभीर है और इससे शॉक, संक्रमण तथा मल्टीपल ऑर्गन फेलियर का खतरा पैदा हो सकता है।

ओडेसा हमला : यूक्रेन युद्ध में 4 भारतीय नाविकों की मौत, सुरक्षा पर सवाल

- वाणिज्यिक जहाज पर हमले में कुल 10 जानें गईं; भारत ने निंदा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना हो रहे एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले में चार भारतीय नाविकों सहित कुल 10 लोगों की मौत हो गई है। भारत ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए युद्धग्रस्त क्षेत्रों में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार 19 जुलाई की शाम एम.वी. गोल्डन लियो नामक मालवाहक जहाज पर हुए हमले में चार भारतीयों ने जान गंवाई, जबकि चालक दल के 17 सदस्यों में से एक अन्य भारतीय गंभीर रूप से घायल है। भारत ने वाणिज्यिक जहाजों और निर्दोष नाविकों को निशाना बनाने को निंदनीय बताया। विदेश मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की स्वतंत्रता में बाधा डालने को अस्वीकार्य करार दिया। उधर, यूक्रेन ने हमले के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया; विदेश मंत्री ने कहा कि रूसी मिसाइलों ने एक असैन्य जहाज को निशाना बनाया, जो वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मार्ग पर था। यह यूक्रेन युद्ध में भारतीय नाविकों की मौत का पहला मामला है। भारतीय दूतावास स्थिति पर लगातार नज़र रखे हुए है और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता दे रहा है। सरकार ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त कर घायल नागरिक के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में आठ सप्ताह में सीबीआई जवाब दाखिल करे–हाईकोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खण्डपीठ ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने के आदेश देने का आग्रह करने वाली याचिका पर करीब दो घंटे तक सुनवाई की। हाई कोर्ट की वेबसाइट पर पीठ का आदेश उपलब्ध नहीं था। मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी। न्यायमूर्ति आर. एस. चौहान और न्यायमूर्ति बी. आर. सिंह की खंडपीठ ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दायर एक याचिका पर यह सुनवाई की। याचिकाकर्ता ने राहुल गांधी पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया है और इस मामले की सीबीआई और ईडी से जांच की मांग की है। पीठ ने अपने पिछले आदेश में कहा था कि उम्मीद की जाती है कि अगर याचिकाकर्ता की शिकायत मिल गई है तो शिकायत के आरोपों की कानून के अनुसार जांच की जा सकती है। यह कहने की जरूरत नहीं है कि सीबीआई या ईडी कानून के तहत उचित कदम उठा सकती है। लखनऊ पीठ ने सीबीआई और ईडी के अलावा केंद्र सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और गंभीर कपट अन्वेषण कार्यालय (एसएफआईओ) के निदेशक को भी निर्देश दिया था कि वह गांधी के खिलाफ याचिकाकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों पर आठ सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करें। पीठ ने इससे पहले गत 12 मई को मामले की सुनवाई चैंबर में की थी।

पेपर लीक पर अखिलेश का वार : राज खुलने के डर से नहीं दे रहे इस्तीफा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने पेपर लीक के कथित मामलों और छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र पर हमलावर है। संसद में पत्रकारों से उन्होंने कहा कि सरकार परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने में नाकाम रही है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसलिए नहीं हो रहा है, क्योंकि उन्हें डर है कि उनके राज़ खुल सकते हैं। पूर्व सीएम यादव ने विरोध-प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज, आंसू गैस और बिजली के झटकों की कड़ी निंदा की। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यही सबका साथ, सबका विकास और अमृत काल है, जहां युवाओं के सिर फोड़े जा रहे हैं? उन्होंने सरकार को पेपर लीक रोकने की सीधी जिम्मेदारी याद दिलाकर कहा कि इतनी बड़ी गड़बड़ी के बाद भी सदन में नारे लगना बेहद शर्मनाक है।

टीएमसी का शहीद दिवस : कोलकाता में ममता की रैली, दिल्ली में बागी सांसदों का प्रदर्शन

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपना वार्षिक 21 जुलाई शहीद दिवस मनाया। यह दिन 1993 में तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार के दौरान विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस फायरिंग में मारे गए 13 युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की याद में मनाया जाता है। शहीद दिवस कार्यक्रम के लिए बड़ी संख्या में टीएमसी समर्थक कोलकाता के बिड़ला तारामंडल में जमा हुए। एक समर्थक ने पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, टीएमसी फिर जीतेगी। मैं दीदी का समर्थन करता हूं। इस मौके पर टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने 1993 की घटना को याद किया, जब ममता बनर्जी के नेतृत्व में वोटर पहचान पत्र की मांग को लेकर निकाले गए जुलूस पर पुलिस ने गोली चलाई थी, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई और 200 घायल हुए थे। सांसद रॉय ने बताया कि ममता बनर्जी तब से ही घटना की याद में शहीद दिवस मनाती आ रही हैं। हालांकि, इस मौके पर कुछ आलोचकों ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी शहीदों के लिए दुख का दिखावा करती हैं, जबकि उन्होंने मनीष गुप्ता को मंत्री बनाया था, जो उस समय गृह विभाग के प्रधान सचिव थे और उन्हीं के आदेश पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर गोली चली थी। आलोचकों ने आरोप लगाया कि चुनाव हारने के बाद भी मनीष गुप्ता को मंत्री से भी ऊंचा दर्जा दिया गया। साथ ही, सुशांत चटर्जी आयोग की रिपोर्ट को सालों तक दबाने और सार्वजनिक न करने का भी आरोप लगाया गया, जबकि इस घटना के मुख्य साजिशकर्ता को पार्टी में शामिल कर मंत्री बनाया गया। इस बीच एनसीपीआई में शामिल हुए बागी टीएमसी सांसदों ने दिल्ली में राजघाट जाकर इस दिन को याद किया। बागी टीएमसी सांसद और एनसीपीआई नेता सुदीप बंद्योपाध्याय ने बताया कि वे 1993 की पुलिस फायरिंग में मारे गए 13 निर्दोष युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कहा कि वे अब एनसीपीआई में हैं, इसलिए उन्होंने राजघाट पर शहीदों को याद करने का फैसला किया।

किसी भी मुद्दे का समाधान प्रदर्शन नहीं, बातचीत से निकलना चाहिए

–सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर हेमा मालिनी, व कंगना ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर जारी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन ने अब सियासी गलियारों के साथ-साथ फिल्मी दुनिया में भी हलचल मचा दी है। संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन जब प्रदर्शनकारी संसद की ओर मार्च करने निकले तो बीजेपी सांसद और बॉलीवुड की 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी ने इस पूरे आंदोलन को लेकर कहा कि इस तरह के विरोध का कोई मतलब नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि इससे पहले कंगना रनौत भी इसी मुद्दे पर प्रदर्शनकारियों को निशाने पर ले चुकी हैं। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन संसद परिसर पहुंचीं हेमा मालिनी ने मीडिया से कहा कि किसी भी मुद्दे का समाधान प्रदर्शन नहीं, बल्कि बातचीत से निकलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर कोई समस्या है तो उस पर सही तरीके से चर्चा होनी चाहिए। इस तरह से प्रदर्शन करने से कुछ हासिल नहीं होगा, जहां तक देश के युवाओं और शिक्षा व्यवस्था का सवाल है, हमारी मोदी सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी है और बहुत काम किया है। इसे देखते हुए आप लोग जो प्रदर्शन कर रहे हैं, उसका कोई मतलब नहीं बनता. इसे बातचीत से हल करना चाहिए। बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने भी मीडिया से बात करते हुए इस प्रदर्शन पर सवाल उठाए।

कंगना ने कहा कि संसदीय सत्र का उद्देश्य ही हर मुद्दे पर विस्तृत चर्चा करना है। हंगामा करके सरकार पर दबाव बनाना और यह तय करने की कोशिश करना कि किसे पद पर रखा जाए और किसे हटाया जाए, पूरी तरह से गलत है। जहां एक तरफ बॉलीवुड के कई सेलेब्स को बीजेपी का सपोर्ट मिल रहा है। वहीं, सीजेपी के आंदोलन को कई फिल्मी हस्तियों का समर्थन भी मिला है। वरिष्ठ एक्ट्रेस शबाना आजमी ने जंतर-मंतर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की और अपना समर्थन जताया। उनके अलावा प्रकाश राज भी प्रदर्शन स्थल पर नजर आए। सोशल मीडिया पर इमरान खान, नसीरुद्दीन शाह, जीनत अमान, अभय देओल, सोनी राजदान, सोनाक्षी सिन्हा, ओमी वैद्य, और रत्ना पाठक शाह जैसे कलाकार भी आंदोलन और सोनम वांगचुक के अनशन के समर्थन में अपनी राय रख चुके हैं।

मोदी सरकार किसानों और छात्रों के प्रति असंवेदनशील और उदासीन है : रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार किसानों की तरह लाखों छात्रों और युवाओं की गंभीर चिंताओं के प्रति भी असंवेदनशील और उदासीन है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में यह दावा भी किया कि ठीक एक साल पहले तत्कालीन उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को उनके पांच साल के कार्यकाल के तीन साल बाद इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी बड़े धूमधाम से धनखड़ को पद पर लाए थे, लेकिन किसानों की दुर्दशा और पीड़ा और मोदी सरकार की उनके प्रति चौंकाने वाली असंवेदनशीलता पर बार-बार अपनी व्यथा व्यक्त करने के कारण धनखड़ को अचानक पद छोड़ना पड़ा। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसी तरह की असंवेदनशीलता और उदासीनता अब लाखों छात्रों और युवाओं की गंभीर चिंताओं के मामले में भी पूरी तरह दिखाई दे रही है। रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने कहा कि धनखड़ को राज्यसभा के सदस्यों की ओर से औपचारिक विदाई देने का शिष्टाचार भी नहीं दिखाया गया। पिछले साल संसद के मानसून सत्र के दौरान 21 जुलाई को तत्कालीन उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजे अपने त्यागपत्र में स्वास्थ्य संबंधी कारणों और चिकित्सकीय सलाह का हवाला दिया था।

सीजेआई की टिप्पणी न होती तो प्रदर्शन नहीं होता: राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत द्वारा मई महीने में दी गई विवादित कॉकरोच टिप्पणी से प्रेरित होकर बनी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सोमवार को जंतर-मंतर से संसद तक पैदल मार्च निकाला। इस प्रदर्शन का श्रेय राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सीजेआई सूर्यकांत को दिया। राउत ने सोशल मीडिया पर सीजेआई का आभार व्यक्त करते हुए लिखा कि इस बड़े आंदोलन का श्रेय केवल एक व्यक्ति को जाता है, जिन्होंने देश की निष्क्रिय जनता में नई ऊर्जा भर दी। हालांकि, छात्रों और कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी वाला यह मार्च आगे चलकर उग्र हो गया, जिसमें प्रदर्शनकारियों और पुलिस बल के बीच हिंसक झड़प देखने को मिली। दिल्ली पुलिस के अनुसार, इस हिंसा में विशेष पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारियों सहित 118 से अधिक पुलिसकर्मी और करीब 60 प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं, जबकि 70 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है।

यह पूरा मामला मई के मध्य का है, जब सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ एक वकील से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा था कि कुछ युवा कॉकरोच और परजीवी की तरह होते हैं, जिन्हें जब रोजगार या किसी पेशे में जगह नहीं मिलती, तो वे मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई कार्यकर्ता बनकर व्यवस्था पर हमला करने लगते हैं। इस टिप्पणी पर हुए भारी विवाद के बाद सीजेआई ने 16 मई को सफाई जारी की थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनकी मंशा देश के युवाओं को निशाना बनाने की बिल्कुल नहीं थी, बल्कि उन्होंने केवल फर्जी डिग्रियों के सहारे वकालत या अन्य पेशों में घुसपैठ करने वाले लोगों के संदर्भ में यह बात कही थी। उन्होंने भारतीय युवाओं को देश के विकास का मजबूत स्तंभ करार दिया था।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में किसानों का दिल्ली कूच

शंभू बॉर्डर पर भारी पुलिस बल तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में एक तरफ जहाँ पेपर लीक के खिलाफ विरोध-प्रदर्शनों के कारण माहौल गर्म है, वहीं दूसरी तरफ पंजाब से किसानों का बड़ा हुजूम दिल्ली की ओर रवाना हो चुका है। किसान भारत-अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते का कड़ा विरोध कर रहे हैं। हालांकि, दिल्ली पहुँचने से पहले ही हरियाणा पुलिस ने किसानों को पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया है। किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने हरियाणा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि सरकार किसानों को दिल्ली में महापंचायत करने से रोक रही है और दमनकारी नीति अपना रही है।

किसानों के इस आंदोलन को देखते हुए पंजाब-हरियाणा सीमा और घग्गर नदी के पुलों पर पुलिस बल की भारी तैनाती कर दी गई है। देश बचाओ मोर्चा के बैनर तले पंजाब के विभिन्न हिस्सों से बसों और अन्य वाहनों में सवार होकर निकले किसान दिल्ली स्थित किसान घाट पहुँचकर एक दिवसीय महापंचायत करना चाहते हैं। फतेहगढ़ साहिब से करीब एक हजार से अधिक किसानों का जत्था सरहिंद होते हुए शंभू बॉर्डर पहुँचा है। किसान नेताओं का कहना है कि शंभू बॉर्डर पर स्थिति का जायजा लेने और परस्पर बातचीत करने के बाद ही आगे के ठोस कदम पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

दूसरी ओर, स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए हरियाणा पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख गुरनाम सिंह चढूनी को कुरुक्षेत्र में दिल्ली कूच करने से पहले ही हिरासत में ले लिया गया। किसानों का दावा है कि राज्य पुलिस बड़े पैमाने पर किसान कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले रही है। किसानों की मुख्य चिंता यह है कि अमेरिका के साथ होने जा रहे इस व्यापार समझौते से देश में कृषि और अन्य विदेशी सामान बेहद सस्ती कीमतों पर आयात होने लगेगा। इससे भारतीय किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम नहीं मिल पाएगा, जिसका सीधा और प्रतिकूल असर देश के किसानों तथा खेतिहर मजदूरों पर पड़ेगा। किसानों ने केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए इस प्रस्तावित व्यापार समझौते को पूरी तरह रद्द करने और देश के आम किसानों तथा मजदूरों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

चुप्पी तोड़ें और छात्रों से माफी मांगें प्रधानमंत्री : राहुल गांधी

परीक्षा प्रणाली को लेकर केंद्र सरकार पर साधा निशाना, युवाओं के विरोध का किया समर्थन

नई दिल्ली(एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से छात्रों से माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने कहा कि देशभर में युवा शिक्षा और परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री इस पूरे मुद्दे पर मौन हैं। राहुल गांधी ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि हाल की घटनाओं के बाद प्रधानमंत्री मोदी को छात्रों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा, कल जो हुआ, उसके लिए मोदी जी ने माफी तक नहीं मांगी है। युवा शिक्षा और परीक्षा प्रणाली के खिलाफ विरोध कर रहे हैं। पूरा देश जानता है कि शिक्षा और परीक्षा प्रणाली को दीमक ने खोखला कर दिया है। प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं? उन्हें छात्रों से माफी मांगनी चाहिए और यह सब बंद करवाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है तथा लगातार सामने आ रहे विवादों ने छात्रों और अभिभावकों का भरोसा कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विषय पर जवाबदेही तय करनी चाहिए और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि युवाओं की आवाज को दबाने के बजाय उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उनके अनुसार, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है और छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ निर्णय लिया जाना चाहिए।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : चंपत भूमिका पर फैसला होगा जल्द, गवाह या सह-आरोपी बनने पर सस्पेंस

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले के खुलासे के बाद ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय की भूमिका अब जांच के निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के पूर्व महासचिव चंपत राय के बयान और गवाही को इस पूरे मामले में अभियोजन पक्ष के लिए बेहद मजबूत साक्ष्य माना जा रहा है। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, जल्द ही यह तय हो जाएगा कि चंपत राय मुकदमे में मुख्य गवाह बनेंगे या फिर सह-आरोपी। हालांकि, अब तक की जांच में उनका पूरा सहयोग रहा है और उनके बयानों के आधार पर ही आरोपियों से पूछताछ की गई है, जिससे उनके मुख्य साक्षी बनने की संभावना अधिक दिखाई दे रही है।

एसआईटी और पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, दानपात्रों के चढ़ावे की गणना के दौरान बाथरूम में कुछ रुपये मिलने के बाद इस चोरी का खुलासा हुआ था। इसके बाद सक्रिय हुए चंपत राय ने संदिग्धों की तलाश की और 5 जून को पुलिस के साथ निकलकर करीब 80 लाख रुपये बरामद करवाए थे। इसके बाद ही एसआईटी का गठन हुआ और ट्रस्टी कृष्णमोहन की शिकायत पर 8 नामजद समेत अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। यद्यपि शुरुआती स्तर पर मामले को दबाने के प्रयास और चंपत राय द्वारा दी गई सफाई के कारण उनकी भूमिका पर सवाल उठने लगे थे, लेकिन बाद में विवाद बढ़ने पर उन्होंने ही राज्य सरकार से एसआईटी जांच की सिफारिश की थी।

कानूनी दृष्टिकोण से चंपत राय की गवाही इस पूरे मुकदमे की नींव बनेगी। उन्होंने पूछताछ के दौरान एसआईटी और पुलिस को हर सवाल का बेबाकी से जवाब दिया है और सभी दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। जांच अधिकारियों का मानना है कि यदि वह अदालत में आधिकारिक तौर पर गवाही देते हैं, तो आरोपियों पर दोष सिद्ध करना आसान हो जाएगा और मुकदमा बेहद मजबूत होगा। वहीं दूसरी ओर, यदि वह कानूनी तौर पर गवाही देने से पीछे हटते हैं, तो उन्हें भी इस मामले में सह-आरोपी बनाया जा सकता है। फिलहाल पुलिस और एसआईटी उनकी गवाही के आधार पर ही चार्जशीट को अंतिम रूप देने में जुटी है।

त्रिपुरा डीजीपी की संदिग्ध मौत पर सियासत तेज, विपक्ष ने मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में न्यायिक जांच की मांग

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग ढंकर की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है। विपक्षी माकपा (सीपीआई-एम) ने मामले की मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में न्यायिक जांच कराने की मांग की है। विपक्ष का आरोप है कि निष्पक्ष जांच के लिए स्वतंत्र न्यायिक जांच आवश्यक है।

विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी ने कहा कि अनुराग ढंकर जैसे मजबूत और अनुभवी अधिकारी के आत्महत्या करने की बात सहज स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले आठ वर्षों से भाजपा सरकार के दौरान आईएएस और आईपीएस अधिकारियों पर लगातार राजनीतिक दबाव बनाया जाता रहा है, जिससे प्रशासनिक तंत्र में असामान्य स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने लाने के लिए न्यायपालिका की निगरानी में जांच कराई जानी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि डीजीपी अनुराग ढंकर का शव मंगलवार को पुलिस मुख्यालय स्थित उनके आधिकारिक कक्ष के वॉशरूम में फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और गृह सचिव पुलिस मुख्यालय पहुंचे। इसके बाद उन्हें तत्काल एजीएमसी एवं जीबीपी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि डीजीपी अनुराग ढंकर का निधन अत्यंत दुखद और स्तब्ध कर देने वाला है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। हालांकि, मृतक के परिजनों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं विपक्ष ने पूरे मामले की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच की मांग तेज कर दी है।

अब बिहार के भागलपुर में निकले पिता-पुत्री कोरोना संक्रमित

–दोनों मरीज जेएलएनएमसीएच में भर्ती, संपर्क में आए लोगों की जांच के निर्देश

–आंध्र और महाराष्ट्र के बाद बढ़ी सतर्कता

पटना (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के नए मामलों के बाद अब बिहार में भी कोविड-19 ने दस्तक दी है। भागलपुर जिले में 65 वर्षीय एक बुजुर्ग और उनकी 35 वर्षीय बेटी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। दोनों का इलाज जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जेएलएनएमसीएच) में चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने दोनों मरीजों को चिकित्सकीय निगरानी में रखते हुए संपर्क में आए लोगों की जांच शुरू कर दी है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. एच.पी. दुबे ने सोमवार को बताया कि बुजुर्ग की तबीयत 15 जुलाई से खराब थी। प्रारंभिक उपचार एक निजी क्लिनिक में कराया गया, लेकिन कोरोना जैसे लक्षण दिखाई देने पर उन्हें जेएलएनएमसीएच रेफर किया गया। रविवार को अस्पताल में भर्ती करने के बाद उनकी आरटी-पीसीआर जांच कराई गई, जिसमें कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई।

इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमित मरीज के संपर्क में आए लोगों की जांच शुरू की। जांच के दौरान उनकी 35 वर्षीय बेटी भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई। अस्पताल प्रशासन के अनुसार दोनों मरीजों को अलग वार्ड में भर्ती कर गहन चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रख रही है। अस्पताल अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि प्रारंभिक जानकारी में दूसरे संक्रमित को मरीज की पत्नी बताया गया था, लेकिन बाद में पुष्टि हुई कि वह उनकी बेटी हैं।

भागलपुर जिला प्रशासन ने भी आधिकारिक बयान जारी कर दोनों मामलों की पुष्टि की है। प्रशासन ने जिले में कोरोना संबंधी सभी आवश्यक प्रोटोकॉल लागू करने के निर्देश दिए हैं। जिला कार्यक्रम प्रबंधक को संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की पहचान कर उनकी जांच कराने तथा आवश्यक निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

जेएलएनएमसीएच के मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. राजकमल चौधरी ने बताया कि दोनों मरीजों की स्थिति फिलहाल स्थिर है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, उपचार और आवश्यक सावधानियां संक्रमण को नियंत्रित करने में प्रभावी साबित होती हैं। स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, सर्दी-खांसी या बुखार जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच कराएं तथा स्वच्छता और आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन करें।

शादी का झांसा देकर युवती से बनाए संबंध, धर्म परिवर्तन कराया, दूसरे समुदाय के युवक पर रिपोर्ट

मीरगंज (बरेली)। बरेली के मीरगंज इलाके में शादी का झांसा देकर संबंध बनाने, धर्म परिवर्तन कराने और गर्भवती होने पर गर्भपात कराने का आरोप लगाकर युवती ने दूसरे समुदाय के युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। लखनऊ निवासी युवती ने बताया कि दुनका निवासी जीशान नोएडा में उसके साथ एक ही कंपनी में काम करता था। उसने सोशल मीडिया पर बातचीत शुरू की। धीरे-धीरे नजदीकी बढ़ा ली। जीशान ने शादी का झांसा दिया। कई बार शारीरिक संबंध बनाए। उसका धर्म भी बदलवा दिया। गर्भवती होने पर धोखे से कोई दवा खिला दी। इससे उसका गर्भपात हो गया। कई बार कहने के बाद भी आरोपी ने शादी नहीं की। कुछ समय पहले वह नोएडा में उसे अकेला छोड़कर भाग आया। आरोप है कि जब जीशान के परिजनों से शिकायत की तो उन्होंने गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। दो दिन पहले वह दुनका आई तो जीशान और उसके परिवार वालों ने फिर जान से मारने की धमकी दी। तहरीर देने के बाद भी शाही थाना पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। इसके बाद मामले की शिकायत एसएसपी से की गई। एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। युवती ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि दूसरे समुदाय के युवक के साथ संबंध की जानकारी पर उसके परिवार वालों ने रिश्ता तोड़ लिया। घर से भी निकाल दिया। अब आरोपी भी शादी करने के लिए तैयार नहीं है। सीओ मीरगंज अजय कुमार ने बताया कि आरोपी युवक की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

दंपती में हुआ विवाद, पत्नी ने लगाई फांसी

बांदा। मजदूरी करके घर वापस आए व्यक्ति की जेब से पत्नी ने रुपये निकाल लिए। इस पर दोनों का विवाद हो गया। इसके बाद पत्नी ने फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने पति पर हत्या करने का आरोप लगाया। कालिंजर थाना क्षेत्र के मसौनी रक्सी गांव निवासी श्यामबाबू कोरी ने बताया कि उसकी पत्नी सुमन (20) ने शुक्रवार की देर शाम करीब छह बजे घर के अंदर दरवाजा बंद कर बांस में साड़ी से फंदा लगा लिया। जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आई तो भाभी अंजलि ने श्यामबाबू को जानकारी दी। इसके बाद पीछे का दरवाजा तोड़कर देखा तो वह फंदे से लटकी थी। पति ने बताया कि वह दोपहर में खाना खाने आया तो पत्नी सुमन ने उसकी जेब से 200 रुपये निकाल लिए। उसने 20 रुपये गुटखा खाने के लिए मांगे तो पत्नी ने कहा कि जिनके यहां मजदूरी कर रहे हो, उन्हीं से लेकर खाना। इस पर दोनों के बीच आपसी कहासुनी हो गई। वह अपने भाई के यहां चला गया। उधर, जरोहरा गांव निवासी मृतका के भाई मनोज ने बताया कि पति शराब का लती है। शराब पीने के लिए 200 रुपये मांग रहा था। न देने पर बहन की पीटकर हत्या के बाद शव को फंदे से लटका दिया। उन्होंने अपनी बहन की शादी नवंबर 2025 में की थी। कोई संतान नहीं है। कालिंजर थानाध्यक्ष दारा सिंह ने बताया कि पति-पत्नी का आपसी विवाद के चलते प्रथम दृष्टया खुदकुशी है।

हरी धनिया मांगने पर गांजा, बादाम पाउडर के बदले स्मैक, कोड वर्ड में ये कारोबार; सामने आए तथ्य

झांसी। झांसी में नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार अब महानगर की बस्तियों तक सीमित नहीं रहा। बस स्टैंड, मेडिकल कॉलेज, शिवाजी नगर, नगरा हाट मैदान, ओरछा गेट जैसे प्रमुख इलाकों तक इसका नेटवर्क फैल चुका है। पुलिस की नजर से बचने के लिए तस्कर और ग्राहक कोड वर्ड का इस्तेमाल करते हैं। मोबाइल पर बातचीत करने के बजाय ग्राहक सीधे मौके पर पहुंचकर तय शब्द बोलता है और कुछ ही सेकेंड में उसके हाथ में नशीला पदार्थ पहुंच जाता है। शनिवार को अमर उजाला की पड़ताल में ऐसे कई तथ्य सामने आए। बस स्टैंड के पास एक युवक थैला लेकर ऑटो के समीप बैठा मिला। सूत्रों ने बताया कि वह गांजे की पुड़िया बेचता है। एक व्यक्ति ने उससे हरी धनिया मांगी तो उसने थैले से तुरंत एक पुड़िया निकालकर दे दी। कीमत 100 रुपये बताई गई। करीब 20 मिनट के दौरान उसने कई लोगों को पुड़िया दी। कुछ ग्राहकों से पुराने उधार का हिसाब लिया, जबकि कुछ को उधार में भी पुड़िया दी। बाद में वह वहां से चला गया। पेट्रोल पंप के पीछे और लेबर चौराहे के पास बाइक पर बैठे दो युवक कथित रूप से स्मैक बेचते मिले। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां स्मैक को बादाम पाउडर या टिकट कहकर मांगा जाता है। एक पुड़िया की कीमत 300 रुपये बताई गई। सप्लाई के स्रोत के बारे में पूछने पर दोनों ने कोई जानकारी देने से इन्कार कर दिया। मिनर्वा तिराहे के पास एक अस्थायी दुकान के बाहर कुछ युवक मौजूद थे। सूत्रों के अनुसार यहां टुकड़ा नाम से गांजे से भरी सिगरेट बेची जा रही थी। इसकी कीमत 70 रुपये बताई गई। कुछ देर रुकने पर वहां मौजूद लोगों ने आगे बढ़ जाने को कहा। स्थानीय लोगों के अनुसार सीपरी बाजार क्रॉसिंग, प्रेमनगर के हाट मैदान और सदर बाजार क्षेत्र में भी शाम से देर रात तक संदिग्ध गतिविधियां चलती हैं। इन स्थानों पर युवाओं का जमावड़ा लगा रहता है और नशीले पदार्थों की बिक्री होने की शिकायतें लंबे समय से मिलती रही हैं। पुलिस और स्थानीय जानकारों के अनुसार नशे का कारोबार करने वाले युवाओं को आसानी से अपना ग्राहक बना रहे हैं। स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों के आसपास भी इनकी सक्रियता की शिकायतें मिलती रहती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि विशेष रूप से स्मैक की लत तेजी से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार जिले में गांजा तस्करी से जुड़े 49 तस्कर चिन्हित हैं। पिछले छह महीनों में 19 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गांजे की तस्करी मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ और ओडिशा की ओर से होने की जानकारी सामने आई है। बढ़ते नेटवर्क को देखते हुए झांसी में एंटी नारकोटिक्स यूनिट का गठन किया गया है। पिछले दो वर्षों में 20 क्विंटल से अधिक गांजा बरामद किया जा चुका है। महिला निजी काम से पति के साथ चारबाग जा रही थी। इसी बीच तीन युवकों ने उस पर अश्लील कमेंट किया।पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने धमकी दी कि वह ग्वारी का रहने वाला है, जो करना हो कर लेना। लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में पति के साथ बाइक से जा रही महिला से सरेराह छेड़छाड़ की गई। महिला के पति ने जब विरोध किया तो आरोपियों ने उनकी पिटाई कर दी। महिला की तहरीर पर एक नामजद और तीन अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। विराम खंड निवासी महिला के मुताबिक शनिवार को वह निजी काम से पति के साथ चारबाग जा रही थीं। इसी बीच ग्वारी की ओर से आ रहे तीन युवकों ने अश्लील कमेंट किए। महिला के पति ने विरोध किया तो उनसे मारपीट करने लगे। महिला ने विरोध जताया तो उससे भी छेड़छाड़ और मारपीट की और भाग निकले।

तेज रफ्तार वैन ने बाइक को मारी टक्कर, साले-बहनोई की मौत

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर जिले में कांट-जलालाबाद मार्ग पर इको वैन की टक्कर लगने से बाइक सवार ब्रह्म सिंह (30 वर्ष) व उनके चचेरे साले अंशुक (25 वर्ष) की मौत हो गई। दोनों शनिवार की रात शादी में शामिल होकर लौट रहे थे। ब्रह्म सिंह जलालाबाद क्षेत्र के पुरैना गांव के रहने वाले थे, जबकि अंशुक तिलहर के सरैया गांव के निवासी थे। परिजनों के अनुसार, अंशुक की मौसी कांट के भंडेरी गांव में रहती हैं। शनिवार को उनके बेटे का विवाह था। अंशुक शादी में शामिल होने के लिए गए थे। वहां उनके बहनोई ब्रह्म सिंह भी मिल गए। जयमाल कार्यक्रम के बाद अंशुक अपने बहनोई के साथ बाइक से घर जाने के लिए चल दिए। जैसे ही वह थाना कांट क्षेत्र के बरेंडा मोड़ पर पहुंचे। तभी पीछे से तेज रफ्तार इको वैन से आगे चल रही बाइक को टक्कर लग गई। टक्कर इतनी तेज थी कि साले-बहनोई करीब 25 फिट दूर जाकर गिरे और गंभीर रूप से घायल होकर रोड पर तड़पने लगे। हादसा देख वाहनों की रफ्तार थम गई। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर ही ब्रह्म सिंह और अंशुक की मौत हो गई। पुलिस ने उनके पास मिले मोबाइल से मृतकों के परिजनों को सूचना दी। शवों को सड़क से हटाकर किनारे किया गया। फिर एंबुलेंस से शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। मौके पर पहुंचे परिजन दोनों के शवों को देख बिलख पड़े। सीओ सदर शुभम वर्मा ने बताया कि हादसे में दो लोगों की मौत हुई है। तहरीर प्राप्त होने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

53 लाख के साइबर फ्रॉड का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार, आरोपियों के तीन बैंक खाते फ्रीज

महोबा। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने 53 लाख से अधिक के साइबर फ्रॉड गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी बहाने से दूसरे लोगों के कागजात लेकर खाते खुलवाते थे और उन्हीं में साइबर ठगी की रकम मंगाते थे। पुलिस आरोपियों के तीन बैंक खाते फ्रीज कर छह अन्य खातों की जांच करा रही है। थाना खरेला के मोहल्ला रायसिंह निवासी शिवम सिंह ने साइबर थाना पुलिस को तहरीर दी थी। रायसिंह के अनुसार गांव के सोनू सिंह ने अपनी मां के इलाज के नाम पर उससे आधार कार्ड, पैन कार्ड व नई सिम लेकर एक्सिस बैंक में खाता खुलवाया था। खाते से संबंधित पासबुक, एटीएम, हस्ताक्षर युक्त चेक और सिम अपने पास रखकर खाते का दुरुपयोग किया। खाते में साइबर फ्रॉड से करीब 22 लाख रुपये का लेनदेन किया गया। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। साइबर थाना प्रभारी अर्जुन सिंह ने बताया कि विवेचना के दौरान पता चला कि यह एक संगठित गिरोह है जो अब तक करीब 53 लाख से अधिक की ठगी कर चुका है। धनराशि और अधिक होने की संभावना हैं। जांच के दौरान तीन बैंक खातों को फ्रीज कराया जा रहा है जबकि छह अन्य खातों की जांच की जा रही है। रविवार को साइबर थाना प्रभारी, स्वाट टीम के एसआई शिवप्रताप सिंह व सर्विलांस प्रभारी विवेक कुमार की संयुक्त टीम ने दो आरोपी सोनू सिंह निवासी खरेला और महेंद्र उर्फ बाबू निवासी बंगरा जनपद हमीरपुर को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए। जांच करने पर मोबाइल में संदिग्ध व्यक्तियों के साथ व्हाट्सएप व टेलीग्राम पर चैट, कॉल विवरण और साइबर लेनदेन से संबंधित जानकारी मिली। कुछ संदिग्ध एटीएम कार्ड, चेकबुक व क्यूआर कोड भी पाए गए। पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह ने बताया कि साइबर अपराधियों के खिलाफ यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

15 दिन तक बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप

अलीगढ़। अलीगढ़ के थाना सासनीगेट क्षेत्र में एक युवती के परिजनों ने बेटी को 15 दिन तक बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का आरोप लगाया है। इस मामले में पुलिस द्वारा तत्काल कार्रवाई न किए जाने से नाराज पीड़ित पक्ष के समर्थन में भाजपा कार्यकर्ता 12 जुलाई को पूर्व मेंयर शकुंतला भारती के नेतृत्व में थाना सासनीगेट पहुंच गए। उन्होंने थाने में जमकर हंगामा करते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पीड़िता के पिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनकी बेटी की शादी वर्ष 2022 में कानपुर नगर निवासी युवक से हुई थी। उनके अनुसार बेटी 19 जून को अपने बच्चे के साथ अलीगढ़ आई थी। आरोप है कि 5 जुलाई को ससुराल पक्ष के लोग उसे अपने साथ ले गए, जिसके बाद उससे संपर्क नहीं हो सका। परिजनों का आरोप है कि युवती को मथुरा में करीब 15 दिन तक बंधक बनाकर रखा गया और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। साथ ही जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। घटना के विरोध में भाजपा कार्यकर्ता पीड़ित परिवार के साथ थाना सासनीगेट पहुंचे और पुलिस पर आरोपियों को बचाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि गंभीर आरोपों के बावजूद पुलिस की ओर से समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, जिससे पीड़ित परिवार में आक्रोश है। उन्होंने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की मांग की। सीओ प्रथम संजीव शर्मा ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है तथा मामले में नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और जांच में जो तथ्य सामने आएंगे

NAME CHANGE
I, NO.-15185385Y Rank-GNR (SHT) Name-PRASHANT CHAUDHARI legal father of ADARSH CHAUDHARI residing at VILL-DHANORI, POST-PAWTI, TEH-BIJNOR, DIST-BIJNOR, U.P-246726, have changed my minor son's name from ADARSH CHAUDHARI to ADARSH CHAUDHARY for all future purposes vide affidavit dated 21/07/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, BRAJESH mother of NO.-15185385Y Rank-GNR (SHT) Name-PRASHANT CHAUDHARI Unit 872 LT REGT resident of residing at VILL-DHANORI, POST-PAWTI, TEH- BIJNOR, DIST-BIJNOR, U.P-246726, have changed my name from BRAJESH to BRIJESH for all future purposes vide Affidavit dated 21/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I AKHLAS BEGUM W/O NAYABUDDIN R/O 1386 CHATTA RAJAN, FARASH KHANA, DELHI-110006 HAVE CHANGE MY NAME TO IKHLAS BEGUM FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHD TABARAK S/o YUSUF R/o 370, GALI NO.22, ZAKIR NAGAR, OKHLA, SOUTH DELHI, DELHI-110025, declare that the name of my son has been wrongly written as HASAN (age about 14 Years) in his school records. The actual name of my son is MOHAMMAD HASAN, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I,AKHILESH KUMAR S/O OM PRAKASH ARYA R/O H.NO-80, SECOND FLOOR SURYA NAGAR PHASE-1 SEC-91, FARIDABAD H.R.-121013,HAVE CHANGED MY NAME TO AKHILESH KUMAR ARYA

NAME CHANGE
I hitherto known as Faheemuddin S/O Anwar Ahmad, R/O HOUSE NO-1127, KIDWAI NAGAR, Meerut, PO: meerut City, DIST: Meerut, Uttar Pradesh - 250002, have changed my name and shall hereafter be known as MOHD FAHEEM UDDIN ANSARI.

Public Notice
It is for general information that I Idrish Hasan S/O: SAMAYDIN R/O HOUSE NO-364, PACHALA PASCHIMI-5, Budhana, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh - 251309, declare that name of my father has been wrongly written as Samedin in my Aadhar Card No.356797315779.Pan Card No.ACVPH0147G, Voting Card No.MFZ3317625, Driving license No. UP1220230010467, Pasport No.C7903759, And all Educational Documents.The actual name of my father is SAMAYDIN ,respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, JC-707394Y Rank-SUB/LAB TECH Name-PACHAIYAPPAN P legal father of P BHARANIDHARAN R/O STREET-PILLAYAR KOIL, VILL-VILVARAYANALLUR, PO-INDIRAVANAM, TEHSIL-CHETPET, DIST-THIRUVANANMALAI, TAMIL NADU-632313, have changed my minor son's name from P BHARANIDHARAN to BHARANIDHARAN P for all future purposes vide affidavit dated 21/07/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PRASHANT SINGH BHADAURIYA S/O KAMAL SINGH residing at H NO- M-13, M-BLOCK, JAGAT RAM PARK, LAXMI NAGAR, EAST DELHI, DELHI-110092 have changed my name to PRASHANT SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE
I, LAXMI wife of No-14651688N, Rank-HAV, Name-VIRUPAXI KOTABAGI residing at VILL-KURANIWADI, PO-KURANI, TEHSIL-HUKKERI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591221, have changed my name from LAXMI to LAXMI VIRUPAXI KOTABAGI for all future purposes vide Affidavit dated 11/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I KAVITA AHLAWAT W/O VINOD SEHRAWAT R/O Q 2/24 GROUND FLOOR BPTP PARK ELITE FLOOR SECTOR -75 GREATER FARIDABAD HARYANA 121004 have changed my minor daughter name KAASHVI TO KAASHVI SEHRAWAT Permanently for all future purpose

NAME CHANGE
I KISHAN LAL S/O INDRA PAL YADAV R/O H.NO - X-152/6B STREET NO 6 C, NEAR SHIV MANDIR BRAHMPURI GHONDA DELHI -110053 have changed my name to KISHAN LAL YADAV Permanently for all future purpose

NAME CHANGE
I hitherto known as SINGH KUSUM RANVIR W/o RANVIR SINGH R/o 408, Arc Angels, 4th Floor, Raj Nagar Extension, PO:Raj Nagar Extension, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201017, have changed my name and shall hereafter be known as KUSUM SINGH.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Bhudev S/o Mr. Jeetram is the owner and in possession of a Freehold Residential Built-up House Area measuring 384 Sq. Meters, Out of Khasra No. 506Mi, Situated in the area of Village Kotvan, Tehsil Chhata and District Mathura, Uttar Pradesh., Our client acquired the said property by virtue of a Gift Deed dated 04.07.2026 duly registered as Document No. 19140, in Book No. 1, Volume No. 13416, on pages No. 53-68, on dated 04.07.2026 in Sub-Registrar Office of Chhata, Mathura., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Faridabad Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, SANGITA YADAV wife of No.-14659405W Rank-HAV, Name-PRASOON KUMAR residing at GRAM- NARAYANPUR, PO-KAHIJARI, DIST-KANPUR DEHAT, UTTAR PRADESH-209204, have changed my name from SANGITA YADAV to SANGEETA YADAV for all future purposes vide Affidavit dated 21/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PARVEEN S/O KESHAV RAM R/O DARBARIPUR, ROAD, SECTOR-69, BADSHAHPUR, GURGAON, HARYANA – 122101 , HAVE CHANGED MY NAME TO PARVEEN YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, ANITA W/O PARVEEN YADAV R/O HOUSE NO-26, DARBARIPUR, ROAD, SECTOR-69, BADSHAHPUR, GURGAON, HARYANA – 122101 , HAVE CHANGED MY NAME TO ANITA YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I RUSTUM legally father of Army no -3010165P, Rank - HAV, Name - SAYYAD AZARUDDIN RUSTUM, Presently Residing
At - LATE, Post- LATE
Teh - BARAMATI, Dist - PUNE, State - MAHARASHTRA, Pin - 412103 have changed my name from RUSTAM to RUSTUM SILEMAN SAYYAD for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 14/05/1967 instead of my correct date of birth as 01/06/1957, Vide Affidavit dated 21/07/2026 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Sushma Devi alias Sushma W/o Mr. Mahesh Kumar is the owner of Freehold Residential Unit No. 103, on First Floor, without roof rights, area measuring 1140 Sq. Ft., i.e., 126.66 Sq. Yds., i.e., 105.90 Sq. Mtrs., out of total land area measuring 1895 Sq. Yds., Built-on Part of Property No. RZ-L-A/38 (New No. L-1), out of Khasra No. 84/22, situated in the area of Village Palam, Delhi State, Delhi Colony Known as Mahavir Enclave, Palam Dabri Road, New Delhi 110045. by virtue of Sale Deed dated 10.03.2026 duly regd. Vide Doc. No. 2026/16/I/3931, in Book No. 1, Vol. No. 16390, on Pages No. 17-32, on dated 18.03.2026, in the office of SR-South West Kapashera. , in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Probate order of Regd. Family Will dated 18.10.2011., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

नाम परिवर्तन
मै क्रमांक- 2701704P हवलदार पाटील विठ्ठल अंकुश, यूनिट 4 ग्रेनेडिअर्स पुत्र अंकुश पाटील निवासी गट नं. 1/1 प्लॉट नं. 06 ब्लॉक नं. 04 शालिनी नगर, पिंप्राळा, तहसिल - जलगाव, जिला- जलगाव महाराष्ट्र, पिन-425001 यह घोषणा करता हूं। की मेरे सैन्य सेवा अभिलेखों में मेरी पत्नी का नाम उज्वला पाटील (UJJWALA PATIL) के स्थान पर सही नाम उज्वला विठ्ठल पाटील (UJWALA VITTHAL PATIL) दर्ज किया जाये।

NAME CHANGE
I Sathajit kumar Pandey S/o Ram Kamlesh Pandey R/o 146 Pocket - 3 Sector 2 Rohini North West Delhi Delhi -110085 have changed my name to Satyjit Kumar for all future purpose

NAME CHANGE
I, Navneet, D/O Randhir Singh, R/O 1012 2nd Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi- 110009 have changed my name to Navneet Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Praya Gupta, W/O Deepak Gupta, R/O House No- 208, PKT-4, Sector-21, Rohini, Delhi-110086 have changed my name to Pragya Gupta for all future purposes .

NAME CHANGE
I hitherto known as SANJEET S/o RAM BHAJAN, R/o B-34/1 West Babarpur, Babar Pur, North East Delhi 110032, have changed my name and shall hereafter be known as SANJAY KUMAR.

NAME CHANGE
I, Deepak Baboo Gupta, S/O Anand Prakash Gupta, R/O House No-208, PKT-4, Sector 21, Rohini, Delhi-110086 have changed my name to Deepak Gupta for all future purposes

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री दीपक कुमार उर्फ दीपक कुमार गुप्ता पुत्र श्री वेद प्रकाश गुप्ता, निवासी वीए-44 विला आनंदम, राज नगर एक्सटेंशन चौराहा के सामने, दिल्ली मेरठ रोड, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201001, एक आवासीय खाली प्लॉट संख्या -8, क्षेत्रफल 38.5 वर्ग गज, खसरा संख्या 1765, स्थित ग्राम सरना मुराद नगर, परगना जलालाबाद, तहसील मोदी नगर, जिला गाजियाबाद,उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज बिक्री पत्र दिनांक 16.12.1997, क्रमांक 4489, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 445, पेज 367/374, सब रजिस्ट्रार-मोदी नगर, द्वारा मालिक व काबिज है। उक्त कथित बिक्री पत्र मास्टर अमित कुमार, नावालिक उम्र 15 वर्ष, अपने कानूनन संरक्षक/माता श्रीमती राज दुलारी पत्नी स्वर्गीय निरंजन सिंह व अन्य के द्वारा निष्पादित की गयी थी, आज के दिन कथित नावालिक अब वयस्क हो गया है, उसे कोई आपत्ति नही है, कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। मेरे मुव्विकल उक्त संपत्ति को सुश्री राखी पुत्री श्री राकेश उर्फ राकेश कटेरिया को बेच रहे हैं जो आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता - डी-803, नंदग्राम,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE
I, SUNITA SINGH mother of NO-16022475M Rank-NK Name-AJAY KUMAR SINGH residing at H NO-503, PATHRAHAT, DEORIA, UTTAR PRADESH-274202 have changed my name from SUNITA SINGH to SUNITA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 22/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SULABHA SINGH father of NO-16022475M Rank-NK Name-AJAY KUMAR SINGH residing at H NO-503, PATHRAHAT, DEORIA, UTTAR PRADESH-274202 have changed my name from SULABHA SINGH to SULABH for all future purposes vide Affidavit dated 22/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I DANISH RAZA S/O HAFIZUDDIN R/0 J B 6/6, WELCOME SEELAMPUR,GARHI MENDU,NORTH EAST DELHI,110053 CHANGED MY NAME TO MOHD DANISH RAZA

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, निखिल शर्मा, वाहन संख्या DL5SCS1047 (Hero HF100) का पंजीकृत मालिक हूँ। यह वाहन वर्तमान में मेरे साले, पंकज कुमार शर्मा (निवासी- लोनी, गाजियाबाद) के अवैध कब्जे और नियंत्रण में है। पंकज कुमार शर्मा ने समझौते का उल्लंघन किया है, वाहन वापस नहीं कर रहा है और अत्यधिक ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर कई चालान पेंडिंग कर दिए हैं। इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से मैं घोषित करता हूँ कि इस वाहन से होने वाली किसी भी दुर्घटना, आपराधिक कृत्य या पेंडिंग/नए चालान के लिए मैं जिम्मेदार नहीं हूँ। भविष्य में इस वाहन से संबंधित सभी प्रकार की कानूनी और व्यक्तिगत जिम्मेदारी पूर्ण रूप से केवल पंकज कुमार शर्मा की होगी।
दिनांक- 20 जुलाई, 2026
स्थान- दिल्ली

भवदीय- निखिल शर्मा
(पंजीकृत वाहन स्वामी)

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री वसीम अहमद और श्री वलीम (दोनों पुत्र श्री शहाबुद्दीन) ने संयुक्त रूप से एक प्रॉपर्टी खरीदी थी। बाद में, उनमें से एक ने अपनी प्रॉपर्टी का हिस्सा अपने भाई को गिफ्ट डीड (दान निलेख) के जरिए दे दिया। यह प्रॉपर्टी प्रीत विहार, गाँव सदुल्लाबाद, परगना ओर तहसील लोगी, जिला गाजियाचाद (U.P.) में खसरा नंबर 319 में स्थित 37.50 वर्ग गज (बानी 31.35 वर्ग मीटर) का एक रिहायशी प्लॉट है। इस गिफ्ट डीड का रजिस्ट्रेशन 13.04.2026 को स्क्र-लोनी गाजियाचाद में डॉक्यूमेंट नंबर 6986 (बुक नंबर 1, बॉल्यूम नंबर 8254, पेज 1-22) के तीर पर हुआ था। प्रॉपर्टी की चेन में शामिल ओरिजिनल नोटराकृड्ड अ्रुरु और वसीयत (जो 21.07.2018 को श्री देवेंद्र कुमार (पुत्र श्री बाबू राम) और श्री अतुल भाटी (पुत्र श्री परत सिंह) द्वारा श्री नसीम अहमद और श्री नलीम (दोनों पुत्र श्री शहाबुद्दीन) के पक्ष में बनाई गई थी और जिसमें खसरा नंबर 319 में 75 वर्ग गम (गानी 62.70 वर्ग मीटर) का रिहायशी प्लॉट शामिल था) खो गई है। इसके लिए 21.07.2026 को हृ.क्र नंगर 20260000749279 के तहत ऑनलाइन स्न्द्धक्र दर्ज कराई जा चुकी है। इस प्रॉपर्टी पर स्स्न्नल इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड में फाइनेंस लिया जाता है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी इस प्रॉपर्टी पर कोई अधिकार/हित/टाइटल है या कोई विवाद है, तो कृपया नीचे दिए गए पते पर 07 दिनों के भीतर लिखित रूप में सूचित करें।.

Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates
LLP B-01, Plot no. 20,
Kaushambi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

NAME CHANGE
I MOHD SHAHRUKH SHAKIR S/O MOHAMMAD SHAKIR R/O HOUSE NO-C-748 STREET NO-9 CHAUHAN BANGAR BHAJAN PURA NORTH EAST DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME TO SHAHRUKH SHAKIR

NAME CHANGE
I MOHD SHAKIR S/O JAMEEL AHMAD R/O HOUSE NO-C-748 STREET NO-9 CHAUHAN BANGAR BHAJAN PURA NORTH EAST DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD SHAKIR

NAME CHANGE
I,ANITA DEVI R/O H NO-300, GALI NO-4, SHANKAR MARG, MOTHER CONVENT SCHOOL, MANDAWALI, FAZALPUR, DELHI-110092, Have Changed My Name To ANITA.

NAME CHANGE
I, SHIV NATH KAPOOR S/o Madan Lal R/o WZ-104 B, 35 School Road, Shoe Market, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to SHIV NATH permanently

NAME CHANGE
I, TINA ANAND W/o Akhilesh Khajuria R/o 3227, First Floor, Ranjit Nagar, Batween Gurudwara and Hanuman Chowk, South Patel Nagar, Delhi-110008, have changed my name to TINA ROY permanently.

PUBLIC NOTICE
I, Aarti Devi W/o late Sh. Ghanshyam Yadav R/o 244/2,Khasra No.1142/786, Ground floor, Gali No.2&3, School Block, Mandawali Fazalpur, Delhi-110092 have lost original Power of attorney GPA with consideration of my above said property vide Regn. No.5887 size 50 Sq. Yards(41.80 sq.mtrs)issued by Sub Registrar VIII, East Delhi on the way from above said address to Bank. LR No. 223930/2026 Dt.10.04.26 East District/Crime Branch, P.S. Mandawali. If anyone found, please contact with me Mb.No.95551 71681

MANISH KR. JAIN, Advocate
DELHI HIGH COURT
Office: F-320, 3Rd Floor, Lawyer's Chamber Block Karkarduma court,
Shahdara, Delhi-32
PH.NO. 7011064620

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Rehan Hussain S/o Mr. Wahid Hussain is the owner and in possession of a Freehold Residential Plot of Land area measuring 66 Sq. Yards, i.e., 55.18 Sq. Meters, out of Khasra No. 820/3, situated at Adarsh Vihar, Phase-2, in the area of Village Loni, Pargana & Tehsil Loni, District Ghaziabad, U.P. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed Sale Deed Dated 25.08.2015, Doc. No. 16044, in Book No. 01, Vol. No. 30171, on Pages 393-420, on Dated 25.08.2015, SR- IV, Ghaziabad. in the chain documents below mentioned document not available i.e., Original Regd. GPA (Doc. No. 3369409), ATS & Will dated 21.09.2012 executed by Mr. Subhash Gupta S/o Mr. Praveen Gupta in favour of Mr. Pawan Kumar Jain in respect of property. Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Burari New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, VINAY KUMAR, S/o. SH. DESHRAJ KUKREJA R/o. A-156, 2ND FLOOR, SECTOR-8 DWARKA, NEW DELHI-110077, have changed my name from VINAY KUMAR to VINAY KUKREJA for all future purpose.

NAME CHANGE
I RUSTUM legally father of Army no -3010165P, Rank - HAV, Name - SAYYAD AZARUDDIN RUSTUM, Presently Residing
At - LATE, Post- LATE
Teh - BARAMATI, Dist - PUNE, State - MAHARASHTRA, Pin - 412103 have changed my name from RUSTAM to RUSTUM SILEMAN SAYYAD for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 14/05/1967 instead of my correct date of birth as 01/06/1957, Vide Affidavit dated 17/07/2026 before Notary Public Delhi.

Public Notice
It is for general information that I DHARM PAL S/O: CHARAN SINGH, R/O Greater Noida , Kasna, KASANA PO: Kasna, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201310, declare that name of mine has been wrongly written as DHARAMPAL SINGH in my minor son namely SAKSHAM aged 13 years in his school records. The actual name of mine is DHARM PAL, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SONIKA W/O JITENDER SINGH R/O Plot No-606 GF, Jagriti Residence, Near Amity School, Sector 1, Vasundhra PO: Vasundhra, DIST: Ghaziabad Uttar Pradesh-201012 have Changed the name of my minor daughter DIVYA aged 14 years and she shall hereafter be known as RITIKA.

MINOR NAME CHANGE
I, ROHATASH SHARMA S/O KISHAN SHARMA R/O Post-Sandhan, Sandhan, PO-Sandhan, Dist-Meerut, Uttar Pradesh-250401 have changed the of my minor son SUNNY aged 17 years and he shall hereafter be known as SHANI.

NAME CHANGE
I hitherto known as SINGH KUSUM RANVIR W/o RANVIR SINGH R/o 408, Arc Angels, 4th Floor, Raj Nagar Extension, PO:Raj Nagar Extension, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201017, have changed my name and shall hereafter be known as KUSUM SINGH.

NAME CHANGE
I, KALWA S/O HOSHIYARE R/O Niwari Dehat, PO: Niwari, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204 have changed my name and shall hereafter be known as RAJAN.

NAME CHANGE
I Nasreen Bano W/o Mohammad Rashad R/o Flat No A-1/1008, 10th Floor, Bharat City Phase-1, Teela More Indraprastha Yojna, Nistauli, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201003 have changed the name of my minor daughter Anam aged 11 years and she shall hereafter be known as Aneam.

NAME CHANGE
I hitherto known as Anuj Bhati S/o Gajraj Bhati R/o Bairangpur Urf Nai Basti, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207 have changed my name and shall hereafter be known as Kunal.

NAME CHANGE
I PRATIBHA legally mother of Army no - 2817391A Rank - SEP, Name - ARBAT SHUBHAM RAMKRUSHNA, Presently Residing At - Dewarda, Post- Palsod
Teh - Akot, Dist - Akola
State- Maharashtra, Pin - 444101 have changed my name from PRATIBHA to PRATIBHA RAMKRUSHNA ARBAT for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1976 instead of my correct date of birth as 01/01/1976 Vide Affidavit dated 18/07/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, ANURAG CHOUDHARY S/O JAGDISH CHAUDHARY R/O H NO. K I 66, KAVI NAGAR GHAZIZBAD, PO; KAVI NAGAR, DIST; GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201002, have changed the name of my minor DAUGHTER SHIVANYA aged 02 years and he shall hereafter be known as VAMIKA CHOUDHARY.

NAME CHANGE
It is for general information that I, PARMILA PANDAY W/O LATE. KAILASH NATH R/O V-621, V-Block, Arvind Nagar, Delhi, Jagjit Nagar, NCT of Delhi-110053 declare that name of mine and my husband has been wrongly written as PARMILA and KAILASHNATH in my Husband's PPO No-20137030290114. The actual name of mine and my husband are PARMILA PANDAY and KAILASH NATH respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I SWETA SAHU W/O ARJUN SAHU R/O B-2/835 FIRST FLOOR GALI NO-30 HARSH VIHAR NAND NAGRI DELHI-110093 HAVE CHANGED MY NAME TO SAVITA SAHU

NAME CHANGE
I, DHARM PAL S/o CHARAN SINGH, R/o Greater Noida , Kasna, KASANA PO: Kasna, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201310, have changed the name of my minor son SAKSHAM CHAUDHARY aged 13 years and he shall hereafter be known as SAKSHAM.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री विष्णु दयाल पुत्र श्री लक्ष्मण, निवासी मकान संख्या 74. गली संख्या 2. माउंट स्कूल के निकट, गंगा विहार, गुरुग्राम, हरियाणा-122017, ने अपने पुत्र नितिन पुत्र श्री विष्णु दयाल तथा अपनी पुत्रवधू रीना पत्नी नितिन को अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्तियों से बेदखल एवं वंचित कर दिया है. क्योंकि उपरोक्त दोनों व्यक्तियों का व्यवहार मेरे मुवक्किल के नियंत्रण से बाहर हो गया है। मेरे मुवक्किल ने उपरोक्त दोनों व्यक्तियों से अपने समस्त पारिवारिक एवं सामाजिक संबंध पूर्णतः समाप्त कर दिए हैं। अतः यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त नितिन एवं रीना के साथ किसी भी प्रकार का लेन-देन, व्यवहार अथवा संबंध स्थापित करता है. तो वह ऐसा पूर्णतः अपने जोखिम, व्यय एवं उत्तरदायित्व पर करेगा। मेरे मुवक्किल नितिन एवं उनकी पत्नी रीना द्वारा किए गए किसी भी कार्य, कृत्य, व्यवहार, लेन-देन अथवा दायित्व के लिए किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होंगे।

Darshan Kumar Sharma Advocate
DELHI HIGH COURT
D/4851/2020
Office: 39, 2nd Floor Western
Wingh, Lawyers Camber
Tis Hazari Court New Delhi-110054.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती मिथिलेश यादव, पत्नी स्वर्गीय धर्मबीर यादव, निवासी मकान संख्या 484, यादव चौपाल के पास, कापसहेड़ा, नई दिल्ल 110097, ने अपने पुत्र अभिषेक यादव, पुत्र स्वर्गीय धर्मबीर यादव, निवासी मकान संख्या 484, यादव चौपाल के पास, कापसहेड़ा, नई दिल्ल 110097 को अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्तियों से बेदखल एवं बेदावा कर दिया है, क्योंकि उपरोक्त पुत्र मेरी मुवक्किल के नियंत्रण से बाहर हो गया है। मेरी मुवक्किल ने उससे अपने सभी पारिवारिक एवं सामाजिक संबंध पूर्णतः समाप्त कर दिए हैं। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त अभिषेक यादव के साथ किसी भी प्रकार का लेन-देन अथवा व्यवहार करता है, तो वह स्वयं अपने जोखिम, खर्च एवं परिणामों के लिए उत्तरदायी होगा। मेरी मुवक्किल श्रीमती मिथिलेश यादव अभिषेक यादव द्वारा किए गए किसी भी कार्य, कृत्य, लेन-देन अथवा दायित्व के लिए किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होंगी।

Darshan Kumar Sharma Advocate
DELHI HIGH COURT
D/4851/2020
Office: 39, 2nd Floor Western
Wingh, Lawyers Camber
Tis Hazari Court New Delhi-110054

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हादसा, तीन की मौत

एजेंसी

नूंह। नूंह जिले से गुजर रहे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सोमवार सुबह हुए हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज, नल्हड़ की मोर्चरी में रखवाया गया है। जानकारी के अनुसार एक कार में छह लोग सवार थे और जयपुर से दिल्ली की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार नगीना थाना क्षेत्र के दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर चैनल नंबर 47 के पास गांव बनारसी के निकट पहुंची, वह सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े एक वाहन से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस को दी शिकायत में रामपाल मीणा ने बताया कि उसका छोटा भाई राम किशन मीणा एक निजी कंपनी में कार्यरत था। कंपनी की मीटिंग में शामिल होने के लिए वह अपने साथियों के साथ उत्तराखंड जा रहा था। उनके साथ अविनाश मीणा, अनीता शर्मा सहित अन्य लोग मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स कार में सवार थे।

जिला स्तर पर नहीं अटकेंगी निवेशकों की फाइलें,एक बार में दर्ज हों सभी आपत्तियां

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने औद्योगिक पूंजी निवेशकों तथा उद्योगों का विस्तार करने वाले उद्योगपतियों की राह को आसान बनाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिला स्तर पर निवेशकों को आवेदनों को लंबित न किया जाए तथा उनकी फाइलों पर सभी आपत्तियां एक ही बार में दर्ज की जाएं। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि यदि किसी आवेदन में कोई कमी या आपत्ति हो तो संबंधित अधिकारी सभी आपत्तियां एक ही बार में दर्ज करें, ताकि निवेशकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और समयबद्ध तरीके से अनुमतियां मिल सकें। राव नरबीर सिंह हरियाणा सिविल सचिवालय स्थित एनआईसी केंद्र में पर्यावरण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों, जिला उद्योग अधिकारियों तथा औद्योगिक सम्पदा अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, महानिदेशक यश गर्ग तथा एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक सुशील सारवान भी उपस्थित रहे।

डीएससी-ओएससी श्रेणी के पूर्व अग्निवीरों को मिलेगा दो फीसदी आरक्षण

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सरकारी सेवाओं में सीधी भर्ती के दौरान पूर्व अग्निवीरों को दिए जा रहे मौजूदा 20 प्रतिशत आरक्षण का श्रेणीवार वितरण निर्धारित करते हुए अपनी आरक्षण नीति में संशोधन किया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। ये निर्देश पूर्व अग्निवीरों को सीधी भर्ती में आरक्षण प्रदान करने संबंधी सरकार के 20 अगस्त, 2025 के पूर्व आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए जारी किए गए हैं।

संशोधित प्रावधानों के अनुसार, पूर्व अग्निवीरों के लिए कुल 20 प्रतिशत आरक्षण यथावत रहेगा, लेकिन अब इसका श्रेणीवार विभाजन अधिसूचित कर दिया गया है। यह व्यवस्था पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग में वन रक्षक (फॉरेस्ट गार्ड), कारागार विभाग में प्रिजन वार्डर तथा खान एवं भूविज्ञान विभाग में माइनिंग गार्ड के पदों पर सीधी भर्ती में लागू होगी। संशोधित श्रेणीवार विभाजन के अनुसार, 2 प्रतिशत आरक्षण वंचित अनुसूचित जाति (डीएससी), 2 प्रतिशत अन्य अनुसूचित जाति (ओएससी), 3 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग-ए (बीसी-ए), 2 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग-बी (बीसी-बी), 2 प्रतिशत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) तथा शेष 9 प्रतिशत अनारक्षित वर्ग के लिए निर्धारित किया गया है। इस प्रकार पूर्व अग्निवीरों के लिए कुल आरक्षण 20 प्रतिशत रहेगा। अधिसूचना में प्रत्येक श्रेणी के लिए पृथक रोस्टर प्वाइंट्स भी निर्धारित किए गए हैं, ताकि भर्ती प्रक्रिया के दौरान आरक्षण नीति का राज्यभर में एकरूप एवं प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

हरियाणा सरकार दिव्यांगों के लिए करेगी विशेष शिक्षकों की भर्ती

चंडीगढ़। हरियाणा में दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने के लिए जल्द ही विशेष शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। प्रदेश सरकार ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शिक्षकों के कुल 1093 पद स्वीकृत किए हैं। इनमें 713 पद पांचवीं और 380 छठी से आठवीं तक के लिए हैं। इन पदों को भरने के लिए जल्द भर्ती विज्ञापन निकाला जाएगा। छह महीने के अंदर भर्ती पूरी करने का लक्ष्य है। प्रदेश के सरकारी शिक्षण संस्थानों में पहली से आठवीं कक्षा में कुल 12 हजार 827 दिव्यांग पढ़ाई कर रहे हैं। हाई कोर्ट के आदेश पर प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि दो माह के भीतर विज्ञापन जारी कर विशेष शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यथाशीघ्र विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए विशेष शिक्षकों की नियुक्तियां करने का निर्देश दिया है। बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 और दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम-2016 के तहत दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षकों की नियुक्ति अनिवार्य है।

गौशालाओं को मिलेंगी 820 ई-रिक्शा, गुरुग्राम के बसई में बनेगा 100 एमएलडी का दूसरा जलघर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने गौशालाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के साथ-साथ प्रदेश में पेयजल एवं सीवरेज ढांचे को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हाईपावर्ड परचेज कमेटी की बैठक में 380.40 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश की गौशालाओं में पशुधन की बेहतर देखभाल के लिए 10.25 करोड़ रुपये की लागत से 820 ई-रिक्शा उपलब्ध कराए जाएंगे। योजना के तहत एक हजार तक पशुधन वाली गौशालाओं को एक तथा इससे अधिक पशुधन वाली गौशालाओं को दो-दो ई-रिक्शा दिए जाएंगे। हरियाणा की 770 गौशालाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा।

बैठक में गुरुग्राम को बड़ी सौगात देते हुए गांव बसई में 100 एमएलडी क्षमता का दूसरा जलघर बनाने को मंजूरी दी गई। करीब 149 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से शहर की पेयजल

आपूर्ति व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। इसके अलावा कैथल की विभिन्न कॉलोनियों में 12.87 करोड़ रुपये की लागत से सीवरेज लाइन बिछाने तथा खेदड़ में 27.70 करोड़ रुपये की लागत से वाटर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के अपग्रेडेशन एवं आरसीसी टैंक निर्माण को स्वीकृति दी गई।

फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण के तहत गांव मंझावली और मोठूका के आसपास यमुना के जलभराव वाले क्षेत्रों में लगभग 164.75 करोड़ रुपये की लागत से पांच रेनीवेल ट्यूबवेल स्थापित किए जाएंगे, जिनसे पेयजल आपूर्ति की संभावनाओं का परीक्षण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की देरी और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। विभिन्न कार्यों के टेंडर निर्धारित लागत से कम राशि पर जारी होने से लगभग 16.58 करोड़ रुपये की बचत भी हुई है।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स केवल संगठन नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का सशक्त माध्यम : प्रो. असीम कुमार घोष

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने राज्य के सभी बाल भवनों में वंचित बच्चों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियां शुरू करने की पहल की सराहना की है। आज यहां लोक भवन में हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की 44वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा की पहल तथा राज्य आयुक्त (बुलबुल) के नेतृत्व में प्रदेश के सभी बाल भवनों में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियां प्रारंभ की गई हैं। उन्होंने कहा कि यह सराहनीय पहल वंचित बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना तथा जीवनोपयोगी कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और उन्हें जिम्मेदार एवं सशक्त नागरिक बनने के लिए प्रेरित करेगी। रोवर्स एवं रेंजर्स इकाइयों की स्थापना की पहल की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं के बीच भारत स्काउट्स एवं

राज्यपाल, जो हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं, ने एसोसिएशन द्वारा प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर वहां गाइड्स गतिविधियां का और अधिक विस्तार होगा। प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवा नागरिकों के चरित्र पर निर्भर करता है। स्काउटिंग एवं गाइडिंग ईमानदारी, करुणा, साहस, प्रकृति के प्रति सम्मान तथा 'स्वयं से पहले सेवा' जैसे जीवन मूल्यों का संस्कार देती है। यही मूल्य एक सशक्त, प्रगतिशील और समावेशी भारत के निर्माण की आधारशिला हैं।

उन्होंने कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स केवल एक संगठन नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और निस्वार्थ सेवा की भावना विकसित करने वाला एक सशक्त जनआंदोलन है। हरियाणा के उल्लेखनीय योगदान का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के देशभर में 70 लाख से अधिक सदस्य हैं। देश की कुल जनसंख्या में हरियाणा की हिस्सेदारी लगभग दो प्रतिशत होने के बावजूद स्काउट्स एवं गाइड्स की कुल सदस्यता में प्रदेश का योगदान लगभग 17 प्रतिशत है। उन्होंने इसे हरियाणा के लिए गौरव और अत्यंत उल्लेखनीय उपलब्धि बताया।

समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा समाधान : एसडीएम हितेन्द्र कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित समाधान शिविर आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। यह बात एसडीएम गुरुग्राम हितेन्द्र कुमार ने समाधान शिविर के दौरान कही। एसडीएम हितेन्द्र कुमार ने शिविर में पहुंचे नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों का उद्देश्य नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का समाधान उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने बताया कि शिविर में कुल 7 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से अधिकांश शिकायतों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजकर उनके शीघ्र एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए गए। एसडीएम ने बताया कि गुरुग्राम में जिला एवं उपमंडल स्तर पर प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां नागरिक अपनी समस्याएं प्रस्तुत कर उनका समाधान प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर एसीपी मुकेश कुमार, डीडीपीओ नवनीत कौर, ऑफिसर प्रियंका, एटीपी ज्योति यादव, प्लानिंग ऑफिसर सचिन सिंह, डिप्टी डीईओ गीता आर्या, एसडीओ राकेश कौशिक, सुमन कश्यप, इनवेस्टिगेटर संजय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बापू लाल बादशाह की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर गरीब, जरूरतमंद और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए सरकार कर रही है कामः सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अलमस्त बापू लाल बादशाह जी का जीवन प्रेम, भाईचारे, मानवता और सामाजिक एकता का संदेश देता है। उनका संदेश था कि जहां सच्चा प्रेम होता है, वहां भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं होता।मुख्यमंत्री जालंधर के नकोदर में स्थित दरबार बापू लाल बादशाह जी पर मनाये जा रहे 43वें तीन दिवसीय मेले में शिरकत कर रहे थे। इस दौरान बापू लाल बादशाह दरगाह के गद्दीशीन एवं पूर्व सांसद श्री हंसराज हंस भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस दौरान अपने संबोधन में कहा कि अलमस्त बापू लाल बादशाह जी की पावन धरती नकोदर में आकर उन्हें अत्यंत सौभाग्य और गौरव का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र स्थल पर शीश नवाने का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने आयोजन समिति तथा प्रसिद्ध गायक श्री हंसराज हंस का आमंत्रण एवं आत्मीय स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा दो अलग-अलग राज्य अवश्य हैं, लेकिन दोनों की सांस्कृतिक विरासत, गुरु परंपरा और सामाजिक रिश्ते समान हैं। दोनों प्रदेश एक ही परिवार के दो भाइयों की तरह हैं और सदैव प्रेम, भाईचारे तथा आपसी सद्भाव की भावना के साथ आगे बढ़ते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी कामना है कि जिस प्रकार हरियाणा सरकार बापू लाल बादशाह जी की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर गरीब, जरूरतमंद और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित कर रही है। सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना तथा अंत्योदय के संकल्प को साकार करना है। इस अवसर पर पूर्व सांसद

हरियाणा विकास के पथ पर अग्रसर है, उसी प्रकार पंजाब भी तेज़ी से प्रगति करते हुए देश के अग्रणी राज्यों में अपना स्थान और अधिक सुदृढ़ करे। उन्होंने बापू बादशाह जी के चरणों में दोनों राज्यों की खुशहाली, समृद्धि और देश की उन्नति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हंसराज हंस ने कहा कि बापू लाल बादशाह जी का दरबार प्रेम, आस्था, इंसानियत और सूफी परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मेले का अंतिम दिन अवश्य है, लेकिन श्रद्धा और प्रेम का यह सिलसिला कभी समाप्त नहीं होता। उन्होंने इस दौरान सूफी विचारधारा के महत्व को भी बताया।

जिलास्तर पर निवेशकों के आवेदन लंबित न रहें, एक ही बार में दर्ज हों सभी आपत्तियां : राव नरबीर सिंह

एजेंसी

चंडीगढ़। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिला स्तर पर निवेशकों के किसी भी आवेदन में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी आवेदन में कोई कमी या आपत्ति हो तो संबंधित अधिकारी सभी आपत्तियां एक ही बार में दर्ज करें, ताकि निवेशकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और समयबद्ध तरीके से अनुमतियां मिल सकें। राव नरबीर सिंह आज हरियाणा सिविल सचिवालय स्थित एनआईसी केंद्र में पर्यावरण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों, जिला उद्योग अधिकारियों तथा औद्योगिक सम्पदा अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, महानिदेशक यश गर्ग तथा एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक सुशील सारवान भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार का लक्ष्य प्रदेश को निवेश के लिए सबसे अनुकूल राज्य बनाना है। इसके लिए अनुमोदन प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल और समयबद्ध बनाया जाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निवेशकों को विभागीय

प्रक्रियाओं में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। बैठक में डॉ.अमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि विभाग यूनिफाइड सिंगल विंडो सिस्टम को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसके तहत नया एसडब्ल्यूएस पोर्टल विकसित किया जाएगा, जिसे राजस्व विभाग के भू-अभिलेखों के साथ एकीकृत किया जाएगा। एचएसआईआईडीसी की औद्योगिक सम्पदाओं में उपलब्ध खाली भूखंडों की जानकारी भी पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि निवेशकों की सुविधा के लिए पोर्टल पर निकटतम रेलवे स्टेशन, बिजली एवं पानी की उपलब्धता जैसी आधारभूत सुविधाओं की जानकारी भी उपलब्ध होगी। साथ ही इसे जीआईएस तकनीक से जोड़ा जाएगा, जिससे निवेशकों को उपयुक्त स्थान के चयन में आसानी होगी। बैठक में यह भी बताया गया कि निवेशकों के लिए दस्तावेज संग्रहण केंद्र, मार्गदर्शन सेवाओं तथा आवश्यक अनुमतियों की विस्तृत जानकारी भी इसी पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएगी।

राजेश नागर ने घोर लापरवाही बरतने पर डाकघर अधीक्षक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के दिए आदेश

एजेंसी

चण्डीगढ़। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री राजेश नागर की अध्यक्षता में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति भिवानी की आयोजित मासिक बैठक में 13 परिवादों की सुनवाई की, जिनमें 11 परिवादों का मौके पर ही समाधान किया। श्री नागर ने भिवानी में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में मुंढाल खुर्द निवासी ऋषिकेश के डाकघर से आरडी खाते से जुड़े एक मामले में घोर लापरवाही बरते जाने पर सख्त कार्रवाई जाने के निर्देश दिए। साथ ही मामले की जांच पुलिस आर्थिक अपराध शाखा को सौंपने के निर्देश दिए। वहीं खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री ने नागरिकों को निर्बाध रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को पर्याप्त स्वच्छ पेयजल और निर्बाध रूप से बिजली मिलनी चाहिए। बारिश के दौरान बिजली आपूर्ति आने वाले फाल्ट को तुरंत प्रभाव से दूर किया जाए और पेयजल की लीकेज को जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाए ताकि लोगों को पीने के लिए साफ पानी मिल सके। बैठक में खाद्य एवं आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री ने स्थानीय फैंसी चौक निवासी

धर्म सिंह के परिवाद की सुनवाई में मामले की मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद पुलिस को त्वरित कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामलों में तीन अगस्त को मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई कर दी जाएगी। ग्वार फैक्ट्री के पास सेवा नगर निवासी महाबीर के मामले की सुनवाई करते हुए उन्होंने पुलिस की सहायता से पाइप लाइन डालकर पेयजल समस्या के समाधान के निर्देश दिए। एक अन्य मामले में श्री नागर ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण को ग्रीन बेल्ट की खाली जगह पर पार्क विकसित करने और इससे पहले नगर परिषद को यहां दो दिन के अंदर सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। एक अन्य मामले में गंदे पानी की समस्या की सुनवाई करते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री ने सम्बंधित अधिकारियों को आगामी दस दिन में समस्या के समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को वार्ड वाइज सर्वे कर पानी की लीकेज लाईनों की पहचान की जाए। उन्होंने शहर में नालों की सफाई व्यवस्था को भी दुरुस्त किए जाने के मामलों की एडीसी द्वारा जांच किए जाने के निर्देश दिए। नूनसर जोहड़ भिवानी निवासी पदमावती के परिवाद की सुनवाई पर मंत्री ने मामले में गैर सरकारी दो सदस्यीय कमेटी द्वारा जांच कर रिपोर्ट दिए जाने के निर्देश दिए।

गांव बुगाना में सड़क निर्माण (फिरनी) परियोजना जल्द ही पूरा किया जाएगा : रणबीर गंगवा

एजेंसी

हिसार। लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने बताया कि बरवाला खंड के गांव बुगाना में सड़क निर्माण (फिरनी) परियोजना जल्द ही पूरा किया जाएगा। हरियाणा ग्रामीण विकास निधि प्रशासन बोर्ड ने पूर्व में निरस्त की गई इस परियोजना को पुनः बहाल कर दिया है।उन्होंने बताया कि गांव बुगाना में मुख्य बस स्टैंड से राजकीय विद्यालय तक इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक फिरनी निर्माण के लिए 61.27 लाख रुपये की स्वीकृति पूर्व की शर्तों के अनुरूप ही दे दी गई है। इससे ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध होगी। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी तथा जनहित से जुड़े प्रत्येक कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव बुगाना की यह परियोजना लंबे समय से ग्रामीणों की महत्वपूर्ण मांग थी। अब इसकी स्वीकृति बहाल होने से निर्माण कार्य शीघ्र गति से आगे बढ़ेगा और ग्रामीणों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य गांवों में आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य प्राप्ति में सहायक होगा कॉस्ट मैनेजमेंटः सांसद धर्मबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई) के नॉर्दर्न इंडिया रीजनल काउंसिल (एनआईआरसी) द्वारा गुरुग्राम में हरियाणा के एमएसएमईः विकसित भारत 2047 की यात्रा को सशक्त बनाना विषय पर राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद धर्मबीर सिंह ने शिरकत की। सम्मेलन की मेजबानी एनआईआरसी के सबसे बड़े चैप्टर तथा लगातार तीन वर्षों से बेस्ट चैप्टर रहे गुरुग्राम चैप्टर द्वारा की गई।

मुख्य अतिथि सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि भारत को वैश्विक विनिर्माण शक्ति बनाने और एमएसएमई क्षेत्र को प्रतिस्पर्धी बनाने में कॉस्ट एवं मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स (प्रबंधन लेखाकार) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने उर्वरक एवं कृषि इनपुट जैसे क्षेत्रों में कॉस्ट रिकॉर्ड्स (लागत रेखांकन) के महत्व पर विशेष बल देते हुए कहा कि वैज्ञानिक लागत निर्धारण से घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी। नीति निर्माण को मजबूती मिलेगी तथा विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। मुख्य वक्ता राजीव के. चावला, चेयरमैन, जय राज ग्रुप, सीएमए विवेक कुमार चिप्पा, वरिष्ठ प्रबंधक, सेंट्रल बैंक ऑफ कॉर्पोरेशन तथा सीएमए सौरव मित्रा, निदेशक (वित्त), पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कॉर्पोरेट गवर्नेंस, वित्तीय अनुशासन, सतत विकास तथा औद्योगिक प्रगति में वित्तीय नेतृत्व की भूमिका पर अपने विचार सांझा

इंडिया, जयपुर तथा मनोज कुमार सिंह, वरिष्ठ महाप्रबंधक, नेशनल स्मॉल इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन (एनएसआईसी) ने भी अहम बातें साझा कीं। सम्मेलन में सीएमए राजीव मेहरोत्रा, सदस्य, सुप्रीम कोर्ट की एम्पावर्ड कमेटी, सीएमए एस. के. सिन्हा, निदेशक (वित्त), गेल, सीएमए अशोक कुमार, निदेशक (वित्त), नेशनल सीड्स किए। सम्मेलन में उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों एवं शहरों से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम सीएमए राकेश यादव, चेयरमैन, एनआईआरसी, सीएमए हनी सिंह, सचिव, एनआईआरसी तथा सीएमए सत्य नारायण मित्तल, चेयरमैन, प्रोफेशनल डेवलपमेंट कमेटी, एनआईआरसी के नेतृत्व में किया गया।

मानवता की मिसाल बनी हरियाणा पुलिस : छह माह में 281 गुमशुदा को परिवारों से मिलाया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस मानवता की नई मिसाल पेश कर रही है। कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ परिवार से बिछड़े लोगों की घर वापसी कराकर लोगों की खुशियां बढ़ा रही है। राज्य अपराध शाखा की 22 एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट्स ने वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में 281 गुमशुदा व्यक्तियों का पता लगाकर उन्हें सुरक्षित उनके परिवारों तक पहुंचाया। इनमें 57 नाबालिग बच्चे भी शामिल हैं। आधुनिक तकनीक, डिजिटल विश्लेषण, अंतरराज्यीय समन्वय और संवेदनशील पुलिसिंग के दम पर यह उपलब्धि हासिल हुई। उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल से लेकर नेपाल तक चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान सात वर्ष से लापता एक बच्ची को भी उसके परिवार से मिलाकर पुलिस ने मानवीय संवेदनाओं की अनूठी मिसाल पेश की हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि गुमशुदा व्यक्ति को उसके परिवार से मिलाना एक मानवीय उत्तरदायित्व है। प्रत्येक गुमशुदगी के पीछे किसी परिवार की पीड़ा, उम्मीद और विश्वास जुड़ा होता है। हरियाणा पुलिस प्रत्येक मामले को पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता से लेते हुए आधुनिक तकनीक, रणनीतिक खुफिया जानकारी, अंतरराज्यीय समन्वय तथा त्वरित कार्रवाई के माध्यम से गुमशुदा व्यक्तियों का पता लगाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नाबालिग बच्चों के अतिरिक्त राज्य अपराध शाखा ने 18 वर्ष से अधिक आयु के 224 गुमशुदा वयस्कों का भी सफलतापूर्वक पता लगाया। इनमें 53 पुरुष तथा 171 महिलाएं शामिल हैं। महिलाओं और अन्य कमजोर वर्गों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए टीमों ने प्रत्येक मामले में गंभीरता से जांच की तथा तकनीकी विश्लेषण, फील्ड इंटेलिजेंस और अंतरराज्यीय समन्वय के माध्यम से उन्हें सुरक्षित खोजने में सफलता प्राप्त की।

एसीएमई सोलर ने सेकी के साथ किया बिजली खरीद समझौता

नई दिल्ली ।

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने 300 मेगावाट की अंतरराज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) से जुड़ी पवन-सौर हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी) के साथ बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि उसकी अनुषंगी कंपनी एसीएमई रिन्यूटेक फिफ्थ प्राइवेट लिमिटेड ने इस परियोजना के लिए सेकी के साथ 25 वर्ष की अवधि का बिजली खरीद समझौता किया है। बयान के अनुसार इस परियोजना के लिए शुल्क को केंद्रीय और राज्य नियामकों से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है।

रिलायंस का कैंपा कोल्ड ड्रिंक बाजार में छाया, बना तीसरा खिलाड़ी

कई बाजारों में दोहरे अंकों की हिस्सेदारी, कोका-कोला व पेप्सिको को कड़ी टक्कर

नई दिल्ली ।

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) का सॉफ्ट ड्रिंक ब्रांड कैंपा भारतीय बाजार में तेजी से पैठ बना रहा है। अब यह देश के गैर-मादक रेडी-टू-ड्रिंक (एनएआरटीडी) पेय बाजार की तीसरी सबसे बड़ी खिलाड़ी बन गई है, जो कोका-कोला और पेप्सिको जैसे स्थापित ब्रांडों को कड़ी चुनौती दे रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अनुसार, जून तिमाही में पेय कारोबार से लगभग 2,900 करोड़ रुपए का राजस्व मिला, जो उल्लेखनीय वृद्धि है। कैंपा और इंडिपेंडेंस जैसे ब्रांडों की बदौलत कंपनी ने कई क्षेत्रीय बाजारों में पहले ही दोहरे अंकों की बाजार हिस्सेदारी हासिल कर ली है। 2023 में दोबारा लॉन्च के बाद, कैंपा ने आक्रामक मूल्य निर्धारण, व्यापक वितरण नेटवर्क और उत्पाद विविधता के दम पर तेजी से विस्तार किया है। कंपनी ने कोला के अलावा लेमन, ऑरेंज और एनर्जी ड्रिंक जैसे उत्पादों को अपने पोर्टफोलियो में शामिल किया है। बढ़ती मांग के मद्देनजर रिलायंस अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ा रही है और नए बैवरेज प्लांट का एक हिस्सा शुरू कर चुकी है। कंपनी अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर भी ध्यान दे रही है, जैसे ऑस्ट्रेलिया में कैंपा कैन का उत्पादन और अफ्रीकी बाजारों में प्रवेश। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह गति बनी रही तो भारतीय सॉफ्ट ड्रिंक बाजार में प्रतिस्पर्धा और तेज होगी।

रुपए की तेज गिरावट शेयर बाजार के लिए असली खतरा, स्तर नहीं!

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 96.64 के स्तर पर, इस साल 7 फीसदी कमजोर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये पर लगातार दबाव बना हुआ है, जो मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 96.64 के स्तर तक पहुंच गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेशकों की सतर्कता के चलते इस साल अब तक रुपया डॉलर के मुकाबले करीब 7 फीसदी कमजोर हो चुका है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि क्या रुपये की यह लगातार कमजोरी भारतीय शेयर बाजार के लिए भी खतरे की घंटी है? एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट इस पर अहम जानकारी देती है। 18 साल के आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट के मुताबिक, शेयर बाजार के लिए रुपये का किसी खास स्तर (जैसे 96 या 100) पर पहुंचना उतनी बड़ी चिंता नहीं है, जितनी उसकी कमजोरी की रफ्तार। रिपोर्ट बताती हैं कि शेयर बाजार रुपये में होने वाली 2 से 3 फीसदी की सामान्य गिरावट को तो आसानी से स्वीकार कर लेता है। लेकिन जब रुपये के कमजोर होने की गति पिछले साल के मुकाबले अचानक तेज हो जाती है, तब बाजार इसे अर्थव्यवस्था में बढ़ते जोखिम का संकेत मानता है और इसका असर शेयरों पर भी दिखाई देता है। रिपोर्ट बताती है कि 2008 में जब रुपये की सालाना गिरावट करीब 7 फीसदी तक पहुंच गई थी (पहले यह 2 फीसदी थी), तब निफ्टी का रिटर्न 20 फीसदी से घटकर सिर्फ 4 फीसदी रह गया था।` रिपोर्ट के अनुसार रुपये की तेज गिरावट का असर तीन बड़े रास्तों से शेयर बाजार तक पहुंचता है- कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और चालू खाते का घाटा, विदेशी निवेशकों की निकासी, और आयातित कच्चे माल पर निर्भर कंपनियों की लागत में वृद्धि, जिससे मुनाफे पर दबाव पड़ता है।

100-200 ही नहीं, 50 रुपये के नकली नोट से भी रहें सतर्क

नई दिल्ली ।

अक्सर हम बड़ी खरीदारी में ही नोटों की जांच करते हैं, लेकिन अब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 50 रुपये जैसे छोटे नोटों पर भी सतर्क रहने की अपील की है। बाजार में 50 रुपये के नकली नोटों के चलन बढ़ने की खबरों के बीच आरबीआई ने आम जनता के लिए असली नोटों की पहचान करने के कुछ महत्वपूर्ण फीचर्स साझा किए हैं ताकि धोखाधड़ी से बचा जा सके। आपकी थोड़ी सी भी लापरवाही आपको आर्थिक नुकसान पहुंचा सकती है। आरबीआई के अनुसार, लोग अक्सर 50, 20 या 10 रुपये के नोटों को बिना जांचे जेब में रख लेते हैं, जिसका फायदा ठग उठाते हैं। असली 50 रुपये के नोट की पहचान के लिए इन प्रमुख बिंदुओं पर ध्यान दें-सी-थ्रू फीचर~ नोट के नीचे बाईं ओर 50 का एक पारदर्शी अंक होता है, जो रोशनी में रखने पर साफ दिखाई देता है।देवनागरी में 50~ नोट पर 50 का अंक हिंदी (देवनागरी लिपि) में भी अंकित होता है।- महात्मा गांधी का चित्र~ नोट के बीचों-बीच महात्मा गांधी की स्पष्ट तस्वीर छपी होती है।- गवर्नर के हस्ताक्षर~ नोट के दाईं ओर ऋद्ध का लोगो, गवर्नर के हस्ताक्षर और भुगतान का वादा (गारंटी क्लॉज) मौजूद होता है। बढ़ते क्रम में सीरियल नंबर~ ऊपर बाईं और नीचे दाईं ओर लिखे सीरियल नंबर के अंक छोटे से बड़े आकार में बढ़ते क्रम में होते हैं।अशोक स्तंभ~ नोट के नीचे दाईं ओर राष्ट्रीय चिन्ह अशोक स्तंभ का प्रतीक बना होता है।रिजर्व बैंक समय-समय पर लोगों से अपील करता है कि वे नकली नोटों के जाल में फंसने से बचने के लिए सुरक्षा फीचर्स की पूरी जानकारी रखें। विशेषज्ञों का मानना है कि इन फीचर्स को इतनी बारीकी से डिजाइन किया गया हो कि इनकी हूबहू नकल करना नामुमकिन है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.27 पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया छह पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर आ गया। वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने से भी एशिया की अधिकतर मुद्राओं की तरह रुपया भी दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे भी रुपये पर दबाव बना। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.41 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.36 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 100.97 पर रहा।

हॉलीवुड की 81 अरब डॉलर की मेगा डील पर कोर्ट ने लगाई अस्थायी रोक

कोर्ट ने दोनों कंपनियों को दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया

वाशिंगटन ।

हॉलीवुड के इतिहास की सबसे बड़ी कारोबारी डील पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। पैरामाउंट और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के बीच प्रस्तावित 81 अरब डॉलर के मेगा मर्जर पर अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने अस्थायी रोक लगा दी है। कोर्ट का यह फैसला उन 12 राज्यों के पक्ष में आया है, जिन्होंने इस सौदे को प्रतिस्पर्धा के लिए खतरा बताते हुए चुनौती दी थी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने दोनों कंपनियों को कम से कम दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया है। राज्यों का तर्क है कि यदि दोनों मीडिया दिग्गज एक हो गए तो हॉलीवुड में प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी, जिसका सीधा असर दर्शकों के विकल्पों और जेब पर पड़ेगा। फेडरल डिस्ट्रिक्ट जज अरासेली मार्टिनेज-ओल्गुइन ने राज्यों की याचिका पर सुनवाई के बाद यह अस्थायी रोक लगाई है, ताकि उन्हें अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने का पर्याप्त समय मिल सके। कैलिफोर्निया की अगुवाई में इन 12 राज्यों ने तर्क दिया है कि विलय से मनोरंजन उद्योग में प्रतिस्पर्धा कम होगी, दर्शकों के पास कंटेंट के विकल्प घटेंगे और केबल टीवी व मनोरंजन सेवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। राज्यों ने पहले दोनों कंपनियों से अदालत के फैसले तक डील को टालने का अनुरोध किया था, लेकिन उनके इनकार के बाद ही कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। फिलहाल यह रोक दो सप्ताह के लिए प्रभावी है। इस अवधि में अदालत मामले की अगली सुनवाई करेगी। यदि कोर्ट को राज्यों की दलीलें मजबूत लगीं, तो वह प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी कर सकता है, जिससे इस मेगा डील पर लंबे समय के लिए रोक लग सकती है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 238, निफ्टी 50 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सबसे अधिक गिरावट एचडीएफसी बैंक और रिलायंस के शेयरों में रही। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। पश्चिम एशिया में जारी खराब हालातों को देखते हुए निवेशकों ने भी बाजार से दूरी बनायी हुई है। इसी कारण लगातार दूसरे दिन भी बाजार नीचे आया है। गत दिवस सोमवार को भी बाजार नीचे आया था।

आज दिन भर के कारोबार के बाद कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 238.41 अंक नीचे आकर 77,470.11 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 50.80 अंक फिसलकर 24,187.70 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 में से 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा गिरावट रही जबकि एसबीआई, रिलायंस, टीसीएस, इन्फोसिस, पावरग्रिड और ट्रेंट के शेयर भी टूटे। वहीं दूसरी ओर बजाज फिनवर्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 1.95 फीसदी उछाला आया । इसके अलावा इंडिगो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, कोटक बैंक और मारुति के शेयर भी उछले।

निफ्टी में एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और एसबीआई के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। । ब्रॉडर बाजार में निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में तेजी रही। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा गिरावट आई। वहीं, निफ्टी केमिकल और निफ्टी सीमेंट में सबसे ज्यादा तेजी रही।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की हल्की बढ़त के साथ शुरुआत हुई । सुबह` निफ्टी 50 3.35 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,241.85 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं, बीएसई सेंसेक्स भी 8.79 अंक चढ़कर 77,717.31 पर पहुंच गया। बाजार में विदेशी पूंजी निकासी और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से भी दबाव बढ़ा।

सैमसंग का गैलेक्सी अनपैक्डः आज तीन नए फोल्डेबल स्मार्टफोन से उठेगा पर्दा

मुंबई,।

तकनीक की दुनिया की दिग्गज कंपनी सैमसंग आज, 22 जुलाई को, अपना बहुप्रतीक्षित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट आयोजित करेगी, जिसमें वह पहली बार तीन नए फोल्डेबल स्मार्टफोन पेश कर सकती है।

भारतीय समयानुसार यह कार्यक्रम शाम 6~30 बजे लंदन में शुरू होगा और इवेंट पर सबकी निगाहें टिकी हैं। हर साल की तरह इस बार भी कंपनी अपनी नई फोल्डेबल स्मार्टफोन श्रृंखला से पर्दा उठा सकती है, लेकिन इस बार संख्या और विविधता दोनों में कुछ नयापन देखने को मिल सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, सैमसंग इस बार गैलेक्सी जेड फोल्ड 8, गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 अल्ट्रा और गैलेक्सी जेड फ्लिप 8 को पेश कर सकता है। माना जा रहा है कि फोल्ड सीरीज़ में पहली बार एक अलग अल्ट्रा मॉडल शामिल किया जाएगा,

जो प्रीमियम अनुभव का वादा करता है। कंपनी ने गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 की लगभग 28 लाख, जेड फोल्ड 8 अल्ट्रा की 20 लाख और जेड फ्लिप 8 की करीब 15 लाख यूनिट के उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जो उनकी बाजार में अपेक्षित मांग को दर्शाता है।

लीक्स बताते हैं कि गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 में चौड़े पासपोर्ट-स्टाइल फोल्डेबल डिजाइन के साथ 4~3 आस्पेक्ट रेशियो वाली डिस्प्ले मिल सकती है। यह मॉडल अल्ट्रा संस्करण की तुलना में आकार में छोटा हो सकता है और इसके पिछले हिस्से पर तीन की बजाय दो कैमरे दिए जाने की संभावना है।

इससे संकेत मिलता है कि कंपनी एक अपेक्षाकृत किफायती फोल्डेबल स्मार्टफोन भी बाजार में उतार सकती है ताकि अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंच बनाई जा सके। हालांकि, इन सभी जानकारियों की आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। यह इवेंट सैमसंग की आधिकारिक वेबसाइट, यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा

। फोल्डेबल स्मार्टफोन बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच सैमसंग का यह आयोजन काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि कंपनी अपनी नेतृत्व की स्थिति बनाए रखने के लिए नए इनोवेशन पेश कर रही है। नए स्मार्टफोनों के फीचर्स, कीमत और उपलब्धता से जुड़ी पूरी जानकारी आज शाम गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट के दौरान ही सामने आएगी।

ईयू का अलीएक्सप्रेस पर शिकंजा- 5,500 करोड़ का रिकॉर्ड जुर्माना

मुंबई ।

यूरोपीय यूनियन (ईयू) ने चीन की टेक दिग्गज अलीबाबा के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अलीएक्सप्रेस पर 550 मिलियन यूरो (करीब 5,500 करोड़ रुपए) का भारी जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई प्लेटफॉर्म पर नकली, गैरकानूनी और असुरक्षित उत्पादों की बिक्री रोकने में विफलता के आरोप में की गई है। यूरोपीय अधिकारियों के अनुसार, अलीएक्सप्रेस पर बिक रहे कई उत्पाद यूरोपीय सुरक्षा और पर्यावरण मानकों का उल्लंघन कर रहे थे। इनमें खिलौने और कॉस्मेटिक जैसे उपभोक्ता उत्पाद शामिल हैं। जांच में यह भी सामने आया कि नियमों का उल्लंघन करने पर हटाए गए कई उत्पाद दोबारा प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हो गए और कुछ मामलों में तो ग्राहकों को उनकी सिफारिश भी की गई। यह कार्रवाई मार्च 2024 में शुरू हुई जांच के बाद ईयू के डिजिटल सर्विसेज एक्ट के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की जवाबदेही तय करना है। यह किसी ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म पर लगाया गया अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना है। हालांकि, अलीएक्सप्रेस ने इस फैसले का विरोध करते हुए जुर्माने की राशि को अत्यधिक बताया है और कानूनी विकल्पों का उपयोग करने का संकेत दिया है। ईयू ने कंपनी को 20 अक्टूबर तक जुर्माने का भुगतान करने का निर्देश दिया है। यूरोप, अलीएक्सप्रेस का सबसे बड़ा बाजार है, जहां उसके लगभग 19.3 करोड़ सक्रिय उपयोगकर्ता हैं।

हॉलीवुड की 81 अरब डॉलर की मेगा डील पर कोर्ट ने लगाई अस्थायी रोक

कोर्ट ने दोनों कंपनियों को दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया

वाशिंगटन ।

हॉलीवुड के इतिहास की सबसे बड़ी कारोबारी डील पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। पैरामाउंट और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के बीच प्रस्तावित 81 अरब डॉलर के मेगा मर्जर पर अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने अस्थायी रोक लगा दी है। कोर्ट का यह फैसला उन 12 राज्यों के पक्ष में आया है, जिन्होंने इस सौदे को प्रतिस्पर्धा के लिए खतरा बताते हुए चुनौती दी थी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने दोनों कंपनियों को कम से कम दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया है। राज्यों का तर्क है कि यदि दोनों मीडिया दिग्गज एक हो गए तो हॉलीवुड में प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी।

जिसका सीधा असर दर्शकों के विकल्पों और जेब पर पड़ेगा। फेडरल डिस्ट्रिक्ट जज अरासेली मार्टिनेज-ओल्गुइन ने राज्यों की याचिका पर सुनवाई के बाद यह अस्थायी रोक लगाई है, ताकि उन्हें अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने का पर्याप्त समय मिल सके।

कैलिफोर्निया की अगुवाई में इन 12 राज्यों ने तर्क दिया है कि विलय से मनोरंजन उद्योग में प्रतिस्पर्धा कम होगी, दर्शकों के पास कंटेंट के विकल्प घटेंगे और केबल टीवी व मनोरंजन सेवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। राज्यों ने पहले दोनों कंपनियों से अदालत के फैसले तक डील को टालने का अनुरोध किया था, लेकिन उनके इनकार के बाद ही कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

फलहाल यह रोक दो सप्ताह के लिए प्रभावी है। इस अवधि में अदालत मामले की अगली सुनवाई करेगी। यदि कोर्ट को राज्यों की दलीलें मजबूत लगीं, तो वह प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी कर सकता है, जिससे इस मेगा डील पर लंबे समय के लिए रोक लग सकती है।

अमेरिका का कनाडा पर व्यापारिक वार, अधिकांश आयात पर 50 फीसदी शुल्क

आर्थिक अनिश्चितता और दोनों देशों के संबंधों में तनाव बढ़ने की आशंका

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा से आयात होने वाली अधिकतर वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा कर दोनों देशों के व्यापार संबंधों में नया तनाव पैदा कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने कनाडा पर अमेरिकी वाहनों, मादक पेय और डेयरी उत्पादों के साथ अनुचित भेदभाव करने का आरोप लगाया है। इस कदम से आर्थिक अनिश्चितता बढ़ने और मुद्रास्फीति में वृद्धि की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि चीन के अलावा कनाडा उन चुनिंदा देशों में से एक है जिसने ट्रंप द्वारा लगाए गए पिछले शुल्कों के जवाब में प्रतिशोधात्मक कार्रवाई की थी, और उसे अब इसके लिए जवाबदेह ठहराया जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने 1930 के व्यापार अधिनियम की धारा 338 के तहत इन शुल्कों को लागू करने के लिए तीन घोषणाओं पर हस्ताक्षर किए हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष कई डेमोक्रेटिक सांसदों ने इस धारा को समाप्त करने का प्रस्ताव रखा था, उनका तर्क था कि राष्ट्रपति इसका उपयोग अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने के लिए कर सकते हैं। नए 50 प्रतिशत शुल्क के दायरे से ऊर्जा उत्पाद, पोटाश, मछली और महत्वपूर्ण खनिजों को बाहर रखा गया है। हालांकि, इसमें वे वस्तुएं शामिल होंगी जिन्हें पहले अमेरिका-मैक्सिको-कनाडा समझौते (यूएसएमसीए) के तहत आयात शुल्क से छूट प्राप्त थी।

वर्ष 2020 में लागू हुए इस व्यापार समझौते की समीक्षा और नए सिरे से वार्ता शुरू हुई है, जो 2036 तक इसकी अवधि बढ़ाने की दिशा तय कर सकती है। व्हाइट हाउस के तथ्य पत्रक के अनुसार, ये शुल्क 30 दिन बाद प्रभावी होंगे।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयर की एनएसई पर धमाकेदार लिस्टिंग

निवेशकों को प्रति शेयर 39.30 रुपए का फायदा

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंटके शेयरों ने मंगलवार को शेयर बाजारों में जोरदार एंट्री ली है। कंपनी के शेयर एनएसई पर 613.30 रुपए पर सूचीबद्ध हुए, जिससे निवेशकों को प्रति शेयर 39.30 रुपए का शानदार लिस्टिंग गेन मिला। बीएसई पर भी शेयर 610 रुपए पर लिस्ट हुआ, जो आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 574 रुपए से ऊपर रहा। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का आईपीओ 14 जुलाई को खुला था और 16 जुलाई को बंद हुआ था। इसका प्राइस बैंड 545 से 574 रुपए प्रति शेयर निर्धारित किया गया था। निवेशकों ने इस इश्यू में जबरदस्त रुचि दिखाई, जिसके परिणामस्वरूप यह समग्र रूप से 41.73 गुना सब्सक्राइब हुआ। योग्य संस्थागत खरीदारों की श्रेणी में इसे 140.11 गुना और गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 22.51 गुना बोलियां मिलीं, जबकि खुदरा निवेशकों ने भी 3.76 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज किया। यह इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल था, जिसका अर्थ है कि आईपीओ से जुटाया गया पैसा कंपनी के बजाय प्रमोटरों, एसबीआई और अमुंडी के पास गया।एसबीआई ने इस आईपीओ के माध्यम से 9,95,01,649 शेयर बेचे, वहीं अमुंडी इंडिया होल्डिंग ने 7,14,54,982 शेयर बेचे। इस सौदे के बाद अब कंपनी में एसबीआई की हिस्सेदारी 60.32 फीसदी और अमुंडी की हिस्सेदारी 36.06 फीसदी रह गई है। बड़े निवेशकों ने भी इस आईपीओ में अपनी दिलचस्पी दिखाई। एसबीआई फंड्स ने एंकर निवेशकों से 2,662.96 करोड़ रुपए जुटाए थे।ब्लैकरॉक, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, मॉर्गन स्टेनली, गोल्डमैन सॉक्स और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जैसे 129 दिग्गज संस्थानों ने एंकर बुक के तहत शेयर खरीदे थे। वर्ष 1987 में स्थापित, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड तिमाही औसत एसेट अंडर मैनेजमेंट के आधार पर भारत की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी है। नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2023 तक कंपनी के पास म्यूचुअल फंड में 12.51 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति थी और इसका मार्केट शेयर 15.3 फीसदी था।

रियल एस्टेट में वाराणसी ने लखनऊ-नोएडा को पछाड़ा

वीडीए लाएगा 500 एकड़ की मेगा टाउनशिप

वाराणसी ।

रियल एस्टेट की बढ़ती कीमतों में वाराणसी ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ और नोएडा को पीछे छोड़ दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र और काशी-विश्वनाथ कॉरिडोर के विकास ने यहां संपत्ति की कीमतें आसमान पर पहुंचा दी हैं। बेहतर कनेक्टिविटी और धार्मिक पर्यटन के कारण देशभर से लोग अब काशी में घर बनाना चाहते हैं। इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) ने अब कई नई टाउनशिप परियोजनाएं शुरू करने का निर्णय लिया है। वीडीए ने लैंड पूलिंग नीति के तहत 60 एकड़ से अधिक भूमि जुटाई है, जिसके बाद कल्लीपुर में आनंद काशी, मढ़नी में रुद्र विहार और गंजारी में स्पोर्ट्स सिटी जैसी 500 एकड़ से अधिक में फैली तीन बड़ी टाउनशिप विकसित की जा रही हैं। ये परियोजनाएं मुख्य शहर की भीड़भाड़ कम कर सुनियोजित विकास और काशी की विरासत को आधुनिकता से जोड़ने का लक्ष्य रखती हैं।

नीति आयोग ने काशी-विंध्य क्षेत्र में काशी थीम व वैदिक नामों पर आधारित 10 नई टाउनशिप का सुझाव दिया है।

वीडीए की पहली टाउनशिप आनंद काशी में अगस्त अंत या सितंबर तक बिक्री शुरू होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त वीडीए कारोबार और संस्थानों के लिए एरोसिटी और मेडिसिटी की भी योजना बना रहा है, जिन्हें क्षेत्रीय आर्थिक मास्टर प्लान से जोड़ा जाएगा। हालांकि, वाराणसी अब यूपी के सबसे महंगे शहरों में शुमार है, इसलिए वीडीए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सभी के लिए आवास के विचार पर भी काम कर रहा है।

संविधान और संप्रभु भारत का अमर प्रतीक तिरंगा

श्वेता गोयल

तीन रंगों की पट्टियों वाले राष्ट्रीय ध्वज की सबसे ऊपर की केसरिया रंग की पट्टी त्याग, बल और पौरूष की प्रतीक है जबकि बीच वाली सफेद पट्टी शांति और सत्य की प्रतीक है और सबसे नीचे की हरे रंग की पट्टी हरियाली, समृद्धि एवं सम्पन्नता की प्रतीक है। झंडे के बीचों-बीच सफेद पट्टी में स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। 24 तीलियों वाला अशोक चक्र देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये का प्रतीक है।

तिरंगे की शान, भारत की पहचान...
विश्व में प्रत्येक राष्ट्र का अपना-अपना राष्ट्रीय ध्वज है। राष्ट्रीय ध्वज ही उसकी मयार्दा और अस्मिता से जुड़ा होता है लेकिन इस मायने में हमारा राष्ट्र ध्वज 'तिरंगा' अन्य राष्ट्र ध्वजों के मुकाबले अनेक विशेषताएं धारण किए हुए है। चूंकि अंग्रेजों से भारत की मिली आजादी के चंद दिन पहले ही 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने वर्तमान भारतीय तिरंगे को देश के आधिकारिक ध्वज के रूप में अपनाया था, इसीलिए भारत में प्रतिवर्ष 22 जुलाई को 'राष्ट्रीय ध्वज दिवस' मनाया जाता है। आधिकारिक रूप में तिरंगे को अपनाने के बाद से यह देश की एकता, साहस, और आकांक्षाओं का प्रतीक बन गया। राष्ट्रीय ध्वज दिवस भारत की सम्प्रभु राष्ट्र बनने की यात्रा का स्मरण कराता है। तिरंगा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता के लिए इसके कठिन संघर्ष और एकजुट एवं समृद्ध राष्ट्र के लिए अपने लोगों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। हमारा राष्ट्र ध्वज न केवल राष्ट्र की एकता, अखंडता, गरिमा, गौरव, शक्ति, आदर्श और आकांक्षाओं का प्रतीक है बल्कि समूचे विश्व को त्याग की भावना एवं शाति का संदेश भी देता है। यह हमारी स्वतंत्रता का भी प्रतीक है क्योंकि आजादी की लड़ाई में क्रांतिकारियों को एकजुट करने में इसकी बहुत अहम भूमिका रही। तिरंगे ने ही भारतवासियों को एकता और भाईचारे का संदेश देकर उन्हें एक सूत्र में पिरोकर अंग्रेजों से लोहा लेने को प्रेरित किया था। तब क्रांतिकारियों के लिए राष्ट्र ध्वज का सम्मान अपने प्राणों से भी बढ़कर होता था, इसीलिए अंग्रेजों की लाठियां व गोलियां खाते हुए भी उन्होंने इसे कभी झुकने नहीं दिया।

तीन रंगों की पट्टियों वाले राष्ट्रीय ध्वज की सबसे ऊपर की केसरिया रंग की पट्टी त्याग, बल और पौरूष की प्रतीक है जबकि बीच वाली सफेद पट्टी शांति और सत्य की प्रतीक है और सबसे नीचे की हरे रंग की पट्टी हरियाली, समृद्धि एवं सम्पन्नता की प्रतीक है। झंडे के बीचों-बीच सफेद पट्टी में स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। 24 तीलियों वाला अशोक चक्र देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये का प्रतीक है। डा. सर्वपल्ली राधकृष्णन के शब्दों में कहें तो जो लोग इस ध्वज के नीचे कार्य करेंगे, उन्हें सत्य और सदाचार के सिद्धांतों का पालन करना होगा। राष्ट्र ध्वज के नीचे कार्य करने वालों से उनका तात्पर्य सरकारों और नौकरशाहों से था। राष्ट्र

कोकिला सरोजिनी नायडू ने भी राष्ट्र ध्वज की महत्ता का उल्लेख करते हुए संविधान सभा में राष्ट्र ध्वज का प्रस्ताव पेश करते समय 22 जुलाई 1947 को कहा था कि नए भारत के सभी नागरिकों को इस राष्ट्र ध्वज को प्रणाम करना होगा और इसके नीचे कोई छोटा-बड़ा नहीं होगा।

राष्ट्र ध्वज का सफर 7 अगस्त 1906 को आरंभ हुआ था। हरे, पीले और लाल रंग की तीन पट्टियों से बना यह राष्ट्रीय ध्वज कलकत्ता के पारसी बागान में फहराया गया था। उस ध्वज पर ऊपर की हरी पट्टी पर एक ही पंक्ति में सफेद रंग के आठ कमल अंकित थे जबकि बीच वाली पीली पट्टी पर देवनागरी में गहरे नीले रंग से वंदेमातरम्‌ लिखा था और नीचे की लाल पट्टी पर बायीं ओर एक सफेद सूर्य और दायीं ओर एक-एक सफेद चन्द्रमा और तारा अंकित थे। 'भारत का झंडा' नामक यह ध्वज हालांकि भारत के सभी धर्मों, सम्प्रदायों और साम्प्रदायिक सद्भावना को मद्देनजर रखते हुए तैयार किया गया था लेकिन यह ध्वज सर्वमान्य नहीं हो पाया। 1917 में डा. एनी बेसेंट और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक द्वारा 'होमरूल आन्दोलन' चलाया गया था। उस समय एक नया राष्ट्रीय ध्वज तैयार किया गया, जिसमें लाल और हरे रंग की एक के बाद एक कुल 9 समानान्तर और तिरछी पट्टियां थी। उस ध्वज के बीचों-बीच 7 तारे थे और एक कोने में चांद व तारा अंकित थे जबकि उसके ऊपरी बायें कोने में ह्ययूनियन जैकह्व का चित्र (झंडे का चौथाई भाग) बनाया गया था। झंडे में यूनियन जैक के इस चित्र को सम्मिलित किए जाने के कारण ही यह अधिकांश लोगों द्वारा नापसंद कर दिया गया क्योंकि इस चित्र को राष्ट्रीय ध्वज में स्थान देने का अर्थ यही माना गया कि भारतीय समाज की ब्रिटिश सम्प्रभुत्ता के प्रति स्वीकृति है। तब एक ऐसे ध्वज की आवश्यकता महसूस की गई, जो प्रत्येक धर्म, सम्प्रदाय और विचारधाराओं के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के साथ देशवासियों के लिए जीवन-मरण का प्रतीक भी बन सके।

1921 में विजयवाड़ा में कांग्रेस के अधिवेशन में आंध्र प्रदेश के पिंगली वैंकैया नामक क्रांतिकारी युवक ने महात्मा गांधी को एक ऐसा ध्वज भेंट किया, जिसमें लाल व हरे रंग की केवल दो पट्टियां थी लेकिन पंजाब के एक बुजुर्ग नेता रायजादा पंडित हंसराज ने गांधी जी को सुझाव दिया कि इस ध्वज में चरखे को भी अंकित किया जाए और तब गांधी जी ने यह सुझाव स्वीकारते हुए हिन्दुओं के लिए केसरिया रंग, मुस्लिमों के लिए हरा रंग तथा अन्य सम्प्रदायों के लिए ध्वज में सफेद रंग को भी शामिल किया। 31 दिसम्बर 1929 को रावी नदी के तट पर इसी तिरंगे को फहराते हुए पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की गई थी। हालांकि बहुत से लोगों को राष्ट्रीय ध्वज को जातियों व धर्म-सम्प्रदाय से जोड़ना उचित नहीं लगा, अतः 1931 में राष्ट्रीय ध्वज के स्वरूप के निर्धारण के लिए कराची कांग्रेस ने 7 व्यक्तियों की एक समिति बनाई और समिति ने एक ही रंग (केसरिया) के ध्वज में नीचे बायीं ओर लाल रंग के चरखे का चिन्ह अंकित करने का सुझाव दिया, जिसे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने अस्वीकार कर दिया। तत्पश्चात पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक हुई और उस बैठक में तिरंगे ध्वज को ही बीच की सफेद पट्टी में चरखे सहित मान्यता प्रदान की गई और उस निर्णय को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया लेकिन इसमें सबसे अहम बात यह रही कि तीनों पट्टियों के रंगों को धर्म-सम्प्रदायों से न जोड़कर उनके गुणों के आधार पर ही स्वीकार किया गया। इस ध्वज का आकार लम्बाई और चौड़ाई में 3:2 रखा गया।

1924 में आजादी के लिए संघर्षरत श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' ने झंडा गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' की रचना की और महात्मा गांधी ने उस गीत के दूसरे और तीसरे भाग को हटाकर उसे ज्यों का त्यों स्वीकार कर लिया। वह गीत पहली बार कानपुर में 1925 में कांग्रेस सम्मेलन में सामूहिक रूप से गाया गया। बाद में नेताजी सुभाष चंद्र बोष ने भी इसे एक लाख लोगों के साथ गाया और देखते ही देखते यह गीत क्रांतिकारियों का सबसे लोकप्रिय गीत बन गया। चाहे कांग्रेस का कोई सम्मेलन हो, कोई प्रभात फेरी हो अथवा क्रांतिकारियों का कोई आन्दोलन, ऐसे हर अवसर पर यही झंडा गीत बड़े ही जोशीले अंदाज में गाया जाने लगा। स्वतंत्रता प्राप्ति के चंद दिनों पहले जब भारत के सम्मान और स्वाभिमान के प्रतीक स्वरूप स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की चर्चा चली तो 1931 में सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए ध्वज को ही पुनः राष्ट्र ध्वज के रूप में स्वीकार किया गया लेकिन 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा की एक बैठक में पं. नेहरू ने चरखे के स्थान पर इसमें देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये के प्रतीक 24 तीलियों वाले अशोक चक्र को रखने का सुझाव दिया। संविधान सभा के सभी सदस्य इस सुझाव से सहमत हो गए और उसी दिन से राष्ट्रीय ध्वज को नए रूप में स्वीकार लिया गया। इस प्रकार हमारे राष्ट्रीय ध्वज को वर्तमान स्वरूप तक पहुंचने के लिए करीब 41 वर्षों का बहुत लंबा सफर तय करना पड़ा।

संपादकीय

फुटबॉल के उतार-चढ़ाव

आखिरकार फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में स्पेन के हाथों पिछले चैंपियन अर्जेंटीना की हार के साथ ही दुनियाभर में छाया फुटबॉल का खुमार थम गया। निस्संदेह, यह फुटबॉल के इतिहास का सबसे बड़ा विश्वकप था। संभवतः हाल के दशकों में संपन्न विश्वकप मुकाबलों में सबसे अधिक विवादास्पद भी। इस आयोजन को सफल बनाने में तीन मेजबान देशों–अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की भागीदारी रही है। इस टूनार्मेंट में 48 टीमों ने शिरकत की और 104 मैचों का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने फुटबॉल की वैश्विक लोकप्रियता को तो दिखाया ही, साथ ही इस खेल के भविष्य को लेकर भी सवाल उठ खड़े हुए। बहरहाल, स्पेन ने 16 साल बाद अपना यह दूसरा खिताब जीता। उसने एक औसत दर्जे के फाइनल मुकाबले में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। वहीं दूसरी ओर तीसरे स्थान के लिए कड़ा मुकाबला टूनार्मेंट की दो सबसे शानदार टीमों इंग्लैंड और फ्रांस के बीच हुआ। इस बेहद रोमांचक और यादगार मुकाबले में इंग्लैंड ने 6-4 से जीत हासिल की। वहीं इस टूनार्मेंट में कुछ अल्प ज्ञात टीमों का प्रदर्शन फुटबॉल की दुनिया में उम्मीद जगाने वाला रहा। इस विश्व कप में कैप वर्डे, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और कुराकाओ जैसे छोटे देशों का प्रेरणादायक खेल दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। बहरहाल, एक बार फिर किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे फुटबॉल के बड़े सितारों ने इस सबसे बड़े मंच पर अपनी चमक बिखेरी। दूसरी ओर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए एक बार फिर कहानी निराशाजनक रही। उनके प्रशंसक उनकी यादगार विदाई चाहते थे। लेकिन किसी भी खिलाड़ी की कामयाबी में टीम वर्क की बड़ी भूमिका होती है। खिलाड़ियों की साझी भूमिका से ही बड़े स्टार खिलाड़ी चमक सकते हैं। यही वजह है कि किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे अद्भुत खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद विश्वकप खिताब से वंचित रह गए। निस्संदेह, किसी भी मजबूत टीम के नगीनों के साझे प्रयास से ही स्वर्णिम सफलता का निर्धारण हो पाता है। बहरहाल, अब तक के सबसे बड़े और तीन देशों में खेले गए इस टूनार्मेंट के साथ कई तरह के विवाद भी जुड़े। टेक्नोलॉजी पर फीफा की बढ़ती निर्भरता को लेकर भी आलोचकों ने सवाल उठाये। विशेष रूप से वीडियो असिस्टेंट रेफरी यानी वीएआर सिस्टम को लेकर संशय पैदा हुआ। फुटबॉल प्रेमियों ने माना कि यह सिस्टम भरोसेमंद नहीं है। इसके उपयोग और भूमिका को लेकर कई खिलाड़ियों, कोचों और दर्शकों में नाराजगी देखी गई।

चिंतन-मनन

दोनों प्रकार का धन एक साथ नहीं मिल सकता

संसार में दो प्रकार का धन होता है भौतिक धन और दूसरा आध्यात्मिक धन। मनुष्य का स्वभाव है कि वह ज्यादा से ज्यादा धन कमाने की चाहत रखता है। कोई व्यक्ति सोना, चांदी, रुपए पैसे का अंबार लगाकर धनवान कहलाता है तो कोई भूखा, प्यासा रहकर भी धनवान कहलता है। वास्तव में धनवान दोनों हैं। एक भौतिक धन का धनी है तो दूसरा अध्यात्मिक धन का धनी है। शाछ्वा और पुराण कहते हैं कि दोनों धनों में से अध्यात्म रूपी धन ज्यादा श्रेष्ठ है क्योंकि इसे कोई छीन नहीं सकता। इसे कोई चुरा भी नहीं सकता है। जिसके पास अध्यात्म रूपी धन होता है वह निश्चिंत होता है। उसे किसी प्रकार की चिंता और भय नहीं रहता है। संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो एक साथ इन दोनों धनों का सुख प्राप्त कर सके। अध्यात्म और भौतिक धन दोनों दो नाव के समान हैं। आप जानते हैं कि दो नाव की सवारी एक साथ नहीं की जा सकती, अगर ऐसा करेंगे तो डूबना तय है। मर्जी हमारी है कि हम अध्यात्मिक धन अर्जित करके ईश्वर का ऋण चुका दें और जीवन-मरण के चप्र को पार करके दु?ख से मुक्ति प्राप्त कर लें। दूसरा रास्ता यह है भौतिक धन अर्जित करके सांसारिक सुख का आनंद लें और बार-बार जीवन-मरण के चप्र में उलझकर पाप का फल प्राप्त करें।

भागवत कहता है कि ईश्वर जिसे प्यार करता है उससे उसका सब कुछ छीन लेता है। सब कुछ छीन लेने का अर्थ है सांसारिक सुख छीन लेना। कबीर दास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, सूरदास, करमैती बाई इसके उदाहरण हैं। ईसा मसीह ने भी कहा है कि सूई के छिद्र से ऊंट भले ही पार कर जाए लेकिन एक अमीर आदमी स्वर्ग प्राप्त नहीं कर सकता। स्वर्ग नहीं मिलने का अर्थ है, ईश्वर की कृपा प्राप्त नहीं होना। इसका कारण यह है कि जब बहुत धन आ जाता है तो व्यक्ति धन संभालने और उसकी सुरक्षा को लेकर ही सदैव चिंतित रहता है। ईश्वर के लिए न तो उनके पास समय होता है और न भक्ति भावना। धन के अहंकार में व्यक्ति ईश्वरीय सत्ता को भी चुनौती देने लगता है। तीर्थस्थलों को पर्यटन स्थल मानकर उनका अपमान करता है। इसलिए ही कहा गया है कि अध्यात्मिक धन और सांसारिक धन एक साथ नहीं मिल सकता है।

भारत से टकराने की जिद बड़ी भारी पड़ती है, 'हिंदुस्तान के हिस्से का बिल' भी भर रहा है पाकिस्तान!

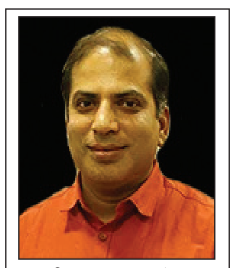

नीरज कुमार दुबे

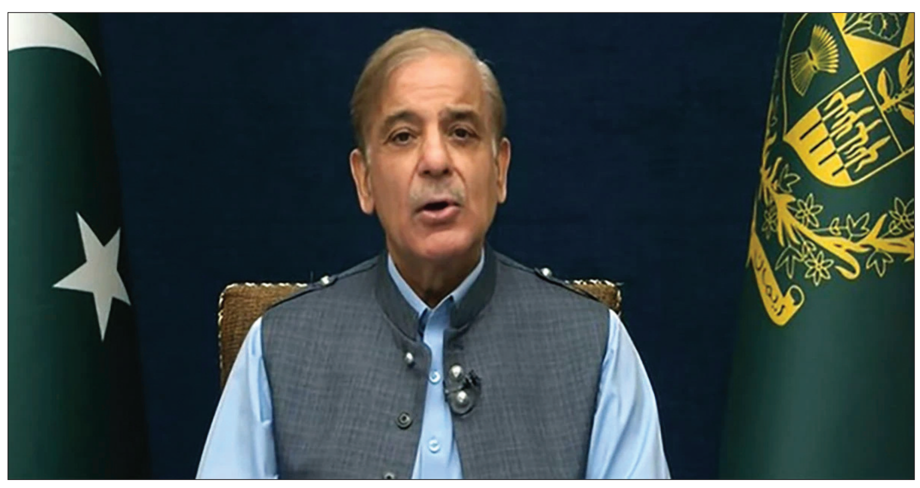

सीमापार आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बना चुके पाकिस्तान की आज ऐसी दुर्गति हो चुकी है कि वह भारत के खिलाफ साजिश रचने की कीमत भी अपनी जेब से चुका रहा है। दरअसल, सिंधु जल संधि को लेकर भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर घेरने की नाकाम कोशिश में इस्लामाबाद न केवल अपनी ओर से खर्च उठा रहा है, बल्कि भारत के हिस्से का व्यय भी खुद अदा कर रहा है। यानी जिस देश को वह कटघरे में खड़ा करना चाहता है, उसी का बिल भी उसे भरना पड़ रहा है। यह दृश्य पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली, कूटनीतिक बेबसी और बौखलाहट का सबसे बड़ा प्रमाण है। दुनिया के सामने भारत को घेरने निकला पाकिस्तान आज अपनी ही बनाई चाल में फंसकर उपहास का पात्र बन गया है।

हम आपको बता दें कि सिंधु जल संधि वर्ष 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई थी। इस व्यवस्था के अंतर्गत छह नदियों के जल के बंटवारे का ढांचा तय किया गया था। दशकों तक भारत ने संधि का पूरी निष्ठा से पालन किया, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान लगातार आतंकवाद को संरक्षण देता रहा। पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत ने साफ संदेश दिया कि जब तक पाकिस्तान सीमापार आतंकवाद का विश्वसनीय और स्थायी रूप से परित्याग नहीं करता, तब तक सामान्य स्थिति की उम्मीद नहीं की जा सकती। इसी क्रम में भारत ने संधि से जुड़ी कार्यवाहियों में अपनी भागीदारी स्थगित कर दी।

भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट है। नई दिल्ली का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियां 1960 जैसी नहीं रहीं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी, ऊर्जा की आवश्यकता, नई प्रौद्योगिकी और सबसे बढ़कर पाकिस्तान प्रायोजित सीमापार आतंकवाद ने पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। ऐसे में संधि की समीक्षा और नए सिरे से विचार स्वाभाविक आवश्यकता है।

इसके विपरीत पाकिस्तान हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को घेरने की नाकाम कोशिश कर रहा है। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस मध्यस्थता प्रक्रिया से वह भारत पर दबाव बनाना चाहता है, उसी का पूरा आर्थिक बोझ भी उसे स्वयं उठाना पड़ रहा है। यह उस कूटनीतिक दिवालियेपन का प्रतीक है जिसमें पाकिस्तान दुनिया के सामने अपनी दलीलें जीवित रखने के लिए किसी भी कीमत पर तैयार दिखाई देता है।

सच्चाई यह भी है कि सिंधु जल संधि से दशकों तक सबसे बड़ा लाभ पाकिस्तान को मिला। भारत, ऊपरी प्रवाह वाला देश होने के बावजूद, संधि की कठोर शर्तों का पालन करता रहा। अनेक विशेषज्ञ लंबे समय से यह प्रश्न उठाते रहे हैं कि यह व्यवस्था भारत के हितों के अनुरूप नहीं रही। इसके बावजूद भारत ने जिम्मेदार राष्ट्र का परिचय दिया। लेकिन जब पड़ोसी देश आतंकवादियों को शरण दे, प्रशिक्षण दे और भारत के निर्दोष नागरिकों का रक्त बहाने वालों को संरक्षण प्रदान करे, तब केवल सद्भावना के आधार पर संबंध नहीं चल सकते।

पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शोर मचाने से वास्तविकता नहीं बदलती। आतंकवाद और बातचीत, आतंकवाद और सहयोग, आतंकवाद और विश्वास, ये तीनों एक साथ नहीं चल सकते। यदि इस्लामाबाद यह सोचता है कि वह एक ओर आतंकियों को पालता रहेगा और दूसरी ओर जल समझौतों तथा वैश्विक संस्थाओं की आड़ लेकर भारत पर दबाव बनाएगा, तो यह उसकी सबसे बड़ी भूल है। भारत ने बार-बार संयम दिखाया है, लेकिन संयम को कमजोरी समझना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है। अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा, जल हितों और संप्रभु अधिकारों से किसी प्रकार का समझौता करने वाला नहीं है। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्षेत्र में शांति चाहता है तो उसे सबसे पहले अपनी धरती से संचालित सीमापार आतंकवाद की फैक्ट्रियों पर स्थायी ताला लगाना होगा।

बहरहाल, पाकिस्तान के नीति-निमार्ताओं के लिए यह घटनाक्रम स्पष्ट संदेश है। जो देश आज भारत का हिस्सा भी अपनी जेब से भरने को विवश है, उसे पहले अपनी अर्थव्यवस्था, अपने शासन और अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान देना चाहिए। भारत को धमकियों या अंतरराष्ट्रीय मंचों की कार्यवाहियों से झुकाया नहीं जा सकता।

भारत की ओर से संदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि यदि पाकिस्तान ने सीमापार आतंकवाद को हमेशा के लिए बंद नहीं किया, तो उसे केवल आर्थिक ही नहीं, कूटनीतिक, सामरिक और रणनीतिक स्तर पर भी और बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। शांति का मार्ग आतंकवाद छोड़ने से होकर जाता है, न कि दुनिया भर में शिकायतों का पुलिंदा लेकर घूमने से। समय रहते पाकिस्तान को यह सच्चाई स्वीकार करनी होगी, क्योंकि नया भारत अपनी सुरक्षा और अपने राष्ट्रीय हितों पर किसी भी प्रकार का समझौता करने के लिए तैयार नहीं है।

क्या समाज में दम तोड़ रही मानवीय वेदना, संवेदना और इंसानियत?

रंजन चौधरी

-हजारीबाग में पिछले एक सप्ताह में 7 शवों का लावारिश हालत में मिलना खड़ा करता है कई यक्ष प्रश्न..., अस्पताल कैंपस से मिले दो अज्ञात शव चिंता का विषय

-अमन-चैन व सौहार्द वातावरण के शहर हजारीबाग के सामाजिक ताने- बाने पर उठ रहें हैं कई सवाल

आधुनिक युग में जहां पाश्चात्य संस्कृति हावी है वही समाज में मानवीय वेदना, संवेदना और इंसानियत के भाव का भी आभाव दिखता है। हजारीबाग जिसे अमन-चैन और सौहार्दपूर्ण वातावरण के लिए जाना जाता रहा है लेकिन कुछ ऐसी घटनाएं घटती है जो इस सामाजिक सौहार्द के लिए भविष्य में चिंता का सबब बन जाती है।

ताजा उदाहरण है हजारीबाग शहर और आसपास के विभिन्न थाना क्षेत्रों से बीते एक सप्ताह के दौरान 7 शव लावारिश अवस्था में बरामद हुए। इन घटनाओं ने पूरे हजारीबाग को झकझोर कर रख दिया है। सबसे अधिक चिंतनीय बात यह है कि इनमें से 5 शव अब भी अज्ञात है और उनके पहचान के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में मोचुर्री पर रखा गया है। अबतक इनकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिसिया जाँच के साथ ये समाज के सामने एक अत्यंत ही गंभीर और ज्वलंत सामाजिक प्रश्न खड़े करता है कि आखिर इन शवों का पहचान हो पाएगा भी या नहीं? या कई लावारिश शवों की तरह ही इनका भी अंतिम संस्कार हो जाएगा और ये काल के गाल में हमेशा के लिए लुप्त हो जाएंगे ।

ऐसे इन सभी शवों को पुलिस की मौजूदगी में मुक्तिधाम सेवा संस्थान के सचिव सह वार्ड पार्षद प्रतिनिधि नीरज कुमार ने बड़े मशक्कत के बाद सम्मानपूर्वक उठाकर फिलवक्त पहचान के लिए रखवाया है। हीराबाग चौक के समीप गहरे दलदल के एक नाली से एक शव को निकालने के क्रम में वे हादसा के शिकार भी हो सकते थे लेकिन उन्होंने डंडे के सहारे पहले दलदल की गहराई नापी फिर शव को निकाला। ऐसे कई दिनों से पड़े शवों के दुर्गंध को सहकर उन्होंने इस सेवा क्षेत्र में जो मिसाल पेश किया है वह सराहनीय है। नीरज कुमार और उनकी टीम का कार्य निसंदेह मानवीय संवेदनाओं का उत्कृष्ट उदाहरण है। जब सबों की पहचान नहीं हो पाएगी तब इनके द्वारा ही सम्मानपूर्वक इनका अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा। अब सवाल यह उठता है कि इनका अंतिम संस्कार करके क्या हम अपने सामाजिक दायित्व से मुक्त हो सकते हैं? या फिर हमें उन कारणों की तलाश भी करनी चाहिए, जिसकी वजह से लोग इस स्थिति तक पहुंच रहे हैं?

हजारीबाग में पिछले एक सप्ताह के दौरान इन शवों की लावारिश हालत में झील के मत्स्य विभाग के समीप से मिलना, हीराबाग स्थित बिजली विभाग के सामने के नाले से मिलना, नगवां- चुरचू के पत्थर एक माइंस से मिलना, रेलवे स्टेशन के बोगी से मिलना तो रहस्यमय है ही लेकिन शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के भीतर से दो शवों का बरामद होना बेहद ही चिंतनीय और गंभीर सवाल खड़ा करता है। यहां लोग जीवन बचाने की आस लेकर पहुंचते हैं लेकिन बीते एक सप्ताह के भीतर वार्ड से एक शव और एक शव ट्रामा सेंटर के बाहर से बरामद होना व्यवस्था और सामाजिक संवेदनशीलता दोनों पर सवाल खड़े करती है। वर्तमान समाज में मानसिक तनाव, अवसाद, आर्थिक दबाव, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और आपसी विवाद लगातार बढ़ रहे हैं। कई बार लोग किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को देखकर मुँह मोड़ लेते हैं तो कई बार अस्पताल के बाहर छोड़कर चंपत हो जाते हैं। ऐसे लोग कौन हैं? उनकी जिम्मेवारी कैसे तय होगी और कौन तय करेगा? क्या हमारी संवेदनाएं इतनी कमजोर हो गई है कि हम किसी जरूरतमंद को मदद नहीं कर सके या किसी जरूरतमंद को अस्पताल पहुंचाकर यहां भर्ती कराने या उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाने का भी प्रयास नहीं कर सकते?

अब समय सिर्फ शासन- प्रशासन को दोष देने का नहीं है। समाज को ऐसे विषयों पर सामाजिक रूप से मिलकर चिंतक- मंथन करना होगा। हमें आत्म मंथन करना होगा। परिवारों में संवाद कम हो रहे हैं, सामाजिक रिश्ते कमजोर पड़ रहे हैं और अकेलापन बढ़ता जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने की जरूरत है। समाज में नशा मुक्ति अभियान को सामाजिक आंदोलन बनाना होगा। मानसिक अवसाद में जीने वाले लोगों को सामाजिक रूप से संबल देने की आवश्यकता है। हम सभी को अपने अंदर संवेदना के भाव को जागृत रखना होगा और इसे मानवीय कर्तव्य समझकर इसे अपने दैनिक जीवन में चरितार्थ करना होगा ।

प्रशासन को भी शहर के ऐसे सुनसान जगहों के साथ-साथ अस्पताल जैसे संवेदनशील जगहों पर सीसीटीवी निगरानी रखनी होगी ताकि बेसहारा एवं अज्ञात लोगों की पहचान और पुनर्वास की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके। राजनीतिक और सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों और आम नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करना होगा।

हजारीबाग अपनी सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदना के लिए जाना जाता रहा है। ऐसी असामाजिक और अमानवीय घटनाओं पर अगर इसे महज खबर समझकर इग्नोर करते रहें तो भविष्य में यह स्थिति और व्यापक हो सकती है। लावारिस अवस्था में मिले इन शवों की भी अपनी मौत की कहानी होते हैं जो समाज की असंवेदनाओं, व्यवस्था की कमियों और टूटते सामाजिक रिश्तों का मौन आईना होते है। पिछले एक सप्ताह में हजारीबाग में मिले इन शवों में से कई शवों को करीब से देखा तो यह एहसास मन में हुआ कि इसे शेयर किया जाय और इस पर सामाजिक रूप से चर्चा की जरूरत है अन्यथा आने वाले समय में हम इंसान तो होंगे लेकिन समाज में वेदना, संवेदना और इंसानियत का भाव का घोर आभाव हो जायेगा और हम इंसान और जानवरों में कोई अंतर नहीं रह जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मध्य अफ्रीकी देश कैमरून में सात यात्रियों का अपहरण

याउंडे, एजेंसी। कैमरून के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में शनिवार देर रात (स्थानीय समय) सात यात्रियों का अपहरण कर लिया गया। रविवार को सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। ये यात्री वेस्ट क्षेत्र की राजधानी बाफौसम से उत्तर पश्चिम क्षेत्र की राजधानी बामेंडा जा रहे थे। इसी दौरान हथियारबंद लोगों ने उनकी गाड़ी को रोक लिया और यात्रियों को अपने साथ ले गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, परिवार के सदस्यों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि अपहरणकर्ताओं ने यात्रियों को छोड़ने के बदले फिरौती की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक इस इलाके में फिरौती के लिए अपहरण की घटनाएं आम हैं। यहां अलगाववादी समूह स्वतंत्र देश की मांग को लेकर सरकारी सुरक्षा बलों से संघर्ष कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, इस इलाके में यात्रा करने वाले लोगों को अक्सर ऐसे हथियारबंद लोग निशाना बनाते हैं, जिनके अलगाववादी लड़ाकों से जुड़े होने का शक है। पिछले महीने भी कैमरून के नॉर्थवेस्ट क्षेत्र में करीब 12 लोगों का अपहरण किया गया था। इनमें एक बस के 10 यात्री शामिल थे। स्थानीय लोगों और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, यह घटना उस इलाके में हुई जहां लंबे समय से अलगाववादी हिंसा जारी है।

बाकू में भारत के विश्व धरोहर स्थलों की प्रदर्शनी का आगाज

बाकू , एजेंसी। अजरबैजान की राजधानी बाकू में स्थित भारतीय दूतावास परिसर में भारत के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों पर एक स्थायी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न देशों के राजनयिक, अजरबैजान के सांसद, व्यापारिक समुदाय, ट्रैवल ऑपरेटर और भारतीय समुदाय के लोग शामिल हुए। प्रदर्शनी का उद्घाटन भारत के राजदूत अभय कुमार और यूएन-हैबिटेट अजरबैजान प्रमुख अन्ना सोवे ने संयुक्त रूप से किया। वर्तमान में भारत में 44 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें 36 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक व 1 मिश्रित स्थल शामिल हैं।

भ्रष्टाचार में चाइना विकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ जांच

बीजिंग, एजेंसी। चाइना डेवलपमेंट बैंक के पूर्व अध्यक्ष ओउयांग वेइमिन पर गंभीर अनुशासन और कानून के उल्लंघन के संदेह में शिकंजा कसा गया है। चीन की शीर्ष भ्रष्टाचार विरोधी संस्था ने रविवार को उनके खिलाफ जारी जांच की जानकारी दी। केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण आयोग ने संक्षिप्त बयान में बताया कि राष्ट्रीय पर्यवेक्षण आयोग के साथ मिलकर ओउयांग वेइमिन के खिलाफ जांच की जा रही है। ओउयांग ने 1986 में कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल होकर अपना कॅरिअर शुरू किया था और वे पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना में भी रहे।

बुर्किना फासो के राष्ट्रपति ने कर दिया बड़ा ऐलान, बोले- लागू नहीं होगा इस्लामी कानून

औगाडौगू, एजेंसी। बुर्किना फासो के राष्ट्रपति कैप्टन इब्राहिम ट्राओरे ने हाल ही में देश के इस्लामीकरण को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वो अपने देश में कभी भी शरिया कानून लागू नहीं होने देंगे। उन्होंने उन छात्रों वापस देश न आने की चेतावनी दी है जो शरिया की पढ़ाके के लिए सऊदी अरब गए हैं। इब्राहिम ट्राओरे ने कहा कि मैं मुस्लिम हूं, लेकिन देश में हर नागरिक को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि बुर्किना फासो में कभी भी शरिया कानून नहीं लागू होगा। बुर्किना फासो लंबे समय से धार्मिक हिंसा का शिकार रहा है। यहां इस्लामी आतंकवादियों के कई संगठन सक्रिय हैं, जो देश में शरिया कानून लागू करना चाहते हैं। बुर्किना फासो के राष्ट्रपति इब्राहिम ट्राओरे का एक कथित बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि उन्होंने शरिया की पढ़ाई के लिए सऊदी अरब जाने वाले छात्रों से कहा, अगर आप तकनीकी शिक्षा और कौशल हासिल करने के बजाय केवल शरिया पढ़ने जा रहे हैं, तो वहीं रहें। आपको वापस लौटने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यहां आपकी वापसी की अनुमति नहीं होगी। बताया जा रहा है कि यह टिप्पणी उन्होंने धार्मिक सद्भाव, राष्ट्र निर्माण और अतिवाद के खिलाफ अपनी सरकार की नीति को रेखांकित करते हुए की। हालांकि, इस बयान की स्वतंत्र रूप से पुष्टि उपलब्ध नहीं है। इब्राहिम ट्राओरे का जन्म 14 मार्च 1988 को हुआ था। उन्होंने सितंबर 2022 में सैन्य तख्तापलट के बाद बुर्किना फासो की सत्ता संभाली। तब उनकी उम्र सिर्फ 35 साल थी। सत्ता में आने के बाद उन्होंने देश को भ्रष्टाचार, विदेशी प्रभाव और जिहादी हिंसा से मुक्त कराने का वादा किया। ट्राओरे खुद को पैन-अफ्रीकी, राष्ट्रवादी और एंटी-इंपीरियलिस्ट नेता मानते हैं। उन्होंने अल-साहेल स्टेट्स गठबंधन को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उनका कहना है कि देश की सुरक्षा, संप्रभुता और स्थानीय परंपराओं के आधार पर न्याय व्यवस्था को मजबूत किया जाना चाहिए। उनके शासन में बुर्किना फासो ने फ्रांस जैसे पश्चिमी देशों से दूरी बढ़ाई और रूस समेत अन्य देशों के साथ अपने संबंध मजबूत किए।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर चौथी बार गूंजी किलकारी: पत्नी उषा ने दिया बेटे को जन्म, 156 साल बाद हुआ ऐसा संयोग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर खुशियों ने दस्तक दी है। उनकी पत्नी और अमेरिका की सेकेंड लेडी उषा वेंस ने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया है। नवजात का नाम एलेक नील वेंस रखा गया है। यह पल अमेरिकी इतिहास के लिए बेहद खास बन गया है। दरअसल, पिछले 156 वर्षों में यह पहली बार है जब किसी पद पर रहते हुए उपराष्ट्रपति के घर बच्चे का जन्म हुआ है। वेंस दंपती ने खुद सोशल मीडिया पर एक संयुक्त बयान जारी कर यह खुशखबरी दुनिया के साथ साझा की।

पूरा परिवार खुशियों से सराबोर : उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया कि मां और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। नए मेहमान के आने से उनके बाकी तीनों बच्चे बेहद उत्साहित हैं। एलेक नील अब वेंस परिवार के तीन बड़े भाई-बहनों के साथ शामिल हो गया है। इस परिवार में नौ वर्षीय इवान, छह वर्षीय विवेक और चार वर्षीय मीराबेल पहले से हैं। वेंस दंपती ने इस खास मौके पर वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर के डॉक्टरों और व्हाइट हाउस की मेडिकल टीम का दिल से आभार व्यक्त किया है।

जनसांख्यिकी और राजनीति का अनोखा संयोग : जेडी वेंस हमेशा से अमेरिका में घटती जन्म दर पर चिंता जताते रहे हैं। वह देशवासियों से अधिक बच्चे पैदा करने की वकालत करते रहे हैं। साल 2025 में एक रैली के दौरान भी उन्होंने देश में बच्चों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया था। वह अक्सर अपनी पत्नी और बच्चों के साथ विदेशी दौरों पर जाते दिखाई देते हैं। भारतीय मूल के प्रवासियों की बेटी उषा वेंस के लिए यह सफर आसान नहीं रहा है। इस गर्भावस्था के दौरान वह लगातार मीडिया की सुर्खियों में बनी रहीं।

156 साल पुराना दुर्लभ इतिहास : अमेरिका के इतिहास में ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है जब शीर्ष पदों पर बैठे नेता कार्यकाल के दौरान माता-पिता बनते हैं। इससे पहले साल 1870 में तत्कालीन उपराष्ट्रपति शूयलर कोलफैक्स के घर बेटे का जन्म हुआ था। वहीं, साल 1829 में उपराष्ट्रपति जॉन सी कैलहोन के घर बच्चे ने जन्म लिया था। वेंस का यह बच्चा ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों के घरों में हाल ही में हुए 'बेबी बूम' का हिस्सा है, जहां कई बड़े अधिकारियों के घर बच्चों की किलकारियां गूंजी हैं।

दंपति ने उषा वेंस और नवजात की देखभाल करने वाली मेडिकल टीम का भी आभार व्यक्त किया और कहा, 'वाल्टर रीड मेडिकल सेंटर और व्हाइट हाउस मेडिकल यूनिट के शानदार मिलिट्री डॉक्टर और स्टाफ मेंबर हमारे लिए एक आशीर्वाद रहे हैं। उन्होंने हमारे परिवार के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए हम बहुत शुक्रगुजार हैं।' एलेक दंपत्ति का चौथा बच्चा और तीसरा बेटा है। वेंस के पहले से ही दो बेटे हैं, इवान (9) और विवेक (6), और उनकी एक बेटी मिराबेल (4) है। उन्होंने अपने बच्चों को ज्यादातर लोगों की नजरों से दूर रखा है। मिराबेल का जन्म दिसंबर 2021 में हुआ था। इस दौरान जेडी वेंस ओहियो से अमेरिकी सीनेट सीट के लिए कैंपेन कर रहे थे। दंपत्ति ने जनवरी 2026 में ऐलान किया था कि उषा एक और बेटे को जन्म देने वाली हैं। इस बच्चे के जन्म के साथ ही अमेरिकी राजनीतिक इतिहास में एक दुर्लभ रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है। इससे पहले, पद पर रहते हुए संतान सुख प्राप्त करने वाले अंतिम अमेरिकी उपराष्ट्रपति शायलर कोलफैक्स थे। उनके पुत्र शायलर कोलफैक्स तृतीय का जन्म वर्ष 1870 में हुआ था। कोलफैक्स से पहले उपराष्ट्रपति जॉन सी. कैलहून ने 1829 में अपने बेटे विलियम का स्वागत किया था। 41 वर्षीय जेडी वेंस अमेरिका के इतिहास में शपथ लेने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के उपराष्ट्रपति हैं। रिपब्लिकन नेता वेंस, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की सबसे प्रमुख हस्तियों में से एक बनकर उभरे हैं। उषा वेंस ने इससे पहले सार्वजनिक रूप से इस सवाल पर भी बात की थी कि क्या वह और जेडी वेंस अपने परिवार को आगे बढ़ाने के बारे में सोच रहे हैं। पिछले साल एक इंटरव्यू में इस संभावना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था, 'कभी भी 'कभी नहीं' मत कहिए।'

उषा बाला चिलुकुरी के रूप में जन्मी अमेरिका की सेकंड लेडी भारतीय मूल की हैं। उनके माता-पिता भारत से अमेरिका जाकर बसे थे और उनका पालन-पोषण कैलिफोर्निया में हुआ। उनके परिवार की जड़ें आंध्र प्रदेश से जुड़ी हैं, इसलिए उनके बेटे एलेक नील वेंस के जन्म को भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लिए भी विशेष महत्व के रूप में देखा जा रहा है। उषा और जेडी वेंस की मुलाकात येल लॉ स्कूल में पढ़ाई के दौरान हुई थी। दोनों ने 2014 में शादी की थी।

इराक में ईरानी ड्रोन के विस्फोटक को निष्क्रिय करते समय अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा है कि उत्तरी इराक में ईरानी वन-वे अटैक (आत्मघाती) ड्रोन से जुड़े बिना फटे विस्फोटक को नियंत्रित तरीके से निष्क्रिय (कंट्रोल्ड डेटोनेशन) करने के दौरान एक अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत हो गई। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रविवार को जारी बयान में कहा कि इस घटना में एक अन्य अमेरिकी सैन्यकर्मी घायल हुआ है, जिसका मामूली चोटों के लिए उपचार किया जा रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अमेरिकी सेना को रविवार को मानव अवशेष मिले। इससे पहले सेंटकॉम ने शनिवार को बताया था कि शुक्रवार को जॉर्डन में हुए ईरानी हमले के बाद दो अमेरिकी सैन्यकर्मियों की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य लापता था।

सेंटकॉम ने कहा कि बरामद अवशेषों की पहचान की पुष्टि के लिए जांच प्रक्रिया जारी है। सेंट्रल कमांड ने कहा, 'जब तक परिजनों को आधिकारिक रूप से सूचना देने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक मृत और लापता सैन्यकर्मियों की पहचान सहित अन्य विवरण सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे।' वहीं, सेंट्रल कमांड ने एक्स पर जारी ताजा अपडेट में बताया कि रविवार तक अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखते हुए छह वाणिज्यिक जहाजों का मार्ग बदल दिया, जबकि एक जहाज को रोक दिया गया।

इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने रविवार को ईरान के अहवाज क्षेत्र में अमेरिका के एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, आईआरजीसी का कहना है कि ड्रोन को इंटरसेप्ट करने के बाद उसे सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने कहा कि ईरान के इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस नेटवर्क की कमांड में आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स के एडवांस्ड एयर-डिफेंस सिस्टम ने एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब ईरान पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई कर रहा है। ईरान की आईआरजीसी ने शनिवार को कहा कि उसने जॉर्डन में एक अमेरिकी बेस पर हमला किया, कुवैत में एक फ्यूल सप्लाई डॉक को निशाना बनाया और बहरीन में एक डेटा सेंटर को नष्ट कर दिया है।

बांग्लादेश में खसरे से मरने वालों का आंकड़ा 788 पहुंचा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में बीते 24 घंटों में खसरे जैसे लक्षणों के चलते चार और बच्चों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, देश में खसरे से जुड़ी मौतों की कुल संख्या बढ़कर 788 हो गई है। सभी नई मौतों को खसरा से संदिग्ध रूप से जुड़ी मौत माना गया है। नए अपडेट के अनुसार, बांग्लादेश में खसरे से संदिग्ध मौतों की संख्या बढ़कर 693 हो गई है, जबकि प्रयोगशाला जांच में पुष्टि हुई मौतों का आंकड़ा 95 है। यह जानकारी यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश के हवाले से सामने आई है। पिछले 24 घंटे के दौरान बांग्लादेश में खसरे के 938 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे देश में संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 1,17,648 हो गई। इसी अवधि में खसरे के 113 नए पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जिसके बाद प्रयोगशाला जांच से पुष्टि किए गए संक्रमणों की कुल संख्या बढ़कर 14,431 हो गई।

इस महीने की शुरुआत में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि डेंगू के बढ़ते मामलों से स्वास्थ्य व्यवस्था पर और दबाव पड़ सकता है और मौतों का खतरा बढ़ सकता है। बांग्लादेश के अस्पताल पहले से ही खसरे के रोजाना 900 से ज्यादा मरीजों के भर्ती होने के कारण दबाव में हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, ढाका के बड़े सरकारी अस्पताल, जहां पहले डेंगू के प्रकोप के दौरान हजारों मरीजों का इलाज किया गया था, अभी खसरे के मरीजों के बोझ से जूझ रहे हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर डेंगू के मामलों में अचानक बढ़ोतरी होती है, तो पहले से सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं पर और दबाव पड़ेगा और इलाज की सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

गुयाना में बड़ा हादसा...116 लोगों को ले जा रही नाव पलटी

जॉर्जटाउन, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, यह एक बड़ा मुद्री हादसा हो गया है। 116 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रही एक फेरी समुद्र में पलटकर डूब गई। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान तुरंत शुरू किया गया। अब तक 53 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि कई अन्य लोगों की तलाश अभी भी जारी है।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, एमवी बरिमा (MV Barima) नाम की फेरी राजधानी जॉर्जटाउन से पोर्ट कैतूमा जा रही थी। रास्ते में आयरन पंट के पास देर रात अचानक फेरी का संतुलन बिगड़ गया और वह समुद्र में पलट गई। हादसे के तुरंत बाद डिस्ट्रेस कॉल भेजी गई, जिसके बाद प्रशासन और बचाव एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। प्रशासन लगातार बचाव अभियान चला रहा है और लापता लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रहा है।

कोस्ट गार्ड और निजी नावों ने बचाए यात्री : गुयाना के लोक निर्माण मंत्री जुआन एडघिल ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ आसपास मौजूद निजी नावों को भी राहत कार्य में लगाया गया। कोस्ट गार्ड और निजी नौकाओं की मदद से कई लोगों को समुद्र से सुरक्षित बाहर निकाला गया। बचाए गए यात्रियों को तुरंत इलाज देने के लिए मेडिकल टीमों को भी मौके पर भेजा गया। जानकारी के मुताबिक, एमवी बरिमा वर्ष 1939 में बनाई गई थी और इसकी लंबाई लगभग 40 मीटर थी। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा के लिए फेरी में 250 लाइफ जैकेट, दो लाइफबोट और छह फुलाने वाली लाइफ राफ्ट मौजूद थीं। इसके बावजूद हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। प्रधानमंत्री खुद कर रहे हैं निगरानी गुयाना के प्रधानमंत्री मार्क फिलिप्स खुद इस पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को तेजी से राहत और बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जिस पोर्ट कैतूमा के लिए फेरी जा रही थी, वह एस्सेक्विबो क्षेत्र में स्थित है, जो लंबे समय से गुयाना और वेनेजुएला के बीच विवाद का केंद्र रहा है। फिलहाल प्रशासन का पूरा ध्यान लापता लोगों को जल्द से जल्द खोजने और हादसे की वजह का पता लगाने पर है।

पेरू में कुदरत का कहर: एंडीज इलाके में जोरदार भूकंप से मची तबाही, 5 की मौत, कई घर मलबे में तब्दील

लीमा, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश पेरू के एंडीज पर्वतीय क्षेत्र में शनिवार रात आए जोरदार भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। रिक्टर स्केल पर 5.5 की तीव्रता वाले इस भूकंप के कारण कम से कम पांच लोगों की जान चली गई है, जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा ने 300 से अधिक लोगों को उनके घर से बेघर कर दिया है। प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है और मलबे में दबे लोगों की तलाश की जा रही है।

पुरानी इमारतों को भारी नुकसान : यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक, भूकंप शनिवार रात स्थानीय समयानुसार रात 9:24 बजे आया। इसका केंद्र हुआनकायो प्रांत के सिकाया शहर से लगभग 2 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। जमीन से इसकी गहराई महज 10 किलोमीटर दर्ज की गई, जिसके कारण झटके काफी विनाशकारी महसूस किए गए। कम गहराई पर केंद्र होने की वजह से सतह पर इमारतों को अधिक नुकसान पहुंचा है। भूकंप के कारण सिकाया और आसपास के क्षेत्रों में कई घर मलबे में तब्दील हो गए। पेरू के नेशनल सिविल डिफेंस इंस्टीट्यूट ने बताया कि ढहने वाली इमारतों में स्थानीय चर्च और कॉन्वेंट भी शामिल हैं। सिविल डिफेंस प्रमुख लुइस वास्केज के अनुसार, एंडीज क्षेत्र में घरों के निर्माण के लिए 'एडोब' (कच्ची मिट्टी या मिट्टी की ईंटों) का व्यापक उपयोग किया जाता है। यही कारण है कि झटके लगते ही मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गए, जिससे जान-माल का नुकसान बढ़ गया।

खुले आसमान के नीचे रात बिताने को मजबूर लोग : स्थानीय मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में विनाश का मंजर साफ देखा जा सकता है। चोंगो बाजो जैसे प्रभावित इलाकों में लोग कड़ाके की ठंड के बीच अपने टूटे हुए घरों के बाहर कंबल ओढ़कर बैठने को मजबूर हैं। एक स्थानीय महिला, हर्मेनेगिल्डा गुआमालाटो ने अपना दुख शेयर करते हुए बताया कि उनका घर पूरी तरह नष्ट हो चुका है और अब वह अपने तीन बच्चों के साथ पड़ोसी प्रांत में ठिकाने की तलाश में हैं। मलबे के नीचे कई पालतू जानवरों के दबे होने की भी खबरें सामने आई हैं।

प्रशांत महासागर का 'रिंग ऑफ फायर' : पेरू भौगोलिक दृष्टि से प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में आता है, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की सक्रियता के कारण भूकंप का खतरा हमेशा बना रहता है। इससे पहले साल 2007 में पेरू के पिस्को प्रांत में 7.9 तीव्रता का भीषण भूकंप आया था, जिसमें लगभग 600 लोगों की मौत हुई थी। वर्तमान में, अधिकारी लापता लोगों की सटीक संख्या का पता लगाने में जुटे हैं और प्रभावित परिवारों को आपातकालीन सहायता पहुंचाई जा रही है।

ये स्पेन नहीं, अमेरिका की जीत है... ट्रंप के बयान से मची हलचल, अगले वर्ल्ड कप पर कही ये बात

न्यू जर्सी, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का रविवार को भव्य समापन हो गया। न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए ऐतिहासिक फाइनल मुकाबले में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से मात देकर विश्व विजेता का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस जीत के साथ ही स्पेन ने 16 साल बाद दोबारा फुटबॉल के इस महाकुंभ पर कब्जा जमाया है। मुकाबला इतना कड़ा था कि निर्धारित समय तक दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकीं, जिसके बाद मैच एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा।

फेरान टोरेस का ऐतिहासिक विजयी गोल : मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच जबरदस्त खेल देखने को मिला। खेल के 106वें मिनट में वह क्षण आया जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी फेरान टोरेस ने निको विलियम्स के शानदार पास को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई, जो खिताबी जीत साबित हुई।

यह अमेरिका की बड़ी जीत है : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विशेष रूप से राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर 'मरीन वन' से फाइनल मैच देखने पहुंचे थे। उन्होंने फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फेंटिनो के साथ मिलकर विजेता टीम स्पेन को वर्ल्ड कप ट्रॉफी सौंपी। भले ही खिताब स्पेन के नाम रहा, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे अमेरिका की एक बड़ी सफलता और जीत करार दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह साबित हो गया कि अमेरिका भी एक फुटबॉल प्रेमी देश है और इस सफल आयोजन ने पूरी दुनिया को एक साथ लाने का काम किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप इस टूर्नामेंट की मेजबानी और इससे मिले अंतरराष्ट्रीय प्यार से इतने प्रभावित हैं कि उन्होंने फीफा अध्यक्ष को अगला वर्ल्ड कप भी जल्द से जल्द फिर से अमेरिका में कराने का सुझाव दे डाला है। गौरतलब है कि इस बार वर्ल्ड कप की संयुक्त मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको ने की थी। शुरुआत में सख्त वीजा नियमों और कुछ विशेष देशों के प्रशंसकों पर पाबंदियों के कारण अमेरिकी प्रशासन को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था, लेकिन फाइनल के सफल समापन ने ट्रंप के आत्मविश्वास को बढ़ा दिया है। टूर्नामेंट के अन्य बड़े पुरस्कारों की बात करें तो, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट' जीतकर इतिहास रचा, जबकि स्पेन के उनाई सिमोन को 'गोल्डन ग्लव' से नवाजा गया।

यूक्रेन पर रूस का चौतरफा वार! 41 मिसाइलों और 125 ड्रोनों ने राजधानी कीव में मचाई भारी तबाही, लोगों की मौत

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने एक बार फिर भीषण रूप ले लिया है। रविवार तड़के रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव सहित कई प्रमुख शहरों पर बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोनों और गाइडेड बमों से चौतरफा हमला बोला। इस सैन्य कार्रवाई में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस हमले ने यूक्रेन की सुरक्षा व्यवस्था, विशेष रूप से अमेरिका निर्मित पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम की सीमाओं को उजागर कर दिया है, जो रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में संघर्ष करता नजर आया।

41 मिसाइलें और 125 ड्रोनों से हमला

यूक्रेनी वायु सेना के मुताबिक, रूस ने रविवार रात करीब 1:30 बजे अपना ऑपरेशन शुरू किया, जो कई घंटों तक चला। मॉस्को ने पूरे यूक्रेन में 41 मिसाइलें और 125 ड्रोन दागे। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने पुष्टि की कि इनमें से अधिकांश का निशाना राजधानी कीव थी।

कई शहरों में तबाही : राजधानी के अलावा, यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्कीव के पास एक डाक केंद्र पर हुए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा, खेरसॉन और सुमी शहरों को भी रूसी गाइडेड बमों ने निशाना बनाया, जहां जनहानि की खबरें हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, अब रूसी हमले पहले के मुकाबले कहीं अधिक बार हो रहे हैं, जिससे नागरिकों में मानसिक तनाव और डर का माहौल है।

यूक्रेन ने किया पलटवार : रूस के इस हमले के जवाब में यूक्रेन ने भी रूसी ऊर्जा बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने घोषणा की कि यूक्रेनी यूनिट्स ने स्टावरोपोल इलाके के तीन तेल डिपो और ब्लैक सी में मौजूद रूसी टैंकरों पर हमले किए हैं। दूसरी ओर, रूस के रक्षा मंत्रालय का दावा है कि उन्होंने रात भर में यूक्रेन के 140 ड्रोनों को मार गिराया है। रूस ने यह भी कहा कि उनके हमले केवल सैन्य उद्देश्यों और ड्रोन निर्माण इकाइयों तक सीमित थे।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कीव की सुरक्षा मजबूत करने के लिए यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल सिस्टम बनाने का लाइसेंस देने की बात कही है, हालांकि इसकी समयसीमा अभी स्पष्ट नहीं है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह बात साफ हो गई है कि दोनों देशों के बीच संघर्ष अब तेल उद्योग और ऊर्जा संसाधनों को नष्ट करने की ओर मुड़ गया है।

हम अपने दांतों को साफ क्यो करते हैं, इसीलिए न की हमारे दांत सही और तंदुरुस्त और चमकदार बने रहें, ताकि हम जो भी खाएं दांतों के द्वारा सही ढंग से चबाया जा सके और हमारी पांचन क्रिया सही बनी रहे। पर आपको यह जान कर हैरानी होगी कि दांतों को साफ करने वाले टूथपेस्ट आपको बीमारी दे सकते हैं। टूथपेस्ट बनाने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल आपके दांतों के साथ शरीर के अंगों को भी नुक्सान पंहुचा सकते हैं। जब आप टूथपेस्ट से ब्रश करते हैं तो उसमें मौजूद केमिकल मुंह की कैविटी के जरिए आपके शरीर में चले जाते हैं।

टूथपेस्ट में होते हैं हानिकारक केमिकल

- टूथपेस्ट बनाने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल आपके दांतों को नुक्सान पंहुचा सकते हैं
- इसमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स मुंह के जरिए खून में जाकर शरीर के अंगों को नुक्सान पंहुचा सकते हैं
- जब आप टूथपेस्ट से ब्रश करते हैं तो उसमें मौजूद केमिकल मुंह की कैविटी के जरिए आपके शरीर में चले जाते हैं
- 'डीएथलोमिन' नाम के केमिकल से लीवर कैंसर, किडनी कैंसर और हार्मोनल इम्बैलेंस हो सकता है

1. लीवर और गुर्दे का कैंसर : टूथपेस्ट में ''डीएथलोमिन' नाम का केमिकल पाया जाता है जिससे टूथपेस्ट में झाग बनता है। इस केमिकल से लीवर कैंसर, किडनी कैंसर और हार्मोनल इम्बैलेंस हो सकता है। जिसके बाद केमिकल आपके खून में जमा होने लगते हैं जो लंबे समय के बाद आपको गंभीर बीमारी दे सकता है।

2. थायराइड : बाजार में मिलने वाले टूथपेस्ट में ट्रिक्लोसन नाम का जर्म किलर केमिकल पाया जाता है जिसे पहले पेस्टसाइड की तरह इस्तेमाल किया जाता था। अध्यन से पता चला है कि यह केमिकल थायराइड, हृदय की समस्या और कैंसर जैसे रोगों को जन्म दे सकता है।

3. दिमाग, किडनी और हृदय की समस्या : कुछ टूथपेस्ट में पॉलीथीन ग्लाइकोल्स (पॉलीथीन) नाम का पदार्थ पाया जाता है जो और कुछ नहीं प्लास्टिक होती है। यह केमिकल आपके शरीर के लिए जहर की तरह है जो आपके दिमाग, किडनी और हृदय को नुकसान पहुंचा सकता है।

4. बच्चों में बुद्धि की कमी : टूथपेस्ट में फ्लोराइड नाम का केमिकल पाया जाता है जो आपके मसूड़ों को नुक्सान पंहुचा सकता है साथ ही बच्चों के दिमाग को भी कमजोर करता है। गर्भवती महिलाएं अगर इसका इस्तेमाल करती हैं तो उन्हें थायरॉयड, हड्डियों की परेशानी, पेट की समस्या और कैंसर हो सकता है।

5. मुंह का अल्सर और हार्मोनल इम्बैलेंस : टूथपेस्ट में एक ऐसा पदार्थ मिलाया जाता है जो साबुन की तरह काम करता है जिसे सोडियम सल्फेट कहा जाता है। इससे मुंह का अल्सर, त्वचा में इरिटेशन और हार्मोनल इम्बैलेंस हो सकता है।

6. मधुमेह और वजन बढ़ना : टूथपेस्ट में एस्पार्टेम (आर्टफिशल शुगर) पाई जाती है। इस जीरो कैलोरी शुगर से मधुमेह और मोटापे का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही इससे ब्रेन ट्यूमर सहित कई अन्य बीमारियां भी होती हैं।

अंडरगारमेंट जो करेगा कूल्हे की चोट से रक्षा

- दरअसल यह एक डिवाइस है जिसे अंडरगारमेंट में फिट किया गया है, यह डिवाइस हिप एरिया पर स्थित फीमर बोन की सुरक्षा करेगा
- यह डिवाइस पूरी तरह से कॉटन से तैयार की गई है
- माइक्रो सेल्यूलर इंजेक्शन के साथ इसमें प्लास्टिक फोम का भी प्रयोग किया गया है, यह डिवाइस काफी लचीली भी है

नई दिल्ली। आजकल वृद्धों में कूल्हे की चोट काफी आम बात सी हो गई है। जरा सा भी गिरने पर आपके घर में मौजूद किसी भी वद्ध को कूल्हे पर गंभीर चोट लग जाती है। अब आईआईटी के छात्रों ने एक ऐसा अंडरगारमेंट तैयार किया है जो वृद्ध लोगों को इस तरह की चोट से बचाएगा। जल्द ही आप इसे ऑनलाइन भी खरीद सकेंगे।

दरअसल यह एक डिवाइस है जिसे अंडरगारमेंट में फिट किया गया है। यह डिवाइस हिप एरिया पर स्थित फेमुर बोन की सुरक्षा करेगा। आईआईटी दिल्ली के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स ने इस डिवाइस को तैयार किया है। आईआईटी के प्रोफेसर नरेश भटनागर ने इस डिवाइस के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह डिवाइस पूरी तरह से कॉटन से तैयार की गई है। माइक्रो सेल्यूलर इंजेक्शन के साथ इसमें प्लास्टिक फोम का भी प्रयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि यह डिवाइस काफी लचीली भी है।

कैसे बचाता है चोट से प्रोफेसर नरेश के मुताबिक, गिरने पर यह डिवाइस हिप एरिया के आसपास मौजूद टिश्यूज पर पड़ने वाले दबाव को कम करती है। इसकी वजह से कोई भी चोट या फिर घाव नहीं होता है। इसका आकार काफी छोटा है, वजन भी कम है और इसकी डिजाइन भी काफी सुविधाजनक है। ऐसे में अगर आप चाहें तो इस डिवाइस को आसानी से अपने साथ कैरी कर सकेंगे। प्रो. भटनागर ने जानकारी दी कि जल्द ही यह डिवाइस फ्लिपकार्ट पर 1,000 रु पए से भी कम कीमत पर लोगों के लिए मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि अमेरिका में इसी तरह की एक डिवाइस है जिसकी कीमत 100 अमेरिकी डॉलर है लेकिन भारत में यह काफी सस्ती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अत:आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

लॉफिंग ज़ोन

एक टीवी सेल्समैन एक गृहिणी को अपनी कंपनी के नये कलर टीवी की विशेषताएं बता रहा था. यह दिखाने के लिए कि रिमोट कंट्रोल कितना शक्तिशाली है, वह रंगीन टीवी को बैठक में छोड़कर रसोईघर में गया और वहीं से टीवी का चैनल बदलकर दिखाया.

एक माह बाद वह फिर पहुंचा और उस गृहिणी से टीवी के बारे में पूछा.

गृहिणी ने कहा, 'टीवी तो अच्छा है पर चैनल बदलने के लिए हर बार मुझे रसोईघर में जाना पड़ता है.'

☺ ☺ ☺

वकील साहब (मुजरिम से)- 'क्या यह सही है कि तुमने दस हजार रुपये के साथ-साथ गहने भी चुराए हैं?'

मुजरिम (वकील से)- हां साहब. मेरी मां का कहना है कि केवल रुपये से ही खुशी नहीं मिल सकती.'

☺ ☺ ☺

मालिक (नौकर से)- 'इन सारे मच्छरों को मार दो.'

थोड़ी देर बाद मालिक फिर गुस्से से बोला, 'तुमने इनको मारा नहीं इनकी भिनभिनाहट सुनकर मेरे कान पक गए हैं.'

नौकर (मालिक से)- साहब जी, 'मच्छरों को तो मैंने कभी का मार दिया. ये तो उनकी विधवाएं हैं जो उनकी याद में विलाप कर रही हैं.'

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली 5018

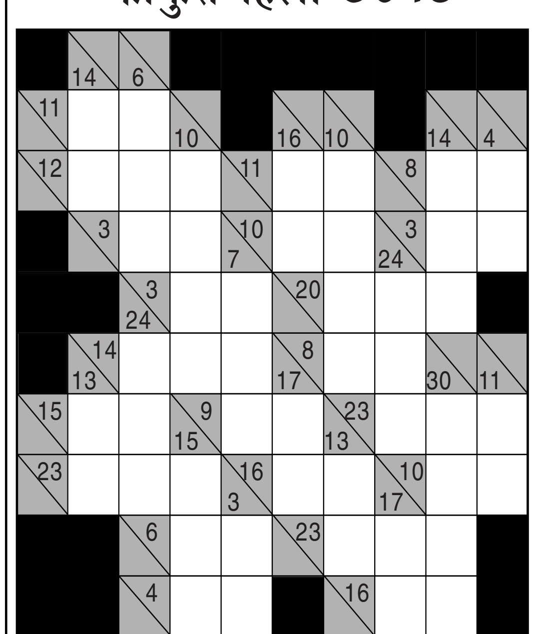

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

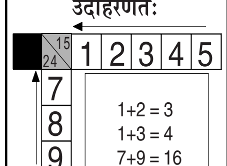

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो 5017 का हल

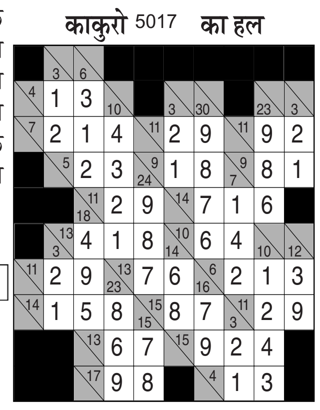

फिल्म वर्ग पहेली-5018

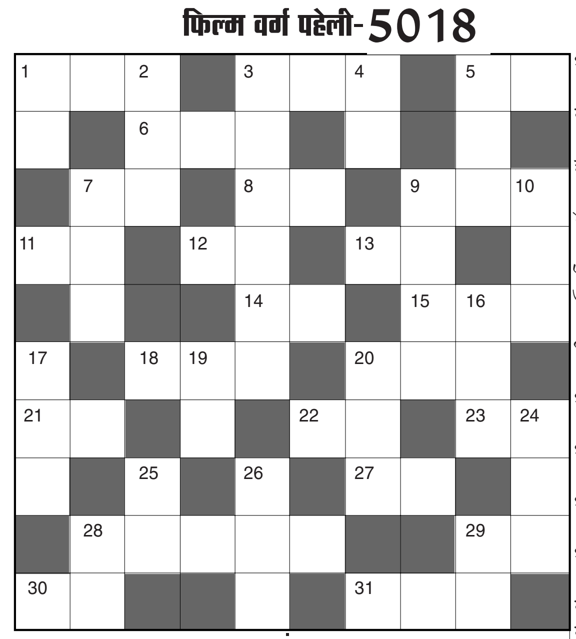

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मौं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१.'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5017

स्व	दे	श		स	ड़	क		आ	ह
र्ग		श	हु	ल		स	र	ग	म
	बॉ	बी		मा	लि	क			जो
अ	क्स		डॉ	न			जं	ग	ली
ध	र	ती		खा	मो	शी		र्व	
र्म		स		न		बा	जी		का
	क	री	ना		प		त	ला	श
स		क		सू	र	ज		वा	
प	ड़ो	स	न		वा		बा	रि	श
ने		म		गु	ना	ह		स	

सूडोकु 5018

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 5017 हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 5018

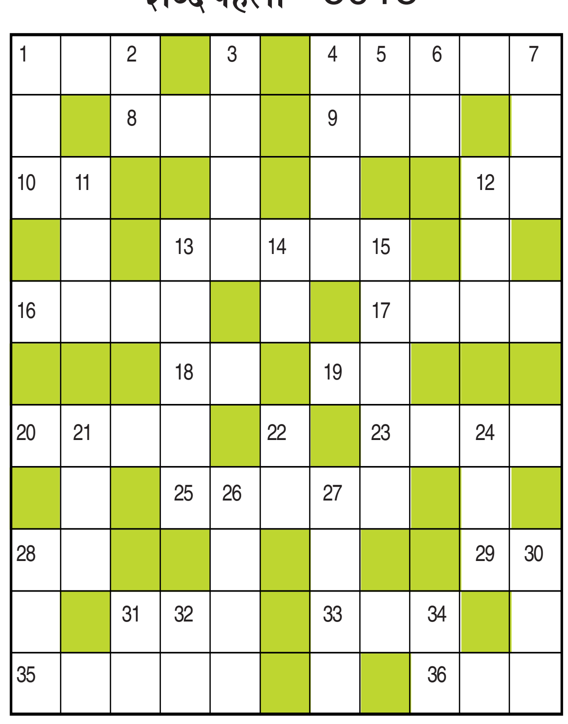

बाएँ से दाएँ

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली 5017 का हल

म	न	मो	ह	न		र	वा	ना	हो	ना
न		म	क	र		त	ल	ना		का
मो	ह			गि		ज			क	म
ह	म		आ	स	ल	गा	ना		मा	या
क	ल	र	व		क्ष्य		म	त	ल	ब
			भ	ला		जो	र			
ज	ग	म	ग		मौ		ख	चा	ख	च
मी	ल		त	म	त	मा	ना		र	म
न	त			हा		ल			ल	क
दा		म	चा	न		खा	रि	श		दा
र	म	णी	य	ता		ना	ट	क	का	र

सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर अभ्यास जरूरीः प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को निरंतर अभ्यास के माध्यम से सफलता प्राप्त करने में एकाग्रता तथा इच्छाशक्ति के महत्व को दर्शाने वाला संस्कृत सुभाषितम् साझा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, 'एकाग्रताथ सङ्कल्पः स्नायुवद् वर्द्धनक्षमौ। नित्याभ्यासप्रयोगाभ्यामधिकाधिकमृध्यतः॥ इसका अर्थ है, एकाग्रता और संकल्प हमारे स्नायु तंत्र की भांति हैं। नियमित अभ्यास और सही प्रयासों से इन्हें विकसित और सशक्त बनाया जा सकता है। समय के साथ, ये दोनों और अधिक दृढ़ तथा प्रभावशाली बनते जाते हैं।

जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर आतंकियों की बड़ी साजिश नाकाम, गोला बारूद का बड़ा जखीरा बरामद

बारामुला। जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर आतंकियों की बड़ी साजिश को नाकाम किया गया है। बञ्जुसरामूला जिले के कांडी वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया दौरान आतंकियों के छिपाए गई युद्ध सामग्री (वार-लाइक स्टोर्स) का बड़ा जखीरा बरामद किया। इस प्रकार एक संभावित आतंकी साजिश को सुरक्षाबलों द्वारा नाकाम किया कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि यह संयुक्त अभियान 20 जुलाई को बारामूला पुलिस को मिली खुफिया सूचना के बाद शुरू किया गया। अभियान में भारतीय सेना की 52 राष्ट्रीय राइफल्स (आर आर), बारामूला पुलिस, सीआरपीएफ की 53वीं बटालियन तथा एसएसबी ने संयुक्त रूप से भाग लिया। तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने जंगल में छिपाकर रखी गई 2 इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), 2 पिस्तौल तथा 7.62 मिमी के 530 जिंदा कारतूस बरामद किए। सुरक्षा एजेंसियों ने बताया कि इस सफल ऑपरेशन से क्षेत्र में संभावित आतंकी गतिविधियों की एक बड़ी साजिश को विफल करने में मदद मिली है। बरामद सामग्री को लेकर आगे की जांच व कानूनी कार्रवाई जारी है।

भारत-बेनिन ने चुनाव प्रबंधन व निर्वाचन कर्मियों के प्रशिक्षण में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं इंटरनेशनल आइडिया की काउंसिल ऑफ मेंबर स्टेट्स के अध्यक्ष ज्ञानेश कुमार ने भारत में अफ्रीकी देश बेनिन के राजदूत एरिक जीन-मैरी जिन्सू से मुलाकात कर चुनाव प्रबंधन और निर्वाचन कर्मियों के प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। निर्वाचन सदन में हुई इस बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने वर्ष 2026 में आयोजित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल मैनेजमेंट (आईआईसीडीईएम) के दौरान तय किए गए सहयोग के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। बैठक में चुनाव प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ बनाने, निर्वाचन प्रक्रिया में सर्वोत्तम अनुभवों के आदान-प्रदान और चुनावी कर्मियों के प्रशिक्षण के क्षेत्र में आपसी

सहयोग को और विस्तार देने पर भी सहमति बनी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और बेनिन के राजदूत ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने तथा चुनावी प्रक्रियाओं में क्षमता निर्माण के लिए दोनों देशों के बीच सहयोग जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

मप्र के भोपाल में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 पर 21-22 जुलाई को राष्ट्रीय कार्यशाला छुट्टियांव मौसमी आयोजन

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य खाद्य आयोग एवं मध्य प्रदेश राज्य नीति आयोग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 : प्रगति, चुनौतियां और भविष्य की दिशा विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 21 एवं 22 जुलाई 2026 को भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा। जनसंपर्क अधिकारी राजेश पाण्डेय ने बताया कि प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। कार्यशाला में नीति आयोग, भारत सरकार के पूर्व सदस्य प्रो. राजेश चंद्र, मध्यप्रदेश राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष प्रो. वीरेन्द्र कुमार मल्होत्रा, खाद्य विभाग की अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी तथा मध्यप्रदेश राज्य खाद्य आयोग के सदस्य सचिव श्रीमन शुक्ला भी विचार व्यक्त करेंगें। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए उपलब्धियों, चुनौतियों तथा भविष्य की रणनीति पर व्यापक विचार-विमर्श करना है। विभिन्न तकनीकी सत्रों में खाद्य सुरक्षा, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, पोषण सुरक्षा, हितग्राहियों तक योजनाओं की प्रभावी पहुंच तथा अधिनियम के बेहतर क्रियान्वयन से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे।

भारत-मोल्दोवा के बीच कृषि, स्वास्थ्य, एआई समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपनी तीन देशों की राजकीय यात्रा के पहले चरण में मोल्दोवा की राजधानी चिशिनाउ में राष्ट्रपति माया सैंडू के साथ द्विपक्षीय और शिष्टमंडल स्तर की वार्ता की। दोनों नेताओं ने कृषि, स्वास्थ्य, औषधि, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), नवाचार, लॉजिस्टिक्स और आधारभूत ढांचे सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मु रविवार को चिशिनाउ पहुंचीं। उनके साथ केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया, राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा और लोकसभा सदस्य विजय बघेल भी हैं। चिशिनाउ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मोल्दोवा के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मिहाई पोपशोई ने उनका स्वागत किया।

बाद में राष्ट्रपति मुर्मु मोल्दोवा के राष्ट्रपति भवन पहुंचीं, जहां मोल्दोवा की राष्ट्रपति माया सैंडू ने उनका औपचारिक स्वागत किया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच एकांत वार्ता और शिष्टमंडल स्तर की बातचीत हुई, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के सभी प्रमुख पहलुओं पर व्यापक और भविष्य उन्मुख चर्चा की गई। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि किसी भारतीय राष्ट्रपति की पहली राजकीय मोल्दोवा यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में ऐतिहासिक मील का पत्थर है। यह भारत और मोल्दोवा के बीच बढ़ती मित्रता तथा आपसी विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भौगोलिक दूरी के बावजूद दोनों देशों के बीच पिछले तीन दशकों से सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं और शांति, विकास तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के साझा मूल्यों ने इस साझेदारी को निरंतर मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक सहयोग दोनों देशों की साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार है। व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने, आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक सुदृढ़ बनाने, संपर्क बढ़ाने तथा दोनों देशों के कारोबारी समुदायों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।राष्ट्रपति मुर्मु ने मोल्दोवा के पेशेवरों के लिए भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण सीटों की संख्या दोगुनी करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इसमें एआई और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े विशेष पाठ्यक्रम भी शामिल होंगे। उन्होंने मोल्दोवा के राजनयिकों को भारत के विदेश सेवा संस्थान में एआई और साइबर कूटनीति पर विशेष पाठ्यक्रमों में भाग लेने का भी आमंत्रण दिया।

इसी सत्र में कानून का रूप लेगा समान नागरिक संहिता विधेयक, इससे सभी का होगा भलाः मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश की धरती पर राम, रहीम, रविन्दर और रॉबिन सभी के लिए एक कानून की बात कही जा रही है। इस संबंध में विधानसभा के पटल पर समान नागरिक संहिता विधेयक प्रस्तुत हुआ है, जो इसी (वर्षाकालीन) सत्र में कानून का रूप लेगा। समान नागरिक संहिता से सभी का भला सुनिश्चित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव विधानसभा में मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल ने इसे 19 जुलाई को स्वीकृति दी थी। उम्मीद है, भविष्य में इसके लाभ से सभी को लाभान्वित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समान नागरिक संहिता का लाभ सभी नागरिकों को प्राप्त होगा। सर्वाधिक लाभ मुस्लिम बहनों को होने वाला है। एक राष्ट्र, एक प्रधान, एक विधान और एक व्यवस्था के सिद्धांत पर कार्य हो रहा है। विवाह विच्छेद के बिना दूसरा विवाह नहीं किया जा सकेगा। इस संबंध में प्रदेश में उच्च स्तरीय समिति के गठन और पूरे प्रदेश में विचार- विमर्श करने के साथ ही सभी समुदायों के नागरिकों से सुझाव प्राप्त किए गए। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं का समर्थन मिला था। प्रदेश की बेहतरी के लिए विपक्ष सहित सभी वर्गों और पक्षों से सहयोग और एकजुटता की आशा की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदशन में मध्य प्रदेश एक नया रिकार्ड बनाने जा रहा है। ह्यक्त ञ्रस्ड्डक्क

'चलो संसद' मार्च हिंसकः 120 से अधिक पुलिसकर्मी घायल, 60 से ज्यादा प्रदर्शनकारी भी जख्मी, 70 हिरासत में

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 'चलो संसद' मार्च के दौरान नई दिल्ली में प्रदर्शन हिंसक हो गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए पुलिस बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया, पथराव किया, सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ की और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर हमला किया। पूरे घटनाक्रम में 120 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जबकि 60 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों के भी घायल होने की सूचना है। पुलिस ने करीब 70 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है और मामले में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कई बार प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण तरीके से हटने और लागू निषेधाज्ञा का पालन करने की अपील की, लेकिन भीड़ ने निर्देशों की अनदेखी की। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की, पुलिस पर पथराव किया और सरकारी वाहनों समेत सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। इससे संसद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर स्थिति पैदा हो गई। पुलिस के अनुसार, हिंसा में स्पेशल पुलिस आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), अतिरिक्त डीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारी भी घायल हुए हैं। कई महिला

पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई हैं। घायलों का मेडिकल परीक्षण (एमएलसी) कराया जा रहा है और कुछ पुलिसकर्मियों का परीक्षण अभी जारी है। हिंसक भीड़ ने 15 से 20 सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ की। इसके अलावा अन्य सरकारी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर आरोपियों की पहचान शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि अब तक करीब 70 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अन्य संबंधित कानूनों के तहत दंगा, लोक सेवकों पर हमला, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है और हिंसा में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने कहा कि राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है और हिंसा या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं प्रदर्शन खत्म नहीं हुआ है। पूरे दिन चले ऐक्शन के बाद दोबारा कॉकरोच पार्टी धरने में बैठ गई। दीपके का कहना है कि मांग जब तक पूरी नहीं होती तब तक प्रदर्शन खत्म नहीं होगा।

संसद में हो नीट पर विस्तृत चर्चा, फ्लोर लीडर्स की बात सुनकर गृह मंत्री अमित शाह दें जवाब : खड़गे

एजेंसी

नई दिल्ली। नीट और सीबीएसई परीक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर छात्रों के विरोध प्रदर्शन पर सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने संसद में इस मुद्दे को उठाते हुए सरकार से चर्चा कराने और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है और शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि विपक्ष इस मुद्दे पर संसद में विस्तृत चर्चा चाहता है। चर्चा के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन में बयान दें और अन्य फ्लोर लीडर्स को भी अपनी बात रखने का अवसर दिया जाए। खड़गे ने आरोप लगाया कि सरकार का रवैया लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने वाला है। मैंने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में सरकार का ऐसा तरीका पहले कभी नहीं देखा।

कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने भी नीट और सीबीएसई परीक्षा से जुड़े मामलों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देशभर से छात्र अपनी समस्याओं को लेकर राजधानी दिल्ली पहुंचे थे और उनकी मांगें जायज थीं। छात्रों के शांतिपूर्ण विरोध को रोकने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग का इस्तेमाल किया।

वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस ने संसद में स्थगन प्रस्ताव दिया है, जिसमें प्रदर्शन के दौरान हुए लाठीचार्ज की निंदा, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और नीट व सीबीएसई परीक्षा से जुड़े कथित पेपर लीक मामलों में स्पष्ट कार्रवाई की मांग की गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि छात्रों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया गया और प्रदर्शनकारियों का अपराध क्या था।

उन्होंने सरकार पर छात्र विरोधी और युवा विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश के छात्र अपने भविष्य से जुड़े गंभीर सवाल उठा रहे हैं। सरकार को उनकी समस्याओं पर संवेदनशीलता के साथ विचार करना चाहिए और जवाबदेही तय करनी चाहिए।

कांग्रेस सांसद उम्मेदा राम बेनीवाल ने भी सरकार पर सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि छात्रों की मांगें जायज हैं और उन पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी स्थिति पर अड़ी हुई है, जिससे सदन का समय खराब हो रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दलों ने भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरा। आरएसपी सांसद एन.के. प्रेमचंद्रन ने कहा कि हालात से स्पष्ट है कि सरकार युवाओं की आवाज और विरोध प्रदर्शनों को दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि छात्र लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें उठा रहे थे और परीक्षा में कथित अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

पाकिस्तान को भारत की दो टूक, सिंधु जल संधि अब पुराने रूप में नहीं लौटेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान द्वारा कनाडा से मध्यस्थता की कोशिशों के बीच भारत ने स्पष्ट किया है कि 1960 की सिंधु जल संधि, अपने निवर्तमान रूप में पुनः क्रियान्वित नहीं होगी। भारत सरकार की नीति से परिचित सूत्रों ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा, अपने वर्तमान रूप में सिंधु जल संधि फिर से काम नहीं करेगी। और यह कि इस संधि में रहना भारत के हित में नहीं है। उन्होंने समझौते को मृतप्राय बताते हुए कहा, भारत ने यह संधि नुकसान उठा कर भी सद्भावना और मैत्री की भावना से की थी लेकिन चार दशकों से सीमापार आतंकवाद को राज्य की नीति के रूप में निर्लज्जता से बढ़ा कर पाकिस्तान ने संधि में वर्णित सद्भावना का उल्लंघन किया है। संधि की नींव को ध्वस्त कर दिया गया है। इतिहास भारत का कहना है कि जहां उसने युद्धों के दौरान भी छह दशकों से अधिक समय तक संधि का सम्मान किया, वहीं पाकिस्तान के निरंतर सीमा पार आतंकवाद (संसद, मुंबई, उरी, पुलवामा और पहलगाम पर हमलों सहित) ने संधि के लिए आवश्यक आपसी विश्वास और पारस्परिकता को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है।भारत ने पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवादियों द्वारा पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद 2025 में संधि को निलंबित कर दिया था। 2025 से पहले के ढांचे पर वापसी अब संभव नहीं है।

सूत्रों ने कहा कि मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत, आतंकवाद का उपयोग राज्य की नीति के रूप में प्रयोग खुद ही एक उल्लंघन है। भविष्य का कोई भी समझौता, यदि बातचीत की जाती है, तो आज की वास्तविकताओं जैसे जलवायु परिवर्तन, ग्लेशियर रिट्रीट, स्थानांतरण जल विज्ञान, बढ़ती मांग, नई तकनीक और सुरक्षा चिंताओं को प्रतिबिंबित करेगा। विश्व बैंक की मध्यस्थता की गई संधि ने लंबे समय से सिंधु प्रणाली के पानी को आवंटित किया है, जिससे पाकिस्तान को तीन पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा मिला है, जबकि भारत को पूर्वी नदियों (रवी, ब्यास, सतलुज) के सीमित उपयोग की अनुमति दी गई है। लेकिन भारत का कहना है कि यह व्यवस्था एकतरफा है और दशकों के बाद आज के समय में पूरी तरह से अव्यावहारिक है।

सूत्रों ने कहा, पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे पर अपना समर्थन विश्वसनीय रूप से छोड़ने की जरूरत है। इस मुद्दे पर कोई भी रचनात्मक कदम पूरी तरह से पाकिस्तान की कार्रवाइयों पर निर्भर करता है। उन्होंने अभी भी सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखाई देने वाले और पाकिस्तान के अंदर भारत के विरुद्ध संदेशों का प्रचार करने वाले स्वीकृत व्यक्तियों की ओर इशारा करते हुए कहा, पाकिस्तान की सरकार द्वारा इस बारे में कोई विश्वसनीय कदम नहीं उठाए गए हैं।

एक सवाल के जवाब में सूत्रों ने स्पष्ट किया कि संधि के स्थगित होने से स्थायी सिंधु आयोग की बैठकें, दौरे, निरीक्षण, डेटा का आदान-प्रदान और 'तटस्थ विशेषज्ञ' जैसी विवाद समाधान प्रक्रियाओं में भागीदारी सहित सभी संस्थागत तंत्र पूरी तरह से निष्क्रिय हो गए हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत बाढ़ के आंकड़ों को साझा करेगा, सूत्रों ने कहा कि यह पिछले साल की तरह इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग के माध्यम से भी होता रहेगा। इस बीच, भारत का कहना है कि वह सिंधु जल के पूर्ण उपयोग के साथ आगे बढ़ रहा है।

संजय राउत ने केंद्र पर साधा निशाना, कहा-यह सरकार केवल अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए काम कर रही

एजेंसी

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने किसानों के दिल्ली मार्च, शिवसेना (यूबीटी) सांसदों के शिवसेना में विलय और नीट पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सरकार पर किसानों, युवाओं और शिक्षा व्यवस्था की अनदेखी करने का आरोप लगाया। किसानों के दिल्ली मार्च पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय राउत ने कहा कि यह सरकार किसान विरोधी और मजदूर विरोधी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए काम कर रही है और उसे न किसानों की चिंता है और न ही युवाओं की। जब खासकर पंजाब के किसान दिल्ली पहुंचेंगे, तब यह सरकार संसद से भागने पर मजबूर हो जाएगी। शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के आधिकारिक तौर पर शिवसेना में विलय को मंजूरी मिलने पर भी संजय राउत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये सांसद 'बागी नहीं बल्कि गद्दार हैं।' उन्होंने कहा, 'भगत सिंह और सुखदेव जैसे क्रांतिकारी बागी थे। सड़कों पर उतरे छात्र भी बागी थे लेकिन जो पैसे लेकर बिक गए, वे गद्दार हैं पर बागी नहीं। अगर हमारे छह सांसद उनके साथ चले गए हैं, तो वे गद्दार हैं। वे 'मंगल मिलन' में शामिल हो रहे हैं। अगर वे किसी असली संघर्ष में शामिल होते, तो मैं उन्हें स्वीकार करता।' नीट पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे पर भी संजय राउत ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर बड़ा प्रदर्शन हुआ था। उन्होंने बताया कि सोनम वांगचुक ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन अनशन शुरू की।

भारी बारिश में धंसा देहरादून-मसूरी मार्ग, अग्रिम आदेशों तक बंद

एजेंसी

मसूरी। लगातार हो रही बारिश के बीच मसूरी-देहरादून मुख्य मार्ग पर पानी वाले बैंड के पास हुए भारी भूस्खलन और सड़क धंसने के बाद जिला प्रशासन ने मार्ग को अग्रिम आदेशों तक बंद कर दिया है। जिला प्रशासन के अनुसार सड़क का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त होने से किसी भी समय और भू-धंसाव की आशंका के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। फिलहाल मसूरी आने-जाने के लिए किमाड़ी मार्ग का उपयोग किया जा रहा है। हुई तेज बारिश के दौरान पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर आने से सड़क के नीचे का हिस्सा कट गया और सड़क में बड़ी दरारें पड़ गईं। पहले सीमित रूप से वन-वे व्यवस्था के तहत यातायात संचालित किया जा रहा था, लेकिन स्थिति लगातार बिगड़ने पर प्रशासन ने सुरक्षा के दृष्टिगत मार्ग पर सभी प्रकार की आवाजाही पर रोक लगा दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्ष 2025 की आपदा के बाद इसी स्थान पर सड़क सुरक्षा के लिए लाखों रुपये खर्च कर पुश्ते और सुरक्षात्मक निर्माण कार्य किए गए थे।

पहली ही बड़ी बारिश में सुरक्षा दीवार और सड़क के क्षतिग्रस्त होने से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

नगर पालिका परिषद मसूरी की अध्यक्ष मीरा सकलानी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों से स्थिति की जानकारी ली और राहत एवं सुरक्षा कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

इस बीच पूर्व विधायक जोत सिंह गुनसोला ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि कुछ माह पहले बने निर्माण कार्य का पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त होना गंभीर लापरवाही और संभावित अनियमितताओं की ओर संकेत करता है। उन्होंने दोषी अधिकारियों और संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग भी की।

मौसम विभाग की ओर से आगामी दिनों में और बारिश की संभावना जताए जाने के बीच प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और जारी एडवाइजरी का पालन करने की अपील की है। सड़क की मरम्मत और क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित होने के बाद ही मार्ग पर यातायात बहाल किए जाने का निर्णय लिया जाएगा।

सपा का केंद्र सरकार पर निशाना, कहा-लोकतंत्र में छात्रों की आवाज दबाना गलत, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद परिसर और राजधानी में सीजेपी के विरोध प्रदर्शन को लेकर समाजवादी पार्टी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत कई सांसदों ने युवाओं की मांगों को जायज बताते हुए पुलिस कार्रवाई की निंदा की और सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भाजपा अपने सहयोगियों पर इस्तीफे का दबाव इसलिए नहीं बना पा रही है, क्योंकि उसे डर है कि कहीं दबे हुए राज सामने न आ जाएं।

उन्होंने आरोप लगाया कि आजादी के बाद किसी सरकार ने युवाओं के साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया होगा। लोकतंत्र में छात्रों और युवाओं की आवाज को दबाना स्वीकार्य नहीं है। सपा सांसद डिंपल यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रदर्शन करने पहुंचे युवा सरकार को यह बताना चाहते थे कि उसका सिस्टम बीमार हो चुका है और उनके हितों की रक्षा नहीं कर रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर

लाठीचार्ज किया गया, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह एक निर्मम सरकार है, जिसे युवाओं के आंसुओं पर भी दया नहीं आ रही। डिंपल यादव ने शिक्षा मंत्री को पद से हटाने की मांग दोहराते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार को बदलने का सबसे बड़ा माध्यम वोट है। ᷉ॄसपा सांसद राम गोपाल यादव ने सवाल उठाया कि यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वास्तव में युवाओं के साथ हैं, तो फिर युवा अनशन पर क्यों बैठे हैं। प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा किए गए कथित लाठीचार्ज निंदनीय है। जब छात्र शांतिपूर्ण विरोध कर रहे थे, तो उनको क्यों मारा गया? शांतिपूर्ण विरोध लोकतांत्रिक अधिकार है और इस पर बल प्रयोग उचित नहीं है।

वहीं, सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि देशभर के लाखों बेरोजगार युवा पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर अपनी आवाज उठाने दिल्ली पहुंचे थे, लेकिन उनकी समस्याएं सुनने के बजाय उन पर लाठीचार्ज किया गया।

उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी का जिक्र करते हुए कहा कि इस मामले पर भी चर्चा होनी चाहिए और दोषियों को बचाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए।

सपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने कहा कि भारत लोकतांत्रिक देश है और महात्मा गांधी ने जन आंदोलनों की अहमियत सिखाई है। उनके अनुसार छात्र इसलिए सड़कों पर उतरे, क्योंकि उनकी बात नहीं सुनी जा रही थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने संवेदनशीलता नहीं दिखाई और पूरे मामले को कमजोर करने की कोशिश की। युवाओं की समस्याओं का समाधान संवाद के माध्यम से किया जाए और लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान सुनिश्चित किया जाए।

गोवा में 'नक्शा' परियोजना पर सरकार की सफाई, जमीन और मालिकाना हक पूरी तरह सुरक्षित

एजेंसी

नई दिल्ली। गोवा में चल रही 'नक्शा' पायलट परियोजना को लेकर फैल रही अफवाहों पर ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग ने स्थिति स्पष्ट की है। विभाग ने कहा है कि इस परियोजना से किसी भी व्यक्ति के जमीन के कागजात, मालिकाना हक और जमीन की सीमाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सभी मौजूदा भूमि अभिलेख पूरी तरह सुरक्षित हैं। सरकार के मुताबिक, 'नक्शा' परियोजना राष्ट्रीय डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत शुरू की गई है। इसका उद्देश्य शहरों की जमीन का डिजिटल मानचित्र तैयार करना, भूमि रिकॉर्ड को आधुनिक बनाना और शहरी विकास की योजना को बेहतर करना है। विज्ञप्ति जारी कर विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई जमीन मालिक सर्वे के दौरान मौजूद नहीं है या विदेश में रह रहा है, तब भी उसके कानूनी अधिकार पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। केवल सर्वे के आधार पर कोई पड़ोसी या तीसरा व्यक्ति किसी की जमीन पर दावा नहीं कर सकता। जमीन का स्वामित्व पहले की तरह वैध दस्तावेजों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर ही तय होगा। सरकार

Ministry of Rural Development
Government of India

ने यह भी साफ किया है कि यह परियोजना भूमि अधिग्रहण से जुड़ी नहीं है। इसके तहत न तो निजी जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा और न ही इसका उद्देश्य प्रॉपर्टी टैक्स बढ़ाना है।

केवल जमीन की वर्तमान स्थिति का रिकॉर्ड तैयार करने की प्रक्रिया है। यदि कोई पुराना भूमि विवाद है, तो उसका निपटारा पहले की तरह अदालत या संबंधित प्रशासनिक प्राधिकरण ही करेंगे। भौतिक सर्वेक्षण पूरा होने के बाद 16 जुलाई से 14 अगस्त 2026 तक रिकॉर्ड सत्यापन की प्रक्रिया चलेगी। इस दौरान संपत्ति मालिक अपने स्वामित्व संबंधी दस्तावेजों के साथ संबंधित सर्वे एवं भूमि अभिलेख कार्यालय में जाकर रिकॉर्ड की जांच करवा सकेंगे। सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर विश्वास न करें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

इंग्लैंड से हार के बाद शुभमन के निशाने पर आये कोच गंभीर और चयनकर्ता

-बढ़ सकती हैं गंभीर से दूरियां

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद जिस प्रकार से खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर नाराजगी जताई है। उससे शुभमन ने एक प्रकार से चयनकर्ताओं और कोच पर निशाना साधा है। उनका नाराजगी विशेष रूप से टीम चयन और खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर थी, जिसने भारतीय क्रिकेट में एक नई बहस शुरु हो गयी है।

शुभमन का कहना है कि जब एक खिलाड़ी तीन मैचों की सीरीज भी पूरी नहीं खेल पा रहा है, तो ऐसे में आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए टीम इंडिया की तैयारी कैसे हो पाएगी? ये बयान सीधे तौर पर चयनकर्ताओं पर सवाल खड़े करता है कि उन्होंने पूरी तरह से फिट नहीं होने वाले खिलाड़ियों को किस प्रकार से शामिल किया है?

इस मामले में कोच गंभीर भी फंसे हुए हैं क्योंकि चयन प्रणाली में उनकी भी अहम भूमिका रहती है। टीम चयन में गंभीर की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है क्योंकि सभी जानते हैं कि उनकी पसंद के खिलाड़ियों को ही टीम में शामिल किया जाता है। यही कारण है कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ उनके मतभेद की खबरें आती रहती हैं। शुभमन को भी गंभीर की पसंद पर ही कप्तानी मिली थी पर इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद शुभमन का बयान से साफ है कि वह गंभीर के फैसलों से सहमत नहीं हैं। शुभमन का मानना है कि अनफिट खिलाड़ियों के चयन के कारण ही टीम सीरीज में हारी है।

सीरीज शुरू होने से पहले ही टीम इंडिया के खिलाड़ियों के चोटिल होने का सिलसिला शुरू हो गया था। अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और नितीश रेड्डी दौरे से पहले ही चोटिल होने के कारण बाहर हो गये। वहीं एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत होते ही हर्षित राणा और उसके बाद वाशिंगटन सुंदर व अंत में जसप्रीत बुमराह भी फिटनेस से जुड़े मामलों के कारण पूरी सीरीज नहीं खेल पाये। लगातार चोटिल हो रहे खिलाड़ियों के कारण टीम इंडिया का संयोजन बुरी तरह से डगमगा गया जिससे उसे अपनी रणनीति में लगातार बदलाव करना पड़ा।

सिराज अब पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी निभा रहे

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अब पुलिस की वर्दी में नजर आये हैं। वह खेल से मिली छुट्टी का उपयोग अपनी पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी निभाकर कर रहे हैं। सिराज को उनके शानदार प्रदर्शन के कारण तेलंगाना पुलिस में डीएसपी का पद मिला है। इसी जिम्मेदारी को निभाने वह राज्य के पुलिस महानिदेशक सी वी आनंद से मिले। इस मुलाकात के दौरान सिराज ने पुलिस महानिदेशक को भारतीय क्रिकेट टीम की एक जर्सी भी भेंट की, जो अब चर्चा का विषय बन गई है। यह घटना न केवल उनके दोहरे व्यक्तित्व को दर्शाती है, बल्कि एक राष्ट्रीय खिलाड़ी के तौर पर उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों को भी उजागर करती है। जिसके तहत वह पुलिस अधिकारी के तौर पर काम करने मैदान में उतरे हैं। तेलंगाना पुलिस में डीएसपी के रूप में उनकी उपस्थिति राज्य पुलिस बल के लिए भी गर्व का विषय है और निश्चित रूप से युवा पीढ़ी को खेल के साथ-साथ नागरिक सेवा में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। टीम इंडिया से मिली छुट्टी के बावजूद सिराज घर में खाली नहीं बैठे, बल्कि उन्होंने अपनी पुलिस विभाग की जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी। सिराज का एक तरफ देश के लिए क्रिकेट खेलना और दूसरी तरफ तेलंगाना पुलिस में डीएसपी के तौर पर अपनी सेवाएं देना, निश्चित रूप से देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है।

कुलदीप को अवसर नहीं मिलने का कारण शुभमन ने बताया

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में एक भी मुकाबला खेलने का अवसर नहीं मिला। यहां तक कि लॉर्ड्स में खेले गए निर्णायक तीसरे एकदिवसीय में भी उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली जबकि मैच के दौरान स्पिनरों को काफी सहायता मिली। इसी को लेकर कप्तान शुभमन गिल ने सफाई दी है शुभमन ने कहा कि शुरुआती दोनों एकदिवसीय में पिच से स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं मिली। इसी कारण टीम प्रबंधन ने अतिरिक्त स्पिनर खिलाने की जगह पर तेज गेंदबाजों पर भरोसा जताया था। गिल ने कहा, पहले दो मैचों में हमने देखा कि पिच स्पिनरों के लिए ज्यादा सहायक नहीं थी। जब स्पिनर गेंदबाजी करते थे तो हमें रक्षात्मक फील्ड लगानी पड़ती थी, जबकि तेज गेंदबाजों के साथ विकेट मिलने की संभावना ज्यादा दिख रही थी। इसी कारण से कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिली।

लॉर्ड्स में हुए मैच को लेकर शुभमन ने कहा कि मुकाबला आगे बढ़ने के साथ विकेट धीमा हो गया और बाद में स्पिन गेंदबाजी ज्यादा प्रभावी साबित हो सकती थी। उन्होंने अपनी गलती मानते हुए कहा, अब देखें तो लगता है कि स्पिनर बेहतर विकल्प हो सकता था। जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तब ऐसा नहीं लग रहा था कि विकेट इतना धीमा होगा, लेकिन दूसरी पारी में पिच काफी धीमी हो गई। भारत की यह रणनीति मैदान पर सफल नहीं रही। टीम के चारों तेज गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए और महत्वपूर्ण विकेट लेने में नाकाम रहे।कुलदीप ने अपना पिछला एकदिवसीय जून में अफगानिस्तान के खिलाफ लखनऊ में खेला था, जिसमें उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। कुलदीप यादव का इंग्लैंड में रिकॉर्ड काफी सम्मानजनक रहा है। उन्होंने यहां अब तक 10 वनडे मुकाबले खेले हैं, जिनमें 15 विकेट लिए हैं। भारतीय टीम अब भारत अब सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज खेलेगी और देखना होगा कि उसमें कुलदीप को अवसर मिलता है या नहीं।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वापसी कर सकते हैं जडेजा और बुमराह

हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण सुंदर को नहीं मिलेगी जगह

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) शीघ्र ही श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित कर सकता है। भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलने हैं। भारतीय टीम 4 अगस्त को श्रीलंका के लिए रवाना होगी और पहला टेस्ट मुकाबला गॉल में खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया एक चार दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलेगी, जिससे खिलाड़ियों को हालातों के अनुरुप ढलने का अवसर मिल जाएगा।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इस टेस्ट सीरीज से टीम में वापसी की पूरी उम्मीदें हैं। जडेजा को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ

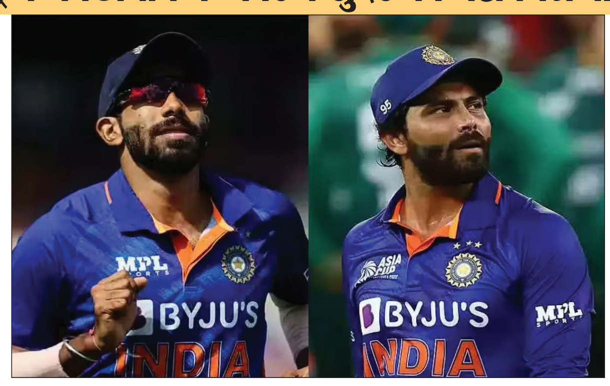

एकमात्र टेस्ट मैच में टीम में शामिल नहीं किया गया था, जबकि जसप्रीत बुमराह चोट के कारण लंबे समय से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे। टीम चयन के दौरान कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी नजरें रहेंगी। वहीं स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर दूसरे मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। ऐसे में उन्हें शामिल किये जाने का सवाल ही नहीं है। चयनकर्ता तो हर्ष दुबे को टीम में बनाये रख सकते हैं या फिर स्पिन आक्रमण को मजबूत करने के लिए ऑफ-स्पिनर सारांश जैन को अवसर दे सकते हैं। इसके अलावा उभरते हुए गेंदबाज मानव सुथार के अलावा अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव को भी टीम में बरकरार रखे जाने की संभावना है।

वहीं तेज गेंदबाज के तौर पर मोहम्मद सिराज, गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा की जगह टीम में बरकरार रहना तय है। दूसरी ओर बल्लेबाजी क्रम में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को देखते हुए बेहद अहम है। भारतीय टीम का लक्ष्य श्रीलंका के खिलाफ दोनों मैच जीतकर अंक तालिका में अपनी स्थिति में सुधार करना रहेगा।

मेसी बोले, हार से उबरने में लगेगा लंबा समय

रियो डि जिनेरियो। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी फीफा विश्वकप फुटबॉल फाइनल में मिली बाहर के बाद से ही सदमे में हैं। खिताबी मुकाबले में स्पेन के हाथों मिली हार से उनका लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया है। मेसी का कहना है कि इस बड़े झटके से उबरने में उन्हें लंबा समय लगेगा। इस टूर्नामेंट में मेसी ने बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम को फाइनल तक पहुंचाया था पर खिताबी मुकाबले में वह अपने नाम के अनुरुप नहीं खेल पाये। वहीं स्पेन ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय में निर्णायक गोल दागकर अपनी टीम को जीत दिला दी। मेसी के अनुसार, यह दर्द इतना गहरा है कि इसे भरने में वाकई लंबा समय लगेगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा पर मैं उन सभी अच्छी यादों को भी संजोकर रखूंगा। उन्होंने अपनी पोस्ट में उन मैचों का जिक्र किया जिन्हें टीम ने अपनी पूरी ताकत लगाकर जीता था और सफलता के उन यादगार पलों को भी याद किया जो हमेशा टीम के साथ रहेंगे। मेसी ने पूरे देश के समर्थन के लिए भी आभार जताया है, जिसने टीम की कड़ी मेहनत और प्रयासों को सराहा है। गौरतलब है कि मेसी का 2030 में होने वाले अगले विश्व कप में खेलने की संभावना नहीं है हालांकि उन्होंने अभी तक अपने संन्यास को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए सीए ने घोषित की टीम

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इसी सीरीज से नियमित कप्तान पैट कमिंस के अलावा जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और नाथन लियोन की भी वापसी होगी। इन सभी की वापसी से ऑस्ट्रेलियाई टीम की गेंदबाजी मजबूत होगी। पिछले कुछ समय से फिट नहीं होने के कारण ही ये चारों गेंदबाज बहुत कम अवसरों पर ही एक साथ खेल पाए थे। इससे पहले ये सभी आईपीएल में नजर आये थे। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने इन गेंदबाजों की वापसी पर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वापसी करने वाले सभी गेंदबाज खेलने के लिए पूरी तरह से फिट हैं। बेली ने कहा, हम अभी से अंतिम ग्यारह को तय नहीं कर रहे हैं पर हम जानते हैं कि इस दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए हमारे पास एक बेहद मजबूत टीम है। मुझे पूरा भरोसा है कि भविष्य में भी यह चारों गेंदबाज एक साथ खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

स्वदेश पहुंची स्पेन टीम का भव्य स्वागत, विक्ट्री परेड में उमड़े प्रशंसक

मैड्रिड। फीफा विश्वकप फुटबॉल खिताब जीतकर स्वदेश लौटी स्पेन टीम का जबरदस्त स्वागत हुआ है। टीम की एक झलक पाने के लिए प्रशंसक सड़कों पर उमड़ पड़े। टीम के खिलाड़ियों और उसके कोचिंग स्टाफ ने मैड्रिड पहुंचने पर शाही परिवार और फिर प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज से मुलाकात की। सांचेज ने कहा, ''आपके खेल की शानदार शैली, बेहतरीन प्रयास और जीत के लिए बहुत-बहुत बधाई। हमें आपको खेलते हुए देखकर वाकई बहुत आनंद आया।'' इसके बाद पूरी टीम एक खुली छत वाली बस में सवार होकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करने के लिए मैड्रिड की सड़कों पर निकल गई। इस बस पर लिखा था ''सितारे एक साथ चमकते हैं'' और उस पर खिलाड़ियों की तस्वीरें भी लगी थीं।

खिलाड़ियों के हाथों में विश्व कप ट्रॉफी थी और उन्होंने जो शर्ट पहन रखी थी उस पर स्पेनिश में लिखा था 'सोमोस कैम्पियोनेस' यानी 'हम चैंपियन हैं।' खिलाड़ी पूरी परेड के दौरान नाचते-गाते और प्रशंसकों से बातचीत करते रहे। वहीं स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने परेड शुरू होने से पहले कहा, ''ऐसे जोशीले और समर्पित प्रशंसकों वाले एक अद्भुत देश का प्रतिनिधित्व करना भावनात्मक और गौरवपूर्ण अनुभव रहा है। हम बहुत उत्साहित हैं।'' यह परेड प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास मोनक्लोआ पैलेस के पास से शुरू हुई और मैड्रिड की सड़कों से होते हुए सिबेल्स स्क्वायर तक गई, जहां उन्होंने एक स्वागत समारोह में हिस्सा लिया और अधिकारियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि इसमें एक लाख से अधिक लोग थे।

युवराज ने चयन पर उठाए सवाल, यशस्वी को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने पर जतायी चिन्ता

-सीनियर खिलाड़ियों के लिए साफ रोडमैप जारी करें

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के चयन मापदंडों पर सवाल उठाये हैं। उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने और अनुभवी खिलाड़ियों के लिए एक स्पष्ट रोडमैप की कमी को लेकर अपनी चिंताएं साझा की हैं। युवराज ने कहा कि आगामी विश्व कप से पहले टीम प्रबंधन को इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत है। युवराज ने कहा कि वह विशेष रूप से युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल लेकर चिन्ता जताते हैं। युवराज के अनुसार यस्स्वी ने हाल के अपने तीन एकदिवसीय मैचों में दो शानदार शतक लगाये हैं। इसके बाद भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, यशस्वी को खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। ऐसे में अगर विश्व कप से पहले उन्हें खेलने का पर्याप्त समय नहीं मिलता और टीम में शामिल किया जाता है तो उन पर अचानक ही दबाव बन जाएगा। पिछले महीने चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक बनाने के बावजूद जायसवाल को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज की फॉर्म और टीम में उनकी जगह को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं। इस पूर्व शानदार ऑलराउंडर ने जोर देकर कहा कि अगर जायसवाल टीम की विश्व कप योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें बड़े टूर्नामेंट से पहले और अधिक मैच खेलने की आवश्यकता है जिससे वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त कर सकें और दबाव का सामना करना सीख सकें। युवराज ने 2019 विश्व कप का उदाहरण देते हुए चेतावनी दी, जहां चोट के कारण दो युवा खिलाड़ियों को बिना अधिक अनुभव के टीम में शामिल करना पड़ा था, और ऐसी पुरानी गलतियों को दोहराने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा, अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है, तो आप क्या करेंगे? हमने पहले भी ऐसा होते देखा है। युवराज ने अनुभवी खिलाड़ियों के प्रति प्रबंधन के दृष्टिकोण पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों को एक साफ रोडमैप देना चाहिए, चाहे वे टीम की दीर्घकालिक योजनाओं का हिस्सा हों या न हों। युवराज का मानना है कि आदर्श रूप से, टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का एक संतुलित मिश्रण होना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर रोहित शर्मा और विराट कोहली विश्व कप के लिए आपकी योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें अभी बताएं और उनकी जगह पक्की करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उम्र और फॉर्म को लेकर बाहरी चर्चाएं तो होती रहेंगी पर प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों के साथ आंतरिक स्थिति बिल्कुल स्पष्ट रखनी चाहिए। युवराज ने ईमानदारी की वकालत करते हुए कहा, और अगर कोई आपकी योजनाओं में नहीं है, तो उनसे ईमानदारी से बात करें। यह एक मुश्किल फैसला होगा, बाहर से शायद यह बुरा लगे, लेकिन वे इस बात की तारीफ करेंगे कि आपने उनसे सीधे बात की। उनका मानना है कि इस तरह की स्पष्ट और सीधी बातचीत खिलाड़ियों में विश्वास पैदा करती है और उन्हें अपने भविष्य के बारे में फैसला लेने में मदद करती है, जो अंततः टीम के हित में ही होता है।

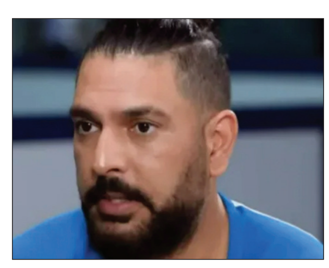

अभिषेक पोरेल रेप मामले में फंसे, गिरफ्तारी के आदेश जारी

कोलकाता। कोलकता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेटर खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल की गिरफ्तारी का आदेश दिया है। अभिषेक पर कथित तौर पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया है। इस पूरे मामले में हाई होर्ट ने अभिषेक के सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को जब्त करने के साथ उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया है। ऐसे में अब अभिषेक का करियर भी खतरे में नजर आ रहा है। अभिषेक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के लिए जाने जाते हैं। कोर्ट ने मोगरा पुलिस को शिकायतकर्ता की तस्वीरों के कथित तौर पर वायरल होने से रोकने के लिए पोरेल के सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को भी जब्त करने के निर्देश दिये हैं। इस मामले में पीड़ित युवती का आरोप है कि क्रिकेटर ने शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए और उनके अंतरंग पलों को रिकॉर्ड किया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि, याचिकाकर्ता से एक पेन ड्राइव जब्त किया गया है। पेन ड्राइव में कुछ ऐसी चीजें मिली ऐसी हैं, जिससे साबित होता है कि पोरेल के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को जब्त करने के लिए उन्हें गिरफ्तार किया जाना जरूरी है जिससे उसमें मौजूद डेटा दूसरों के साथ साझा नहीं किया जा सके। एक रिपोर्ट के अनुसार पोरेल ने कथित तौर पर जनवरी 2023 में शिकायतकर्ता से संपर्क किया था, जिसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। 23 साल के क्रिकेटर पर आरोप है कि जब उनके माता-पिता बाहर थे तब वह महिला को मनकुंडू स्थित अपने फ्लैट पर ले गए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पोरेल ने उनके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए हालांकि, बाद में दोनों के परिवारों ने शादी पर चर्चा की थी, लेकिन बाद में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसे पता चला कि पोरेल के अन्य महिलाओं के साथ भी शारीरिक संबंध थे।

न्यूजीलैंड के स्मिथ ने जीता जून माह का आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के जून माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ मिला है। स्मिथ को ये अवार्ड इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के लिए दिया गया है। इस सीरीज में कीवी टीम ने 2-1 से जीत हासिल की थी। अवार्ड की दौड़ में भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल और बांग्लादेश के ऑलराउंडर शमोसाद्देक हुसैन भी थे। स्मिथ ने इंग्लैंड दौरे पर खेली गई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में अपनी सधी हुई गेंदबाज से मेजबान टीम को कोई अवसर नहीं दिया था। उन्होंने 23 के शानदार औसत से 16 विकेट लिए। ये सीरीज में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे अधिक विकेट थे। अवार्ड हासिल करने के बाद स्मिथ ने इस एक बयान में अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, यह वाकई बहुत विशेष है। टीम के लिए इंग्लैंड का दौरा शानदार रहा और यह बहुत अच्छी बात है। स्मिथ ने आगे कहा कि वह आमतौर पर व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए नहीं खेलते हैं, लेकिन यह पहचान मिलना अच्छा लगता है और इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि मैंने सीरीज जीतने में योगदान दिया।

बांग्लादेश के कप्तान लिटन पर कार्रवाई कर सकती है बीसीबी

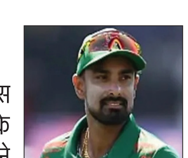

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान लिटन दास की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। लिटन अपनी चीन यात्रा के कारण निशाने पर हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने उन्हें अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए तय नियमों के उल्लंघन के आरोप में अनुशासन समिति के सामने पेश होने को भी कहा है। इस क्रिकेटर पर आरोप है कि कि चोट से उबरने के दौरान ही वह बोर्ड को बताये बिन ही चीन यात्रा पर गये थे। लिटन को 20 जुलाई को अपनी पिंडली (काफ) की चोट की विशेष जांच के लिए सिंगापुर जाना था। इसी चोट के चलते वह हालिया जिम्बाब्वे टी20 सीरीज और आगामी लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2026 से भी बाहर हो गए थे। हालांकि, इन महत्वपूर्ण चिकित्सा निर्देशों और टूर्नामेंट से अनुपस्थिति के बाद वह बिना किसी पूर्व सूचना या अनुमति के चीन चले गये थे। केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए बोर्ड की अनुमति के बिना विदेश यात्रा करना सख्त रूप से नियमों का उल्लंघन माना जाता है और बीसीबी इसे किसी भी कीमत पर सहन करने के पक्ष में नहीं है। बोर्ड अब उनके द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण और प्रस्तुत की गई मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर ही आगे का निर्णय लेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीबी के एक आंतरिक सूत्र ने इस मामले की पुष्टि करते हुए कहा, लिटन चीन गए थे, जिसे बोर्ड ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। बोर्ड ने उन्हें बुलाकर यह जानने का प्रयास किया कि वह किसकी अनुमति से और किस उद्देश्य से चीन गये थे। इस घटना के लिटन ने बीसीबी को अपना जवाब दे दिया है। माना बीसीबी की मेडिकल कमेटी लिटन दास के दावों और उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए चिकित्सा दस्तावेजों की गहन जांच करेगी। इस जांच रिपोर्ट के आने के बाद ही बोर्ड यह तय करेगा कि उनके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी या नहीं।

क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो छोटी टीमों को बड़ी टीमों से मुकाबलों का अवसर मिले : अश्विन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि यदि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो उभरती हुई टीमों को नियमित अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने का अवसर मिले। अश्विन के अनुसार हाल में आईसीसी ने जिस प्रकार से टीमों की संख्या बढ़ाई है उसका तब तक फायदा नहीं मिलेगा जब तक कि इन छोटी टीमों को बड़ी टीमों के खिलाफ पर्याप्त अवसर न मिले।

आईसीसी ने कुछ समय पहले ही एकदिवसीय विश्व कप और 2028 के टी-20 विश्व कप के प्रारूप में बड़े बदलावों की घोषणा की थी। नए प्रारूप के तहत साल 2027 के एकदिवसीय विश्व कप में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और प्रतियोगिता को तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। जिससे मुकाबलों की संख्या और प्रतिस्पर्धा दोनों बढ़ेंगी। वहीं, 2028 के टी-20 विश्व कप में दूसरे चरण में अधिक टीमों को शामिल करने की योजना है, ताकि टूर्नामेंट और अधिक रोमांचक बन सके।

अश्विन का मानना है कि प्रतिस्पर्धा के लिहाज से यह कदम सही दिशा में है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि, यदि अंतिम लक्ष्य क्रिकेट का वैश्विक विस्तार करना है, तो उभरते देशों के लिए एक मजबूत व्यवस्था तैयार करनी होगी। इस अनुभवी स्पिनर ने सुझाव दिया कि नीदरलैंड, स्कॉटलैंड, नेपाल, अमेरिका और आयरलैंड जैसी टीमों को हर द्विपक्षीय श्रृंखला में तीसरी टीम के रूप में शामिल किया जा सकता है। उनका तर्क है कि इससे इन देशों को केवल क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि उन्हें शीर्ष स्तर के देशों के खिलाफ नियमित अनुभव मिलेगा।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, नेपाल, स्कॉटलैंड और अमेरिका जैसी टीमों ने सीमित अवसरों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। टी-20 विश्व कप जैसे बड़े मंचों पर भी इन टीमों ने कई मजबूत देशों को कड़ी चुनौती देकर अपनी क्षमता साबित की है, जो दर्शाता है कि सही मंच मिलने पर ये टीमें क्रिकेट के स्तर को और ऊंचा उठा सकती हैं।

अश्विन ने इस बात पर जोर दिया कि यदि सभी देशों को बराबर अवसर मिलेंगे, तो क्रिकेट का स्तर और लोकप्रियता दोनों बढ़ेंगे। उनका मानना है कि सामूहिक विकास ही इस खेल को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर और अधिक आकर्षक बना सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में क्रिकेट की सफलता केवल भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या अन्य बड़ी टीमों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि नए देशों को भी आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए।

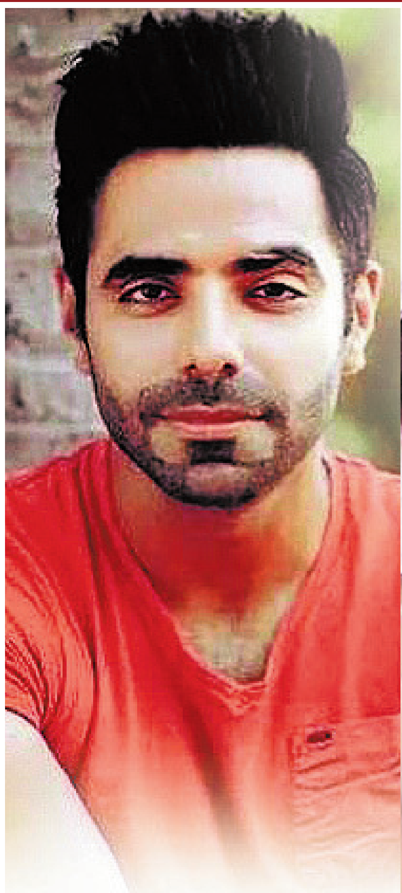

इमरान हाशमी की आगामी फिल्म में विलेन का रोल निभाएंगे अपारशक्ति खुराना

एक्टर अपारशक्ति खुराना अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं। अब अपारशक्ति इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म 'गनमास्टर जी' में विलेन का रोल निभाते नजर आएंगे। हाल ही में सेट से उनकी पहली झलक सामने आई है, जिसमें एक नजर में उन्हें पहचानना तक मुश्किल हो रहा है।

अपारशक्ति खुराना ने दिखाई अपने किरदार की झलक

अपारशक्ति ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपने लुक की झलक साझा की है। उन्होंने जबरदस्त एक्शन सीन की कई तस्वीरें और विलप्स शेयर कीं। साथ ही विलेन के रफ लुक में अपनी तस्वीरों और सेट की एक झलक भी दिखाई। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'विलेन की तरह चिल कर रहा हूं। सच में...'

एक्शन अवतार में नजर आएंगे इमरान हाशमी

'गनमास्टर जी' का निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है, जिन्होंने 'आशिक बनाया आपने' को डायरेक्ट किया था। आदित्य दत्त 'क्रैक', 'टेबल नंबर 21' और 'कमांडो' फ्रैंचाइजी के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में इमरान हाशमी और अपारशक्ति खुराना के अलावा जेनेलिया डिसूजा और अभिषेक सिंह भी हैं। इस फिल्म में इमरान हाशमी एक ऐसे एक्शन अवतार में दिखेंगे जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। इसमें शानदार विजुअल्स और इमोशनल कहानी होगी जो ज्यादातर दर्शकों को पसंद आएगी।

अपारशक्ति को आखिरी बार सौरभ शुक्ला की डायरेक्ट की गई रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'जब खुली किताब' में देखा गया था। यह फिल्म सौरभ शुक्ला के ही इसी नाम के स्टेज प्ले पर आधारित है। फिल्म में पंकज कपूर और डिंपल कपाड़िया एक बुजुर्ग जोड़े के रोल में हैं, जो शादी के 50 साल बाद तलाक लेने का फैसला करते हैं। इसके बाद नवजोत गुलाटी की डायरेक्ट की गई कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'बदतमीज गिल' में नजर आएंगे। इस फिल्म में वाणी कपूर, अपारशक्ति खुराना, परेश रावल, शीबा चड्ढा, रिचर्ड भक्ति क्लेन और मोनिका चौधरी जैसे कलाकार हैं।

नाइला ग्रेवाल को कैसे मिली एटली की फिल्म 'राका'

फिल्ममेकर एटली एक नई फिल्म 'राका' लेकर आ रहे हैं। इस पर काम जारी है। इसमें अल्लू अर्जुन लीड रोल में होंगे। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी इसमें अहम किरदार में होंगी। इस फिल्म से बॉलीवुड अभिनेत्री नाइला ग्रेवाल भी जुड़ी हैं। अभिनेत्री ने एटली के साथ काम करने के अपने अनुभव को बताया है।

नाइला ने की एटली की तारीफ

नाइला ग्रेवाल कहती हैं 'वे एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बहुत बड़े पैमाने, ऊंचे मुकाम और अलग तरह की कहानी कहने के अंदाज पर काम करते हैं। इतनी बड़ी फिल्म को हकीकत का रूप देने के लिए जितनी लगन और मेहनत की जरूरत होती है वो वही कर सकते हैं।' नाइला ग्रेवाल बॉलीवुड में अपने 11 साल के करियर के बाद, 'राका' से साउथ में डेब्यू कर रही हैं। यह प्रोजेक्ट एटली और अल्लू अर्जुन के बीच पहला सहयोग भी है। ग्रेवाल बताती हैं कि यह मौका तब मिला जब उन्होंने अपनी पहली मुलाकात में एटली के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा 'उन्होंने उस बातचीत को आगे बढ़ाया। उन्होंने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने पर विचार किया, जिसने अब तक सिर्फ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम किया हो।'

नाइला ग्रेवाल का वर्कफ्रंट

2015 में इम्तियाज अली की फिल्म 'तमाशा' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली यह एक्ट्रेस हाल ही में 'मामला लीगल है' के सीजन 2 में वकील के किरदार में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ रवि किशन, निधि बिष्ट, अनंत जोशी और अंजुम बत्रा भी थे।

सोनम बाजवा के साथ बनेगी नवाजुद्दीन की जोड़ी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी इंडियन सिनेमा का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने अपने वर्सेटिलिटी से अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन अब नवाजुद्दीन बॉलीवुड से इतर पंजाबी इंडस्ट्री में भी डेब्यू करने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, वह पंजाबी भाषा की एक फिल्म से इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री सोनम बाजवा के प्रमुख रूप में नजर आने की संभावना है। सोनम बाजवा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2013 में पंजाबी फिल्म 'बेस्ट ऑफ लक' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 'सरदारजी 2', 'सुपर सिंह' जैसी कई फिल्मों में काम किया। बाद में उन्हें 'हाउसफुल 5', 'बागी 4', 'एक दीवाने की दीवानियत' और 'बॉर्डर 2' जैसे हिंदी प्रोजेक्ट्स भी मिले। नवाजुद्दीन को आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'मैं एक्टर नहीं हूं' में देखा गया था।

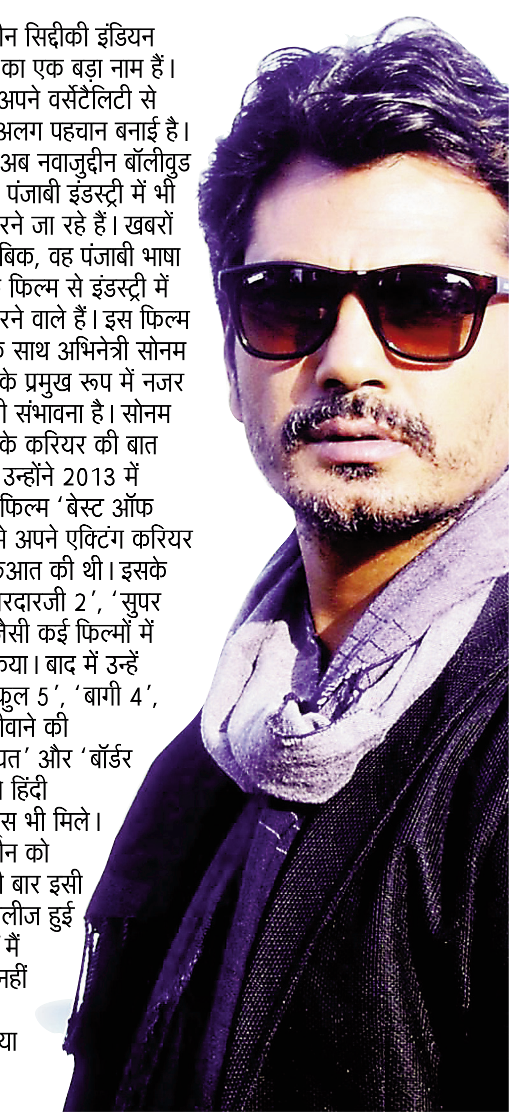

32 की लड़की, शादी का दबाव और किराए के दूल्हे की खोज... मजेदार है खुशाली की 'दुल्हनिया ले आएगी' का ट्रेलर

अभिनेत्री खुशाली कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह एंटरटेनमेंट से भरपूर एक फैमिली ड्रामा फिल्म होगी। इसका ट्रेलर देखकर तो कुछ यही लग रहा है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर बीते महीने रिलीज हुआ था। आज गुरुवार को ट्रेलर सामने आया है। इसमें खुशाली कुमार के अलावा दिग्गज अभिनेता महेश मांजरेकर और पीयूष मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर की शुरुआत नव्या (खुशाली कुमार) की शादी की टेंशन से होती है। बरेली की रहने वाली नव्या की उम्र 32 हो चुकी है और शादी का बहुत दबाव है।

शादी से एक दिन पहले दूल्हे की खोज शुरू

ट्रेलर की शुरुआत ही तानों के साथ होती है, '32 की हो गई है और कितना टाइम लगेगा'। मगर, नव्या पर इसका जरा भी फर्क नहीं और वह जवाब देती है, 'हर लड़की 31 के बाद 32 की ही होती है।' जवाब मिलता है, 'हमारी रिश्तेदारी में कोई ऐसी लड़की नहीं है, जो 32 की है और उसकी शादी नहीं हुई'। कई लड़के रिजेक्ट करने के बाद एक लड़के से शादी का बात होती है, लेकिन यहां भी राह में रोड़ा है। शादी की तैयारियों के बीच चीजें बिखर जाती हैं। मां-बाप की अलग टेंशन है। ऐसे में किराए के दूल्हे की खोज शुरू होती है।

यश आहूजा के डेब्यू पर बोले गोविंदा; कहा- बेटे पर पूरा भरोसा है

अभिनेता गोविंदा करीब सात साल बाद सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने वाले हैं। वे फिल्म 'रूपा' में नजर आएंगे, जिसे प्रोड्यूस भी गोविंदा ही कर रहे हैं। इसका एलान हाल ही में गोविंदा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। इसी दौरान उन्होंने अपने बेटे यश आहूजा के डेब्यू पर भी बात की और खुशी जताई। गोविंदा के बेटे यश जल्द डेब्यू करने वाले हैं। यह बात उनकी मां सुनीता आहूजा ने हाल ही में बताई थी। फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं। अब गोविंदा ने भी बेटे यश के डेब्यू पर बात करते हुए खुशी जाहिर की। एक्टर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यश उनसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे। अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गोविंदा ने अपने बेटे के प्रतिभा की तारीफ की। बेटे की काबिलियत पर भरोसा है गोविंदा ने यश को बेहद प्रतिभाशाली बताते हुए कहा कि वे टेक्निकली एक अलग ही लेवल पर हैं। चाहे एक्टिंग हो, डांस हो, एक्शन हो या बस उनकी ओवरऑल पर्सनैलिटी, उनमें बहुत कुछ है। मुझे सच में उम्मीद है कि वे मुझसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे। एक्टर ने कहा कि उन्हें अपने बेटे की काबिलियत पर पूरा भरोसा है। यश अपनी मां सुनीता आहूजा के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। मां-बेटे की यह जोड़ी प्रोड्यूसर एकता कपूर की फिल्म से लॉन्च होगी। समाचार एजेंसी से बात करते हुए सुनीता ने इस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिल्म के सितंबर में रिलीज होने की उम्मीद है और यह भी बताया कि वह पर्दे पर भी यश की मां का किरदार निभाएंगी।

मैं रियलिटी शो का कंटेस्टेंट नहीं बन सकता

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर का आगाज करने वाले कुणाल खेमू एक्टर, डायरेक्टर, लेखक और सिंगर के रूप में अपना हुनर दिखा चुके हैं, मगर इन दिनों वह चर्चा में हैं अपने एक नए रोल में और वो है रियलिटी शो 'अलायंस' के होस्ट के रूप में। ओटीटी पर आए इस नए शो को होस्ट करने वाले कुणाल खास खास मुलाकात में पत्नी सोहा, बेटी इनाया, अपने निर्देशन, बॉक्स ऑफिस आदि पर तो बात करते ही हैं, मगर साथ ही अपने पसंदीदा होस्ट के बारे में बताना नहीं भूलते। कुणा खेमू कहते हैं, 'हमारे यहां कपिल शर्मा ने इतने सालों तक शानदार होस्टिंग की है। लोग शो उनके लिए देखते हैं। अमिताभ बच्चन सर ने 'कौन बनेगा करोड़पति' को जिस गरिमा और आवाज के साथ होस्ट किया है, वह कमाल है। सच कहूं तो मुझे ऐसा कोई होस्ट याद नहीं आता जिसके बारे में कह सकूं कि वह अच्छा नहीं है। सभी अपने-अपने तरीके से अच्छा काम कर रहे हैं।'

दिल से जुड़े रिश्तों को जाने न दें

सोहा अली के साथ कुणाल खेमू की शादी को 11 साल से भी ज्यादा हो गए हैं। अपनी खुशनुमा शादी पर जब उन्हें टिप्स देने को कहा जाता है, तो वह कहते हैं कि इस मामले में कोई टिप्स काम नहीं करते। बकौल कुणाल, 'मेरी सबसे बड़ी सलाह यही होगी कि किसी और की सलाह पर अपनी जिंदगी मत चलाइए। अपनी लाइफ अपने हिसाब से जिएं। उसमें कभी खट्टे पल होंगे, कभी मीठे। और सबसे जरूरी बात, सोशल मीडिया देखकर किसी रिश्ते को मत आंकिए। वहां कोई अपनी मुश्किलें नहीं दिखाता, हर किसी की जिंदगी अच्छी ही दिखाई देती है। हर रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं, हर अलायंस में भी आते हैं। लेकिन मैं हमेशा मानता हूं कि अगर कोई रिश्ता दिल से जुड़ा है, तो उसे इतनी आसानी से जाने नहीं देना चाहिए। हमारी बॉन्डिंग कोई एक दिन में नहीं बनी। एक-दूसरे को समझने, ट्यूनिंग बनाने और साथ बढ़ने में सालों लगते हैं। आजकल लोग रिश्तों को समय ही नहीं देते। सब कुछ बहुत जल्दी चाहिए।

निर्देशन में कंट्रोल आपके हाथ में होता है

एक्टर हो, निर्देशन या सिंगिंग या फिर होस्टिंग हो, कुणाल सबसे ज्यादा किस काम को एंजॉय करते हैं? इस पर वह कहते हैं, 'मैंने कभी भी कोई काम जरूरत के लिए नहीं किया। मुझे अगर अच्छा लगता है, मैं तभी करता हूं। हां, पहला प्यार मेरा हमेशा एक्टिंग ही रहेगा। अभिनय में मुझे बहुत ज्यादा मजा आया, मगर फिर निर्देशन और लेखन मेरे लिए काफी लिब्रेटिंग था। जब आप निर्देशन करते हैं, तो वहां कंट्रोल आपके हाथ में होता है। एक अभिनेता के तौर पर आपके हाथ में सिर्फ आपका किरदार और परफॉर्मेंस होती है। ये सब डायरेक्टर तय करता है। जब मैंने डायरेक्शन किया तो पहली बार वह कंट्रोल मेरे हाथ में था। होस्टिंग इसलिए दिलचस्प लगी क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया क्षेत्र था। मैंने पहले कभी किया नहीं था। नया सीखने का मौका मिला। 'अलायंस' जैसे रियलिटी शो की होस्टिंग करने वाले कुणाल अपने करियर में किसी रियलिटी शो का कंटेस्टेंट बनने से साफ इंकार करते हैं। वह कारण बताते हुए कहते हैं, 'नहीं... बिल्कुल नहीं। मैं नहीं बन सकता, जो लोग ऐसा करते हैं, वो बहुत बहादुर होते हैं। 24 घंटे कैमरों के बीच रहना, कोई आपको बताए कि अब उठो, अब टास्क करो, अब ये करो... मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर पाऊंगा। ऊपर से जब आप बाहर निकलते हैं तो पता चलता है कि बाहर की दुनिया ने आपके बारे में अपनी अलग राय बना ली है। मेरी पर्सनैलिटी ऐसी नहीं है कि मैं लंबे समय तक ऐसे माहौल में रह सकूं। मैं हमेशा कई चीजें कर रहा होता हूं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं एक अच्छा रियलिटी शो कंटेस्टेंट बन पाऊंगा।'

फिल्ममेकिंग और बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस पर.....

'आज दर्शकों के पास मनोरंजन के कई ऑप्शन्स हैं। अगर किसी इंसान के पास दिन के सिर्फ तीन घंटे एंटरटेनमेंट के लिए हैं तो अब सिर्फ फिल्में उन तीन घंटों के लिए नहीं लड़ रहीं, बल्कि बाकी सारे प्लेटफॉर्म भी उसी समय के लिए मुकाबला कर रहे हैं। ऐसे में सबसे जरूरी चीज है कि आपकी कहानी दर्शक की कल्पना को पकड़ पाए। अगर कहानी अच्छी है तो बिना बड़े बजट और बिना बड़ी मार्केटिंग के भी फिल्म सफल हो जाती है। कई अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों ने यह साबित किया है। हॉलीवुड में भी ऐसी फिल्में हुई हैं, जिन्हें बहुत कम बजट में बनाया गया, लेकिन उन्होंने सैकड़ों मिलियन डॉलर का कारोबार किया जैसे ऑब्सेशन को ही ले लीजिए, क्योंकि लोग कहानी से जुड़ गए। मुझे लगता है कि अगर हर व्यक्ति अपना काम ईमानदारी और पैशन के साथ करे, लोगों पर भरोसा करे और उन्हें अपना काम करने दे, तो चीजें बेहतर होंगी।'

शिफ्ट में काम करने वाले पुरुष न रहें इस खतरे से अनजान

शिफ्ट में काम करने वाले लोगों खासकर पुरुषों को सामान्य की तुलना में सेहत से जुड़े एक बड़े खतरे का रिस्क ज्यादा होता है। हाल में हुए शोध की मानें तो शिफ्ट में काम करने वाले पुरुषों को टाइप 2 डायबिटीज का रिस्क अधिक होता है। साथ ही जो लोग एक निर्धारित पाली की जगह बदलती हुई शिफ्ट में काम करते हैं उन्हें यह खतरा और भी ज्यादा होता है।

न्यूयॉर्क के लेनोक्स अस्पताल के क्लीनिकल मनोविज्ञानी डॉ. एलेन मेनेविट्ज कहते हैं कि यह शोध ज्यादा चौंकाने वाला नहीं है। डॉक्टर काफी समय से महसूस कर रहे थे कि अलग-अलग पालियों में काम करने से शरीर के रसायन प्रभावित होते हैं और इससे आंतों और दिल की बीमारियां हो सकती हैं।

यहां तक कि इससे कैंसर की आशंका भी रहती है। अब टाइप-2 मधुमेह को भी इस सूची में जोड़ा जा सकता है।

विज्ञानियों ने निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए 12 अंतरराष्ट्रीय शोधों का सहारा लिया जिनमें लगभग सवा दो लाख लोग शामिल थे।

मुख्य शोधकर्ता चीन के वुहान में हुआजोंग यूनिवर्सिटी के जुआन ली हैं, उनका कहना है कि इसमें कर्मचारियों के कई पहलुओं को शामिल किया गया है। जैसे पाली कब से कब तक है, बाडी मास इंडेक्स (वजन और लंबाई की गणना), परिवार में किसी को मधुमेह था या नहीं और शारीरिक सक्रियता।

हालांकि नतीजे सीधे-सीधे कुछ नहीं कहते पर पाया गया कि शिफ्ट में काम करने वाले को मधुमेह होने की संभावना नौ फीसदी अधिक है। अगर कर्मी पुरुष है तो यह आंकड़ा 37 फीसदी हो सकता है।

हालांकि पुरुष मधुमेह की चपेट में क्यों ज्यादा आते हैं इसका कोई साफ कारण नहीं है लेकिन हारमोन टेस्टोस्टेरोन इसमें अहम भूमिका निभाता है।

साथ ही रोटेटिंग शिफ्ट में काम करने वाले लोगों को टाइप 2 डायबिटीज होने का खतरा 42 फीसदी ज्यादा होता है। टीम के अनुसार काम का समय बार-बार बदलने से शरीर के लिए सोने और जागने का समय तय करना मुश्किल हो जाता है।

साथ ही कम सोने से शरीर में इंसुलिन की कमी हो जाती है जिससे डायबिटीज होती है। पहले के अध्ययन में मोटापे को मधुमेह का कारण बताया गया था। टीम का कहना है कि शिफ्ट में काम करने से कोलेस्ट्रोल और रक्तचाप बढ़ते हैं। विज्ञानियों के अनुसार समय-समय पर मधुमेह का टेस्ट कराते रहना ही इस समस्या का निदान है।

ज्यादातर अधेड़ों या बुजुर्गों को होती है। 95 फीसदी मधुमेह रोगी टाइप-2 से भी पीड़ित होते हैं। इसमें शरीर में ज्यादा ग्लूकोज या शुगर बनने लगता है। टाइप टू में शरीर इंसुलिन का इस्तेमाल नहीं कर पाता।

नतीजा मोटापा बढ़ने से होता है। ग्लूकोज सेल तोड़ने के लिए शरीर को ज्यादा इंसुलिन की आवश्यकता होती है। धीरे-धीरे पैंक्रियाज इंसुलिन तैयार करने की क्षमता खो देते हैं। नतीजा कई अन्य रोगों की शुरुआत।

अलग-अलग पालियों में काम करने का असर

सोने और जागने का समय तय करना हो जाता है मुश्किल

शरीर के रसायन होतेहैं प्रभावित

आंतों और दिल की बीमारियां होने का खतरा

कैंसर के अलावा टाइप-2 डायबिटीज की चपेट में भी आ सकते हैं।

चाय में छिपा खूबसूरती का राज

चाय का सेवन कुछ लोग थकान दूर करने तो कुछ आदतन करते हैं, लेकिन चाय की एक प्याली हमारे जीवन के अलग-अलग आयामों के लिए लाभदायक हो सकती है। वेबसाइट फीमेलफर्स्ट डॉट को डॉट यूके' के मुताबिक, हाल ही में किए गए एक वैज्ञानिक शोध में यह बात सामने आई है कि चाय मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और शारीरिक दृष्टिकोण से लाभदाई होती है। वैज्ञानिकों ने हर किस्म के चाय से जुड़े स्वास्थ्य के सभी फायदे का परीक्षण किया, जिसमें पाया गया कि यह न सिर्फ शारीरिक सौंदर्य बल्कि वजन कम करने और त्वचा में नमी बरकरार रखने के लिए भी लाभदायी होती है। टी एडवायजरी पैनल (टीएपी) के विशेषज्ञों ने चाय से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराई हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

त्वचा को नम बनाना - शरीर के अंगों, त्वचा और कोशिका के लिए पानी आवश्यक होता है। नए अध्ययन में पाया गया है कि प्रतिदिन छह कप चाय का सेवन करने से इनकी यह जरुरत पूरी हो जाती है।

स्वस्थ त्वचा में चाय की भूमिका - स्वस्थ त्वचा यानी नम त्वचा। पर्याप्त तरल पदार्थ लेना, जिसमें सभी प्रकार के चाय शामिल हो सकती है, शरीर में तरलता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

क्योंकि खासतौर से गर्मी के दिनों में शरीर से पर्याप्त मात्रा में पानी निकल जाता है। पर्याप्त पानी से त्वचा अच्छे हालात में बनी रहती है।

चाय और वजन घटाना -चाय का सेवन करने से कुछ समय तक वजन ज्यादा नहीं बढ़ता। एक सप्ताह से ज्यादा चाय पीने से चाय न पीने वालों की अपेक्षा वजन कम बढ़ता है। काली चाय, कम मलाई वाले दूध की चाय और बिना चीनी वाली चाय सहित सभी चाय में अन्य चर्चित पेय पदार्थों की अपेक्षा कम कैलोरी होती है।

चाय और खूबसूरती - चाय में हमारी त्वचा की खूबसूरती के लिए पर्याप्त पानी मौजूद होता है और यह वजन घटाने में मदद करता है। एक टी बैग में भी खूबसूरती के राज छिपे होते हैं। टी बैग को गुनगुने पानी में डाल कर फिर इसे बंद आंखों के ऊपर रखने से आंखों को थकान से राहत मिलती है।

अवसाद बढ़ा सकता है अत्यधिक छोटा या लंबा होना

सेना में अधिक शारीरिक लंबाई और कम लंबाई वाले लोगों में औसत लंबाई वाले अपने सहयोगियों की अपेक्षा अवसाद का खतरा ज्यादा होता है। एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं का कहना है कि औसत से अधिक लंबे या कम लंबे पुरुषों में अवसाद की समस्या का खतरा ज्यादा होता है। कैलिफोर्निया के कैंप पेंडल्टन स्थित नेवेल हॉस्पीटल की वेलेरी क्रुपनिक और यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया की मारिया केरकासोवा ने एक मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक में सेना के ड्यूटी पर तैनात 196 पुरुषों में अवसाद संबंधी बातों का अध्ययन किया। शोधकर्ताओं का अनुमान था कि औसत से कम लंबाई वाले सैनिकों में अवसाद का खतरा ज्यादा हो सकता है, क्योंकि सेना में शारीरिक कौशल ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। इसके उलट शोधकर्ताओं ने पाया कि अवसाद की समस्या औसत से अधिक लंबे पुरुषों में भी कहीं ज्यादा होती है, क्योंकि कई बार वे अपनी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते। क्रुपनिक ने कहा, बच्चों के शारीरिक कद को ध्यान में रखकर हमारे यहां विशेष कार्यक्रम नहीं चलाए जाते।

गंजेपन से हमेशा के लिए छुटकारा दिलाएगा यह उपाय

सिर पर बाल झड़ गए हैं या गंजेपन ने आपको समय से पहले ही अंकल बना दिया हो निराश न हों, इससे हमेशा के लिए छुटकारा अब और भी सुलभ है।

वैज्ञानिकों ने सीने के बाल को सिर पर ट्रांस्पलांट कर गंजेपन के बावजूद भी बाल उगाने में सफलता प्राप्त की है। इस विधि को उन्होंने फॉलिक्यूलर युनिट एक्सट्रैक्शन का नाम दिया है।

क्यों है अधिक असरदार

अब तक बालों के ट्रांसप्लांट के दौरान सिर के पिछले हिस्से से, जहां बाल अधिक होते हैं, बाल निकालकर सिर के उन हिस्सों पर लगाया जाता है जहां बाल झड़ चुके हों।

यह प्रक्रिया दर्दनाक तो होती ही है, साथ ही इसकी सफलता की गुंजाइश भी पूरी नहीं होती है। अक्सर गंजेपन के दौरान लोगों के सिर के पिछले हिस्से में भी बाल या तो कम होते हैं या फिर कमजोर, इसलिए जरूरी नहीं कि इनका ट्रांसप्लांट पूरी तरह सफल ही हो।

ऐसे में सीने के बालों को सिर पर लगाने की यह विधि अपेक्षाकृत अधिक असरदार है।

कैसे होगा ट्रांसप्लांट

इस प्रक्रिया के अंतर्गत सर्जन मरीज के सीने पर शेव कर बाल निकाल लेता है। इफर इनमें से सेहत फॉलिकल को मरीज के सिर के गंजे भाग पर ट्रांसप्लांट करता है।

सामान्यतः एक बार सिर पर इस विधि से बाल ट्रांस्पलांट करने का खर्च 10,000 पाउंड यानी 10,20,268 रुपए आता है।

रात में जल्दी खाना खाने के ये है फायदे

रात में भोजन कैसा हो, सेहत के लिए यह जितना जरूरी है, भोजन कब हो जैसा सवाल भी उससे कम जरूरी नहीं है। आमतौर पर डॉक्टरों का मानना है कि रात के भोजन और सोने के बीच कम से कम 2 घंटे का अंतर सेहतमंद जीवन के लिए बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आप अब भी देर रात खाना खाते हैं तो जल्दी भोजन करने के ये 5 फायदे जानने के बाद आप भी जल्दी खाना शुरू कर देंगे।

वजन पर नियंत्रण

अगर आप देर रात खाना खाएंगे तो सुबह का नाश्ता इससे प्रभावित होगा। कई शोधों में यह माना जा चुका है कि सुबह का नाश्ता ठीक से न करने के कारण लोग दिन भर ओवरडाइट करते हैं।

रात के भोजन का आपकी बॉडी क्लॉक व्यवस्थित रखने में बड़ा रोल है जिससे और ओवरडाइट न करें और मोटापे के शिकार न हो सकें।

गैस्ट्रिक संबंधी समस्याओं से बचाव

अगर आपको गैस्ट्रिक संबंधी समस्याएं अधिक होती हैं तो आप रात में जल्दी खाने की आदत डाल ही लें।

दरअसल, खाने के ठीक बाद सोने से भोजन का पाचन अच्छी तरह नहीं हो पाता है जिससे हार्टबर्न जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

अच्छी नींद के लिए

रात में जल्दी और सेहतमंद भोजन करने से नींद न आने की समस्या को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। यह बॉडी क्लॉक को व्यवस्थित रखने में मददगार है जिससे नींद न आने की दिक्कत दूर होती है।

ऊर्जा बरकरार रहती है

देर रात तक ढेर सारा भोजन करने से आप नाश्ता अच्छी तरह नहीं कर पाते जिससे दिन भर आपको ऊर्जा की कमी महसूस होती है। रात में जल्दी खाने से अगले दिन सुबह का नाश्ता भरपूर होता है जिससे ऊर्जा बनी रहती है।

रोगों से बचाव

कई शोधों में माना जा चुका है कि रात में जल्दी भोजन करने वाले लोगों को हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसे दिल के रोगों का रिस्क कम होता है।

बारिश में जुकाम से कैसे बचें

इस मौसम में सर्दी-खाँसी आम बात है। तुलसी और अदरक इस मौसम में लाभदायक होते हैं। तुलसी में काफी उपचारी गुण समाए होते हैं, जो जुकाम और फ्लू आदि से बचाव में कारगर हैं। तुलसी की पत्तियाँ चबाने से कोल्ड और फ्लू दूर रहता है। इसी तरह तुलसी और बांसा की पत्तियाँ (प्रत्येक 5 ग्राम) पीसकर पानी में मिलाएँ और काढ़ा तैयार कर लें। इससे खाँसी और दमा में काफी फायदा मिलेगा। अलसी के बीज (लिनसीड) भी खाँसी के इलाज में काफी कारगर होते हैं, क्योंकि ये बलगम बाहर निकालने में मदद करते हैं। इनका काढ़ा बनाकर पी लें या फिर बीजों को पीसकर चाट लें। जल्द राहत के लिए 10 ग्राम अलसी के पिसे बीजों को मुलैठी के चूर्ण में मिलाएँ और 200 मिली पानी में इन्हें पानी के आधा रह जाने तक उबालें। इसमें 20 ग्राम शुद्ध शहद मिलाएँ और गरम-गरम पिएँ। इससे शरीर का बलगम बाहर निकलता है और खाँसी में राहत मिलती है। अदरक की चाय इस मौसम में स्वाद और सेहत दोनों की दृष्टि से अच्छी है।